रजिस्ट्री सं. डीएल—33001/2003 REGISTERED No. DL—33001/2003

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 8] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 22, 2003 (फाल्गुन 3, 1924)
No. 8] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 22, 2003 (PHALGUNA 3, 1924)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

भाग I--खण्ड-1--(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं 227

भाग I--खण्ड-2--(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं 159

भाग I--खण्ड-3--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं 1

भाग I--खण्ड-4--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं 185

भाग II--खण्ड-1--अधिनियम, अध्यादेश और विनियम *

भाग II--खण्ड-1क--अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ *

भाग II--खण्ड-2--विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट *

भाग II--खण्ड-3--उप खण्ड (i)--भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं) *

भाग II--खण्ड-3--उप खण्ड (ii)--भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं *

भाग II--खण्ड-3--उप खण्ड (iii)--भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं) *

भाग II--खण्ड-4--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश *

भाग III--खण्ड-1--उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं 289

भाग III--खण्ड-2--पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेन्टों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस 721

भाग III--खण्ड-3--मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं *

भाग III--खण्ड-4--विधिक अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं 29 1

भाग IV--गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस 27

भाग V--अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक *

*आंकड़े प्राप्त नहीं हैं।

CONTENTS

PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court 227

PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court 159

PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence . 1

PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence 185

PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations . . . . . *

PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi languages of Acts, Ordinances and Regulations . . . . . *

PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills . . . . . *

PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules including Orders, Bye-laws, etc. of general character issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) . . . . . *

PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) *

PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories) . . . . . *

PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence . *

PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India 289

PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs 721

PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners . . . . . *

PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies 2911

PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies 27

PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi . . . . . *

*Folios not received.

भाग I—खण्ड 1
[PART I—SECTION 1]
[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]
[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी, 2003

सं0.1-प्रेज./2003 - राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2003 के अवसर पर निम्नलिखित अफसरों को उनकी विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :

श्री पी0 वी0 नायडू
अपर पुलिस महानिदेशक
हैदराबाद
आंध्र प्रदेश

श्री के0 अरविन्द राव
पुलिस महानिरीक्षक
हैदराबाद
आंध्र प्रदेश

श्री एम0 वेंकट रेड्डी
स्क्वा0 कमांडर
ग्रे हाउन्ड्स, हैदराबाद
आंध्र प्रदेश

श्री सी0 रत्ना रेड्डी
उप-महानिरीक्षक (आसूचना), हैदराबाद
आंध्र प्रदेश

श्री वुट्टुकुरू शिवशंकर
अन्वेषण अधिकारी,
ए0 पी0 लोकआयुक्त , हैदराबाद
आंध्र प्रदेश

श्री जोलपालेम भास्कर
पुलिस उप-अधीक्षक, कुरनूल
आंध्र प्रदेश

श्री अशोक कुमार दास
उप-पुलिस महानिरीक्षक, गुवाहाटी
असम

श्री अनिल एम नवानी
पुलिस महानिरीक्षक, बिलासपुर
छत्तीसगढ़

डॉ0 ए0 के0 श्रीवास्तव
उप-कमांडेंट, सी जी ए पी, 1 बटालियन, भिलाई
छत्तीसगढ़

श्रीमती कंवलजीत देओल
संयुक्त पुलिस आयुक्त,
पुलिस मुख्यालय, नई दिल्ली
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

श्रीमती विमला मेहरा
संयुक्त पुलिस आयुक्त,
नई दिल्ली
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

श्री ए0 पी0 कुरेशी
पुलिस उप-अधीक्षक/सहायक कमांडेंट,
एस आर पी एफ ग्रेड.II , अहमदाबाद
गुजरात

श्री सुखदेव सिंह
अपर पुलिस अधीक्षक
भिवानी
हरियाणा

श्री मदन लाल
अपर पुलिस महानिदेशक, पी एच सी, जम्मू एवं कश्मीर
जम्मू एवं कश्मीर

श्री एच0 एल0 फोतेदार
पुलिस अधीक्षक (अपराध), जम्मू
जम्मू एवं कश्मीर

श्री बी0 के0 सिन्हा
पुलिस अधीक्षक
सरायकेला-खरसांवा
झारखंड

श्री एस0 मारीस्वामी
अपर पुलिस महानिदेशक
बंगलौर
कर्नाटक

श्री एस0 एम0 बिदारी
पुलिस महानिरीक्षक
के एस आर पी बंगलौर
कर्नाटक

श्री बी0 बी0 सकरी
पुलिस उप-अधीक्षक
रानेबेन्नूर सब-डिवीजन, जिला हावेरी
कर्नाटक

श्री वी0 एम0 कंवर
पुलिस महानिरीक्षक, इन्दौर
मध्य प्रदेश

श्री विजय बाटे
पुलिस महानिरीक्षक/ उप-टी सी
ग्वालियर
मध्य प्रदेश

श्री वी0 एस0 तोमर
अपर पुलिस अधीक्षक, कटनी
मध्य प्रदेश

श्री राहुल गोपाल
अपर महानिदेशक
ए सी बी मुंबई
महाराष्ट्र

श्री एस0 एस0 दयाल
संयुक्त पुलिस आयुक्त (प्रशासन)
मुंबई
महाराष्ट्र

श्री ए0 डी0 गोरे
सहायक पुलिस आयुक्त
कंट्रोल रूम, थाणे
महाराष्ट्र

श्री एल0 साईलो
पुलिस महानिदेशक, मेघालय, शिलांग
मेघालय

श्री एम0 हेसो माओ
पुलिस महानिदेशक, कोहिमा
नागालैण्ड

श्री हरिहर पांडा
विशेष पुलिस महानिरीक्षक, कटक
उड़ीसा

श्री अजीत कुमार घोष
पुलिस उप-अधीक्षक, सतर्कता, कटक
उड़ीसा

श्री परश मणि दास
पुलिस महानिरीक्षक,
पटियाला
पंजाब

श्री आर0 सी0 सेठी
पुलिस अधीक्षक
मुख्य मंत्री सुरक्षा, चंडीगढ़
पंजाब

श्री राम जीवन मीणा
पुलिस महानिरीक्षक
जयपुर
राजस्थान

श्री ए0 के0 जैन
पुलिस महानिरीक्षक
जयपुर
राजस्थान

श्री पी0 डी0 शर्मा
सहायक पुलिस महानिरीक्षक
जयपुर
राजस्थान

श्री आई0 के0 शर्मा
अपर पुलिस अधीक्षक, सीकर
राजस्थान

श्री के0 रामानुजम
पुलिस महानिरीक्षक, चेन्नई
तमिलनाडु

श्री एस0 जे0 विजयकुमार
पुलिस उप-अधीक्षक, वी एण्ड ए सी, चेन्नई
तमिलनाडु

श्री करमवीर सिंह
पुलिस महानिरीक्षक
कानपुर
उत्तर प्रदेश

श्री बी0 एम0 सारस्वत
पुलिस महानिरीक्षक
लखनऊ
उत्तर प्रदेश

डॉ0 कश्मीर सिंह
पुलिस महानिरीक्षक, पी ए सी सेंट्रल
लखनऊ
उत्तर प्रदेश

श्री एन0 एस0 चौहान
पुलिस उप-अधीक्षक
महानिदेशालय मुख्यालय, लखनऊ
उत्तर प्रदेश

श्री दिलीप त्रिवेदी
महानिरीक्षक सीमा सुरक्षा बल
जम्मू
उत्तर प्रदेश

श्री सुजीत कुमार सरकार
अपर पुलिस आयुक्त
कोलकाता
पश्चिम बंगाल

श्री किसलय दासगुप्ता
सहायक पुलिस आयुक्त
कोलकाता
पश्चिम बंगाल

श्री आर0 एन0 शर्मा
उप-महानिरीक्षक (कार्मिक)
बल मुख्यालय, सीमा सुरक्षा बल, नई दिल्ली
सीमा सुरक्षा बल

श्री ए0 के0 घोष
उप-महानिरीक्षक
स्टेशन मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल, कृष्णानगर
सीमा सुरक्षा बल

डॉ0 यू0 एन0 पांडा
मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एस जी)
एफ टी आर मुख्यालय, शिलांग
सीमा सुरक्षा बल

श्री बी0 एस0 रौतेला
उप कमांडेंट
श्रीनगर
सीमा सुरक्षा बल

श्री वागीश मिश्रा
पुलिस महानिरीक्षक ई/एस
कोलकाता
केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल

श्री रिजवान रसूल
अपर उप-पुलिस महानिरीक्षक
महानिदेशालय, नई दिल्ली
केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल

श्री जे0 एम0 एस0 कठैत
कमांडेंट
50वीं बटालियन, असम
केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल

श्री जगजीत सिंह
कमांडेंट
086 बटालियन, जम्मू एवं कश्मीर
केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल

श्री एम0 एम0 शर्मा
उप-पुलिस महानिरीक्षक, गांधीनगर
केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल

श्री के0 जे0 सिंह
अपर महानिदेशक, महानिदेशालय, नई दिल्ली
भारत तिब्बत सीमा पुलिस

श्री शिव राम शर्मा
सहायक कमांडेंट (दूरसंचार),
6 बटालियन, भारत तिब्बत सीमा पुलिस

श्री एस0 एन0 एल0 भटनागर
सीनियर कमांडेंट
सी सी एल करगली (झारखंड)
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

श्री बी0 एल0 दुरानी
सीनियर कमांडेंट
बी.एच.ई.एल. हरिद्वार
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

श्री ई0 के0 कुट्टी
निरीक्षक
बी सी सी एल धनबाद
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

श्री एस0 सी0 सिन्हा
संयुक्त निदेशक
नई दिल्ली
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

श्री एच0 सी0 सिंह
उप-महानिरीक्षक, नई दिल्ली
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

श्री ओ0 पी0 छतवाल
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एस.टी एफ. दिल्ली
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

श्री बी0 एन0 पी0 आजाद
पुलिस अधीक्षक
ए सी यू-III दिल्ली
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

श्री एम0 के0 भट
अपर पुलिस अधीक्षक, ए सी-III, दिल्ली
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

श्री राजीव कपूर
संयुक्त निदेशक, आसूचना ब्यूरो मुख्यालय, नई दिल्ली
आसूचना ब्यूरो

श्री योगेन्द्र झा
सहायक निदेशक
आसूचना ब्यूरो मुख्यालय, नई दिल्ली
आसूचना ब्यूरो

श्री के0 जयानन्द
सहायक निदेशक, आसूचना ब्यूरो मुख्यालय, नई दिल्ली
आसूचना ब्यूरो

श्री एस0 बी0 भट्ट
डी सी आई ओ
अहमदाबाद
आसूचना ब्यूरो

श्री वी0 कार्तिकेयन
डी सी आई ओ
चेन्नई
आसूचना ब्यूरो

श्री पी0 सी0 तिवारी
ए सी आई ओ-I (डब्लू टी),
आसूचना ब्यूरो मुख्यालय, नई दिल्ली
आसूचना ब्यूरो

श्री आर0 के0 काजी
ए सी आई ओ-I/जी
श्रीनगर
आसूचना ब्यूरो

श्री एन0 मुरुगेसन
ए सी आई ओ -II/जी
चेन्नई
आसूचना ब्यूरो

श्री एन0 रामचन्द्रन
महानिरीक्षक,
विशेष सुरक्षा ग्रुप, नई दिल्ली
मंत्रीमंडल सचिवालय (विशेष सुरक्षा ग्रुप)

श्री गजेन्द्र सिंह सजवान
उप-महानिरीक्षक, नई दिल्ली
गृह मंत्रालय (विशेष सेवा ब्यूरो)

श्री सुरेन्द्र नाथ कौल
उप-जे ए जी,
राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड, नई दिल्ली
गृह मंत्रालय (राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड)

श्री एस0 एन0 शर्मा
कमांडिंग ऑफिसर (लघु शस्त्र),
रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली
रेल मंत्रालय

2. यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (1) के अन्तर्गत दिया जा रहा है।

(बरुण मित्रा)
निदेशक

सं0 2-प्रेज./2003 - राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2003 के अवसर पर निम्नलिखित अफसरों को उनकी सरहनीय सेवा के लिये पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :

श्री एस0 एस0 पी0 यादव
अपर पुलिस महानिदेशक
रेलवे, हैदराबाद
आंध्र प्रदेश

श्री पी0 शेषागिरी राव
कमांडेंट
5 वीं बटालियन ए पी एस पी, विजयनगरम
आंध्र प्रदेश

श्री विनय रंजन रे
पुलिस उप-महानिरीक्षक
गुंटूर रेंज, गुंटूर
आंध्र प्रदेश

श्री राजीव त्रिवेदी
अपर सचिव
गृह विभाग, हैदराबाद
आंध्र प्रदेश

श्री तुषार आदित्य त्रिपाठी
पुलिस उप-महानिरीक्षक, एस आई बी
हैदराबाद
आंध्र प्रदेश

श्री एन0 वी0 सुरेन्द्र बाबू
पुलिस आयुक्त
विजयवाड़ा
आंध्र प्रदेश

श्री सत्य नारायण
पुलिस उप-महानिरीक्षक
कुरनूल रेंज, कुरनूल
आंध्र प्रदेश

श्री एम0 विद्यासागर राव
पुलिस उप-अधीक्षक
सुरक्षा विंग आसूचना, हैदराबाद
आंध्र प्रदेश

श्री बी0 शेषु
एस.डी.पी.ओ
गडवाल उप-मंडल, जिला महबूबनगर
आंध्र प्रदेश

श्री सीएच0 साया रेड्डी
एस.डी.पी.ओ
अल्लागड्डा
आंध्र प्रदेश

श्री के0 जे0 एम0 रेड्डी
एस.डी.पी.ओ
भोंगीर उप-मंडल, जिला नलगोंडा
आंध्र प्रदेश

श्री के0 के0 राव अचारी
पुलिस उप-अधीक्षक, सी आई डी
विशाखापत्तनम
आंध्र प्रदेश

श्री सीएच0 अल्लूराहिआ
निरीक्षक, हैदराबाद
आंध्र प्रदेश

श्री पी0 एस0 एस0 पी0 बाबू
निरीक्षक, सी आई डी
हैदराबाद
आंध्र प्रदेश

श्री सैयद हैदर हसन
हैड कांस्टेबल
एस. बी. सिटी, हैदराबाद
आंध्र प्रदेश

श्री मदीगा गंगप्पा
कांस्टेबल
पोथूकुंटा
आंध्र प्रदेश

श्री के0 के0 नाथ
पुलिस उप-महानिरीक्षक, गुवाहाटी
असम

श्री ए0 के0 झा
निदेशक, अभियोजन, गुवाहाटी
असम

श्री एन0 एम0 दत्ता
पुलिस उप-महानिरीक्षक, सिलचर असम
असम

श्री डी0 सी0 कलीता
उप-निरीक्षक, पी आर एस, दिफु
असम

श्री आर0 के0 कुर्मी
उप-निरीक्षक, गुवाहाटी
असम

श्री एम0 एस0 तोमर
सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़

श्री जे0 के0 थोरात
पुलिस अधीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग
लोकायुक्त कार्यालय बिलासपुर
छत्तीसगढ़

श्री डी0 के0 सिंह
कंपनी कमांडर, 10 वीं बटालियन सी जी ए पी, सुरगुजा
छत्तीसगढ़

श्री टी0 एस0 जी0 के0 पिल्लई
सूबेदार (एम)
7वीं बटालियन, भिलाई,
छत्तीसगढ़

श्री टी0 पी0 पाठक
कांस्टेबल, पी एस बी/भट्टी
छत्तीसगढ़

श्री के0 के0 वर्मा
हैड कांस्टेबल, रायपुर
छत्तीसगढ़

श्री राजेश मलिक
अपर पुलिस आयुक्त, भ्रष्टाचार निरोध शाखा
दिल्ली
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

श्री शिव प्रसाद
निरीक्षक (तकनीकी), दिल्ली पुलिस
नई दिल्ली
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

श्री भीम सेन
निरीक्षक, दिल्ली पुलिस
नई दिल्ली
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

श्री हरपाल सिंह यादव
निरीक्षक, दिल्ली पुलिस
नई दिल्ली
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

श्रीमती कंवलजीत कौर
महिला/निरीक्षक, दिल्ली पुलिस
प्रोवि0 एवं लाजिस्टिक, नई दिल्ली
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

श्री जे0 एन0 दीक्षित
उप-निरीक्षक, दिल्ली पुलिस
नई दिल्ली
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

श्री हुकम चंद
उप-निरीक्षक, दिल्ली पुलिस
नई दिल्ली
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

श्री बसर सिंह
सहायक उप-निरीक्षक, (डब्लू.ओ), दिल्ली पुलिस
नई दिल्ली
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

श्री सरबजीत सिंह
सहायक उप-निरीक्षक, पश्चिमी जिला,
दिल्ली पुलिस नई दिल्ली
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

श्री ए0 टी0 शशी
हैड कांस्टेबल, उत्तर-पश्चिमी जिला
दिल्ली पुलिस
नई दिल्ली
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

श्री रंजीत कुमार
कांस्टेबल, स्पेशल सैल, दिल्ली पुलिस
नई दिल्ली
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

श्री नीलू एस0 रौत देसाई
पुलिस उप-अधीक्षक
पणजी
गोवा

श्री वी0 वी0 रबारी
विशेष पुलिस महानिरीक्षक
गांधीनगर
गुजरात

श्री एल0 पी0 सोलंकी
निरीक्षक
गांधीनगर
गुजरात

श्री डी0 एस0 महेता
निरीक्षक
कालूपुर पुलिस स्टेशन, अहमदाबाद
गुजरात

श्री ए0 ए0 चौहाण
निरीक्षक
अपराध शाखा अहमदाबाद
गुजरात

श्री टी0 ए0 बारोट
निरीक्षक
अपराध अनुसंधान शाखा, अहमदाबाद
गुजरात

श्री पी0 बी0 जाडेजा
निषेधक निरीक्षक
निषेधक विभाग, अहमदाबाद
गुजरात

श्री आर0 बी0 जोशी
उप-निरीक्षक
अपराध शाखा, अहमदाबाद
गुजरात

श्री पी0 जी0 वाघेला
उप-निरीक्षक
आतंकवाद निरोधी दस्ता, अहमदाबाद
गुजरात

श्री के0 एस0 देसाई
उप-निरीक्षक
अपराध शाखा, अहमदाबाद
गुजरात

श्री पी0 वी0 पाटिल
सहायक उप-निरीक्षक
सूरत शहर
गुजरात

श्री जी0 यू0 शेखावत
असिस्टेंट ड्रिल इन्सट्रक्टर/मेजर
गुजरात पुलिस अकादमी, करई, गांधीनगर
गुजरात

श्री ए0 पी0 प्रजापती
सहायक उप-निरीक्षक / रेडियो ऑपरेटर
गांधीनगर
गुजरात

श्री पी0 जी0 नाम्बीयार
सहायक उप-निरीक्षक (रेडियो ऑपरेटर)
गांधीनगर
गुजरात

श्री के0 सेल्वराज
पुलिस उप-महानिरीक्षक, सी आई डी
पंचकुला
हरियाणा

श्री राजेन्द्र सिंह
पुलिस अधीक्षक, भिवानी
हरियाणा

श्री विजय कुमार भराडा
पुलिस उप-अधीक्षक सी आई डी
अंबाला
हरियाणा

श्री परम सिंह
उप-निरीक्षक
सी आई डी (एच) सुरक्षा दिल्ली
हरियाणा

श्री ए0 के0 शर्मा
पुलिस अधीक्षक /सी आई डी, शिमला
हिमाचल प्रदेश

श्री आर0 एम0 शर्मा
पुलिस अधीक्षक, हमीरपुर
हिमाचल प्रदेश

श्री रमेश चन्द
उप-निरीक्षक, बसल (वर्तमान मे बनगढ़)
हिमाचल प्रदेश

श्री एम0 के0 मोहंती
अपर पुलिस महानिदेशक, जम्मू
जम्मू एवं कश्मीर

श्री प्रभात सिंह
पुलिस अधीक्षक (शहर), जम्मू
जम्मू एवं कश्मीर

श्री जगजीत कुमार
पुलिस अधीक्षक, यातायात, श्रीनगर
जम्मू एवं कश्मीर

श्री ए0 आर0 शान
पुलिस अधीक्षक, तल वाड़ा-रेआसी
जम्मू एवं कश्मीर

श्री एम0 ए0 खान
पुलिस उप-अधीक्षक, बदगाम
जम्मू एवं कश्मीर

श्री सुरेन्द्र महालदार
निरीक्षक
सी आई डी मुख्यालय
जम्मू एवं कश्मीर

श्री जी0 एम0 भट
निरीक्षक, श्रीनगर
जम्मू एवं कश्मीर

श्री जी0 ए0 डर
निरीक्षक, फोटो अनुभाग, श्रीनगर
जम्मू एवं कश्मीर

श्री एलेक्सियस मिंज
हैड कांस्टेबल, सी आई डी रांची
झारखण्ड

श्री बी0 डी0 लिम्बू
उप-निरीक्षक (सशस्त्र) रांची
झारखण्ड

श्री चन्द्रशेखर
पुलिस महानिरीक्षक
बंगलौर
कर्नाटक

श्री एम0 एन0 रेड्डी
अपर पुलिस आयुक्त
बंगलौर शहर
कर्नाटक

श्री एच0 एन0 सत्यनारायण राव
निदेशक, के पी ए, मैसूर
कर्नाटक

श्री के0 वी0 गगनदीप
पुलिस आयुक्त
हुबली धारवाड़
कर्नाटक

श्री पी0 सी0 गणपति
अपर पुलिस अधीक्षक
जिला चमाराजानगर
कर्नाटक

श्री जे0 आर0 कोटी
पुलिस उप-अधीक्षक
फिंगर प्रिंट डिवीजन, बंगलौर
कर्नाटक

श्री एम0 एन0 राजन्ना
पुलिस उप-अधीक्षक
सतर्कता बंगलौर
कर्नाटक

श्री एम0 डी0 दिवाकर
पुलिस उप-अधीक्षक
कर्नाटक पुलिस अकादमी, मैसूर
कर्नाटक

श्री एम0 जी0 नगेन्द्र कुमार
निरीक्षक
यातायात योजना बंगलौर
कर्नाटक

श्री के0 के0 विजयकुमार
रिज़र्व पुलिस निरीक्षक
IV बटालियन के एस आर पी बंगलौर
कर्नाटक

श्री पी0 एम0 उक्कोजिकर
सहायक उप-निरीक्षक
डी ए आर बेलगांव
कर्नाटक

श्री विन्सन एम0 पॉल
पुलिस महानिरीक्षक,
तिरुवनन्तपुरम
केरल

श्री वी0 वी0 मोहनन
पुलिस अधीक्षक
एस बी सी आई डी, त्रिचूर
केरल

श्री टी0 वी0 कमलाक्षन
पुलिस अधीक्षक, सी बी सी आई डी
कोझीकोड
केरल

श्री एम0 एम0 नांबियार
असिस्टेंट कमांडेंट
एम एस पी, मालापुरम
केरल

श्री वी0 बी0 रमेश कुमार
निरीक्षक,
तिरुवनन्तपुरम
केरल

श्री आर0 हितापालन नायर
पुलिस उप-अधीक्षक
तिरुवनन्तपुरम
केरल

श्री एम0 वी0 वलयुद्धन
सशस्त्र पुलिस निरीक्षक, के ए पी-I बटालियन
त्रिचूर
केरल

श्री संजय राणा
अपर सचिव (गृह)
भोपाल
मध्य प्रदेश

डॉ0 पी0 आर0 माथुर
उप-महानिरीक्षक/एस बी आई, ई ओ डब्ल्यू
भोपाल
मध्य प्रदेश

श्री एस0 के0 सिंह
उप-महानिरीक्षक, सी आई डी मुख्यालय, भोपाल
मध्य प्रदेश

श्री विजय यादव
उप-महानिरीक्षक आसूचना पुलिस मुख्यालय, भोपाल
मध्य प्रदेश

श्री ए0 के0 जैन
उप-महानिरीक्षक
भोपाल
मध्य प्रदेश

श्री एम0 पी0 द्विवेदी
उप-महानिरीक्षक, सी आई डी, पुलिस मुख्यालय
भोपाल
मध्य प्रदेश

श्री ए0 के0 पौराणिक
उप पुलिस अधीक्षक, सी आई डी, पुलिस मुख्यालय भोपाल
मध्य प्रदेश

श्री जे0 के0 दीक्षित
रिजर्व निरीक्षक, शाजापुर
मध्य प्रदेश

श्रीमती मेनका गुरुंग
कंपनी कमांडर, 23 बटालियन एस ए एफ भोपाल
मध्य प्रदेश

श्री के0 सी0 हिवरकर
उप-निरीक्षक (बैंड), जे एन पी ए सागर
मध्य प्रदेश

श्री सीताराम जोशी
प्लाटून कमांडर, इन्दौर
मध्य प्रदेश

श्री फरीद बज्मी
लाईब्रेरियन /सूबेदार (एम), भोपाल
मध्य प्रदेश

श्री जी0 बी0 यादव
हैड कांस्टेबल, भिंड
मध्य प्रदेश

श्री वी0 एन0 पटेल
कांस्टेबल, सतना
मध्य प्रदेश

श्री के0 आर0 कोली
कांस्टेबल, श्योपुर
मध्य प्रदेश

श्री आर0 के0 शिवहरे
पुलिस अधीक्षक, एस बी आई ई ओ, इन्दौर
मध्य प्रदेश

श्री मातिन खान
वरिष्ठ कांस्टेबल, एस बी आई ई ओ, भोपाल
मध्य प्रदेश

श्री एच0 एन0 नागराले
पुलिस अधीक्षक
(अनिवार्य प्रतीक्षा)
महाराष्ट्र

श्री सी0 एस0 जानराव
कमांडेंट
एस आर पी एफ जी आर.X
शोलापुर
महाराष्ट्र

श्री वी0 आर0 चिंतलवार
एस डी पी ओ
जलगांव
महाराष्ट्र

श्रीमती एच0 ए0 वारियाच
सहायक पुलिस आयुक्त
अपराध शाखा, मुंबई
महाराष्ट्र

श्री एम0 जी0 नाईक
निरीक्षक
एस आर पी एफ जी आर - I
पुणे
महाराष्ट्र

श्री के0 बी0 बेले
निरीक्षक
सी आई डी अपराध
नागपुर
महाराष्ट्र

श्री के0 एन0 करांडे
निरीक्षक
शोलापुर (ग्रामीण)
महाराष्ट्र

श्री आर0 एम0 थोरात
ए पी आई
ए सी बी औरंगाबाद
महाराष्ट्र

श्री वी0 एस0 वांडिले
ए पी आई
ए सी बी नागपुर
महाराष्ट्र

श्री वी0 बी0 चिंचोले
पी एस आई
औरंगाबाद शहर
महाराष्ट्र

श्री अब्बास अली अब्दुल करीम मुजावर
सहायक उप-निरीक्षक
शोलापुर शहर
महाराष्ट्र

श्री एम0 डी0 गाडे
सहायक उप-निरीक्षक
जी आर-I पुणे
महाराष्ट्र

श्री एम0 के0 जाधव
सहायक उप-निरीक्षक
अहमदनगर टी आर. शाखा
महाराष्ट्र

श्री वी0 डी0 सोनार
सहायक उप-निरीक्षक
नासिक
महाराष्ट्र

श्री वी0 सी0 चौधरी
सहायक उप-निरीक्षक
पी टी एस अकोला
महाराष्ट्र

श्री के0 आर0 मोहिते
सहायक उप-निरीक्षक
ए सी बी मुंबई
महाराष्ट्र

श्री आर0 बी0 लेकावाले
हैड कांस्टेबल
जी आर - I पुणे
महाराष्ट्र

श्री डी0 डी0 महाजन
हैड कांस्टेबल
एल सी बी जलगांव
महाराष्ट्र

श्री एस0 डी0 सातपुते
हैड कांस्टेबल / ड्राईवर
उस्मानाबाद एम टी सैक.
महाराष्ट्र

श्री बी0 एस0 तातुगडे
हैड कांस्टेबल
सी आर. शाखा सी आई डी मुंबई
महाराष्ट्र

श्री के0 जी0 जमुनाह
हैड कांस्टेबल
अपराध शाखा, अकोला
महाराष्ट्र

श्री एम0 बी0 जोशी
सशस्त्र हैड कांस्टेबल
ग्रुप- IV नागपुर
महाराष्ट्र

श्री ए0 ई0 पवार
पुलिस नायक
एल सी बी जलगांव
महाराष्ट्र

श्री डी0 वी0 सालगावकर
पुलिस नायक
रत्नागिरी
महाराष्ट्र

श्री एम0 के0 सूर्यवंशी
कांस्टेबल
सांगली, एल सी बी
महाराष्ट्र

श्री सी0 के0 निकम
कांस्टेबल
ए सी बी जलगांव
महाराष्ट्र

श्री ए0 कुन्दो सिंह
डिप्टी कमांडेंट
मणिपुर राईफल्स, उखरूल
मणिपुर

श्री टॉम बहादुर थापा
हवलदार, 1 बटालियन
मणिपुर राईफल्स, इम्फाल
मणिपुर

श्री एच0 टी0 सपसांगा
निरीक्षक
लुंगलेई, डी एस बी
मिज़ोरम

श्री जोथलमुआना
निरीक्षक, चम्फई, पी एस
मिज़ोरम

श्री नारायण थापा
निरीक्षक, आईजोल
मिज़ोरम

श्री टी0 डखार
पुलिस उप-महानिरीक्षक,
शिलांग
मेघालय

श्री विष्णु राम राणा
प्रधानाचार्य
पी टी एस, शिलांग
मेघालय

श्री डोमिनिक एस0 शाइल्ला
ओ-आई-सी, जोवाई पी एस,
मेघालय

श्री एन0 एनौचेत एयो
पुलिस महानिरीक्षक कोहिमा
नागालैण्ड

श्री सुकधन गुरुंग
ए बी एस आई, चुमुकेदिमा
नागालैण्ड

श्री जे0 आई0 यादेन
पुलिस अधीक्षक, कोहिमा
नागालैण्ड

श्री बी0 बी0 मिश्रा
पुलिस उप-महानिरीक्षक, सुनाबेदा
उड़ीसा

श्री हरिबंधु दास
पुलिस उप-अधीक्षक सतर्कता निदेशालय, कटक
उड़ीसा

श्री इ एन0 झा
पुलि· उप-अधीक्षक, सतर्कता, बालासोर
उड़ीस

श्री बी0 सी0 साहू
आर आई, जगतसिंहपुर
उड़ीसा

श्री कैलाश प्रधान
कांस्टेबल, सतर्कता निदेशालय,
कटक
उड़ीसा

श्री दिनकर गुप्ता
उप-महानिरीक्षक, पंजाब
चंडीगढ़
पंजाब

श्री एच0 एस0 रंधावा
उप-महानिरीक्षक /आसूचना
चंडीगढ़
पंजाब

श्री पी0 एस0 सराओ
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक
खन्ना
पंजाब

श्री शिवदेव सिंह
असिस्टेंट कमांडेंट
जालंधर
पंजाब

श्री अजीत सिंह
निरीक्षक, वॉयरलैस विंग
चंडीगढ़
पंजाब

श्री गुरदेव सिंह
निरीक्षक, आसूचना विंग, पंजाब
चंडीगढ़
पंजाब

श्री गुरदर्शन सिंह
उप-निरीक्षक /हैड क्लर्क, डी पी ओ
पटियाला
पंजाब

श्री चमकौर सिंह
उप-निरीक्षक / ओ आर पी
लुधियाना
पंजाब

श्री सुरेन्द्र कुमार
उप-निरीक्षक / ओ आर पी
लुधियाना
पंजाब

श्री पाखर राम
सहायक उप-निरीक्षक
अपर पुलिस महानिदेशक का ड्राईवर /सुरक्षा,
चंडीगढ़ पंजाब

श्री टी.एल. मीणा
उप पुलिस महानिरीक्षक
आर.ए.सी. रेंज - I जयपुर
राजस्थान

श्री डी. एस. दिनकर
उप पुलिस महानिरीक्षक
कोटा रेंज कोटा
राजस्थान

श्री आर.के. दसोत
उप महानिरीक्षक (सीमा सुरक्षा बल)
जैसलमेर
राजस्थान

श्री एम.एल. लाथर
उप महानिरीक्षक
सेक्टर मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल बाड़मेर
राजस्थान

श्री रामफल सिंह
पुलिस अधीक्षक
अपराध शाखा,
जयपुर
राजस्थान

श्री जनार्दन शर्मा
अपर पुलिस अधीक्षक
सी.आई.डी. (एस.एस.बी.) राजस्थान
जयपुर
राजस्थान

श्री बी.एस. सोधा
उप पुलिस अधीक्षक
I बटालियन आर.ए.सी. जोधपुर
राजस्थान

श्री विजय सिंह राव
उप पुलिस अधीक्षक
सी.आई.डी. एस.एस.बी. जयपुर शहर
राजस्थान

श्री हरदयाल सिंह
निरीक्षक
ए.सी.बी. जयपुर
राजस्थान

श्री एच.एस. नेगी
निरीक्षक
सी.एम. सुरक्षा नई दिल्ली
राजस्थान

श्री आर.के बेनीवाल
निरीक्षक
थाना दीदवाना जिला नागौर,
राजस्थान

श्री प्रीतम सिंह
प्लाटून कमांडर
6वीं बटालियन आर.ए.सी. धौलपुर
राजस्थान

श्री हनुमान सहाय
उप निरीक्षक
सी.आई.डी. एस.एस.बी., जयपुर
राजस्थान

श्री साबिर अली
सहायक उप निरीक्षक
अपराध शाखा, जिला चुरू
राजस्थान

श्री श्रीचन्द जाट
हेड कांस्टेबल
थाना गल्तागेट,
जयपुर
राजस्थान

श्री शम्भू प्रधान
निरीक्षक, गंगटोक
सिक्किम

श्री ए.के. शुक्ला
उप पुलिस महानिरीक्षक
अगरतला
त्रिपुरा

श्री सी.एम. देबबर्मा
निरीक्षक, पी.टी.सी.,
नरसिंहगढ़
त्रिपुरा

श्री ए.के. दत्ता
निरीक्षक, पुलिस मुख्यालय
अगरतला
त्रिपुरा

श्री जी. नानचिल कुमारन
अपर महानिदेशक पुलिस, चेन्नई
तमिलनाडु

श्री जी. उमा गणपति शास्त्री
संयुक्त आयुक्त पुलिस, चेन्नई
तमिलनाडु

श्री के. राजशेखरन
सहायक आयुक्त पुलिस, चेन्नई
तमिलनाडु

श्री एस.डी. राजेन्द्रन
निरीक्षक, मदुरै शहर
तमिलनाडु

श्री एन. कुलोथुंगपांडयन
निरीक्षक, वी. एंड ए.सी., रामनाथपुरम
तमिलनाडु

श्री एस.एम. महोम्मद इकबाल
निरीक्षक
चेन्नई
तमिलनाडु

श्री एम.बी. नटराजन
निरीक्षक, पी.टी.सी. चेन्नई
तमिलनाडु

श्री आर. मुरली
निरीक्षक, वी.एंड ए.सी., चेन्नई
तमिलनाडु

श्री अनिल के. रतूड़ी
उप पुलिस महानिरीक्षक
देहरादून
उत्तरांचल

श्री आई.एस. रावत
निरीक्षक (एम)
पुलिस मुख्यालय देहरादून
उत्तरांचल

श्री पी.एस. रावत
कम्पनी कमांडर,
40वीं बटालियन पी.ए.सी.
हरिद्वार
उत्तरांचल

श्री डी.डी. बहुखण्डी
हेड कांस्टेबल,
ऊधम सिंह नगर
उत्तरांचल

श्री जे.एस. घुंगेश
अपर पुलिस महानिदेशक (ई.ओ.डब्ल्यू.)
लखनऊ
उत्तर प्रदेश

श्री मनोज कुमार
महानिरीक्षक पुलिस
लखनऊ
उत्तर प्रदेश

श्री रती राम
महानिरीक्षक पुलिस
लखनऊ
उत्तर प्रदेश

श्री के.एल. मीणा
पुलिस उप महानिरीक्षक
मिर्जापुर
उत्तर प्रदेश

श्री के.के.सक्सेना
पुलिस उप महानिरीक्षक
लखनऊ
उत्तर प्रदेश

श्री अरुण कुमार
पुलिस उप महानिरीक्षक
लखनऊ
उत्तर प्रदेश

श्री पी.के. तिवारी
पुलिस उप महानिरीक्षक रेंज
इलाहाबाद
उत्तर प्रदेश

श्री मुकुल गोयल
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक
मेरठ
उत्तर प्रदेश

श्री बी.के. सिंह
पुलिस अधीक्षक सी.बी. सी.आई.डी.
लखनऊ
उत्तर प्रदेश

श्री एस.पी. सिंह
पुलिस अधीक्षक सी.बी. सी.आई.डी.
लखनऊ
उत्तर प्रदेश

श्री बी.पी. त्रिपाठी
पुलिस अधीक्षक, पुलिस मुख्यालय,
इलाहाबाद
उत्तर प्रदेश

श्री लालजी शुक्ला
अपर पुलिस अधीक्षक
इलाहाबाद
उत्तर प्रदेश

श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव
अपर पुलिस अधीक्षक
उत्तरांचल
उत्तर प्रदेश

श्री हरीश चन्द्र पांडेय
उप पुलिस अधीक्षक
लोकायुक्त, लखनऊ
उत्तर प्रदेश

श्री बी.के. जुयाल
उप पुलिस अधीक्षक
उत्तरांचल
उत्तर प्रदेश

श्री हरपाल सिंह
उप पुलिस अधीक्षक
पी.टी.सी. सीतापुर
उत्तर प्रदेश

श्री आई.एस. रावत
उप पुलिस अधीक्षक
सुरक्षा राजभवन,
लखनऊ
उत्तर प्रदेश

श्री एम. एल. वर्मा
सहायक कमांडेंट
32 बटालियन पी.ए.सी. लखनऊ
उत्तर प्रदेश

श्री ए.के. सिंह
उप पुलिस अधीक्षक जी.आर.पी.
वाराणसी
उत्तर प्रदेश

श्री एस.एन. त्रिपाठी
उप पुलिस अधीक्षक
एल.आई.यू. फैजाबाद
उत्तर प्रदेश

श्री एस.बी. सिंह
उप पुलिस अधीक्षक
जी.आर.पी. कानपुर
उत्तर प्रदेश

श्री आर.एस. शर्मा
उप पुलिस अधीक्षक
यू.पी. पी.सी.एल. लखनऊ
उत्तर प्रदेश

श्री पदम सिंह
उप पुलिस अधीक्षक
सी.एम. सुरक्षा, लखनऊ
उत्तर प्रदेश

श्री आर.बी. यादव
आर.आई
जिला ललितपुर
उत्तर प्रदेश

श्री बृज पाल सिंह सोलंकी
निरीक्षक
सतर्कता स्थापना लखनऊ
उत्तर प्रदेश

श्री आर.एस.एल. पांडेय
हेड कांस्टेबल
शाहजहांपुर
उत्तर प्रदेश

श्री शिव रतन सिंह
हेड कांस्टेबल
जिला ललितपुर
उत्तर प्रदेश

श्री वाई.एन. यादव
कांस्टेबल
जिला संत रविदास नगर
उत्तर प्रदेश

श्री मुस्तजिबुल हक
कांस्टेबल
आसूचना विभाग लखनऊ
उत्तर प्रदेश

श्री अवधेश कुमार
कांस्टेबल
बिजनौर
उत्तर प्रदेश

श्री राम शंकर
कांस्टेबल
शाहजहांपुर
उत्तर प्रदेश

श्री ओ.पी. श्रीवास्तव
उप निरीक्षक
उत्तर प्रदेश पुलिस कम्प्यूटर केन्द्र लखनऊ
उत्तर प्रदेश

श्री एस.के. सिंह
उप महानिरीक्षक भारत तिब्बत सीमा पुलिस
नई दिल्ली
उत्तर प्रदेश

श्री आर.के. मिश्रा
उप महानिरीक्षक केन्द्रीय जांच ब्यूरो
नई दिल्ली
उत्तर प्रदेश

श्री मिहिर कुमार भट्टाचार्य
विशेष पुलिस अधीक्षक, आसूचना ब्यूरो, कोलकाता
पश्चिम बंगाल

श्री मनोज मालवीय
विशेष पुलिस अधीक्षक, अपराध जांच विभाग, कोलकाता
पश्चिम बंगाल

श्रीमती सुमन बाला साहू
विशेष पुलिस अधीक्षक, प्रवर्तन शाखा, कोलकाता
पश्चिम बंगाल

श्री शिवाजी घोष
पुलिस उपायुक्त
कोलकाता
पश्चिम बंगाल

श्री एम.के. सिंह
पुलिस उपायुक्त, यातायात विभाग, कोलकाता
पश्चिम बंगाल

श्री टी.के. बंदोपाध्याय
सहायक पुलिस आयुक्त
डिटेक्टिव विभाग, कोलकाता
पश्चिम बंगाल

श्री मोनोज कान्ति दास
निरीक्षक
आसूचना ब्यूरो,
पश्चिम बंगाल

श्री मिहिर बरन दास
निरीक्षक
सतर्कता आयोग
पश्चिम बंगाल

श्री कृष्ण कान्त गांगुली
निरीक्षक
सतर्कता अयोग
पश्चिम बंगाल

श्री प्रबीर कांति राय
उप निरीक्षक
सतर्कता आयोग
पश्चिम बंगाल

श्री भोला नाथ घोष
वायरलेस आपरेटर टेलीकॉम, मुख्यालय
पश्चिम बंगाल

श्री अशिम कुमार डे
हेड कांस्टेबल, डी.ए.पी., मुख्यालय
पश्चिम बंगाल

श्री बिमल कुमार मजूमदर
कांस्टेबल, रिजर्व कार्यालय, अलीपुर
पश्चिम बंगाल

श्री हरदेव सिंह
निरीक्षक
चंडीगढ़

श्री बलदेव सिंह
सहायक उप निरीक्षक, चंडीगढ़
चंडीगढ़

श्री एन. कुमारन
हेड कांस्टेबल
कावारत्ती
लक्षद्वीप

श्री पोन बावा नन्धन
हेड कांस्टेबल
पी.टी.एस.
पांडिचेरी

श्री के.आर. पटेल
अपर उप महानिरीक्षक , एस.टी.सी. सीमा सुरक्षा बल, हजारीबाग
सीमा सुरक्षा बल

श्री बी.एस. कुशवाह
कमांडेंट, सेक्टर मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल, तागोरेविला कोलकाता
सीमा सुरक्षा बल

श्री सी. वासुदेवन
कमांडेंट, 59 बटालियन,
सीमा सुरक्षा बल, खानेतर
सीमा सुरक्षा बल

श्री अजायब सिंह राय
कमांडेंट, 67 बटालियन,
सीमा सुरक्षा बल, पंजीपारा
सीमा सुरक्षा बल

डॉ. बी.बी. बेहेरा
सी.एम.ओ. (एस.जी.) फ्रंटियर मुख्यालय
सीमा सुरक्षा बल अगरतला
सीमा सुरक्षा बल

डॉ. एन.एस. गंधरिया
सी.एम.ओ.
163 बटालियन सीमा सुरक्षा बल राजौरी
(जम्मू एवं कश्मीर) सीमा सुरक्षा बल

श्री ए.एस. संधु
2आई.सी., 89 बटालियन सीमा सुरक्षा बल श्रीनगर
सीमा सुरक्षा बल

श्री सुमेर सिंह
उप कमांडेंट
टी.सी.एंड एस. सीमा सुरक्षा बल हजारीबाग
सीमा सुरक्षा बल

श्री एस.पी.एस. मलिक
उप कमांडेंट, एस.टी.सी . सुरक्षा बल उधमपुर
सीमा सुरक्षा बल

श्री एस.जी. गोयल
उप कमांडेंट, एम.टी. पूल, नई ल्ली
सीमा सुरक्षा बल

श्री वी.वी. सिंह
उप कमांडेंट, एस.टी.एस. सीमा बल बंगलौर
सीमा सुरक्षा बल

श्री डी.सी. लोहानी
सहायक कमांडेंट, कमांडिंग नि प,
बल मुख्यालय, नई दिल्ली
सीमा सुरक्षा बल

श्री आई.जे.एस. दत्त
सहायक कमांडेंट, 7 बटालियन सीमा सुरक्षा बल, श्रीनगर
सीमा सुरक्षा बल

श्री सुरजीत सिंह
सहायक कमांडेंट, बल मुख्यालय, नई दिल्ली
सीमा सुरक्षा बल

श्री डी.एस. कुशवाह
सहायक कमांडेंट, 35 बटालियन सीमा सुरक्षा बल, गांधीनगर
सीमा सुरक्षा बल

श्री जी.एस. रावत
सहायक कमांडेंट, 130 बटालियन सालबागान
सीमा सुरक्षा बल

श्री के.के. चेतरी
सहायक कमांडेंट, 78 बटालियन सीमा सुरक्षा बल, महेशपुर
सीमा सुरक्षा बल

श्री आर.आर. शर्मा
सूबेदार, 93 बटालियन, सीमा सुरक्षा बल अछद (जम्मू)
सीमा सुरक्षा बल

श्री आर.एस. भट्टी
सूबेदार, सी.एस.डब्ल्यू.टी., इंदौर
सीमा सुरक्षा बल

श्री पी.के. अर्जुन
निरीक्षक, 29 बटालियन सीमा सुरक्षा बल बैकुंठपुर
सीमा सुरक्षा बल

श्री ओ.जी. नांबियार
निरीक्षक/पी.ए., एस.टी.सी. उधमपुर
सीमा सुरक्षा बल

श्री मुराद खान
सूबेदार, एस.टी.सी., सीमा सुरक्षा बल, टेकनपुर
सीमा सुरक्षा बल

श्री पी.बी. राय
सूबेदार, 53 बटालियन, सीमा सुरक्षा बल, साम्बा
सीमा सुरक्षा बल

श्री डी.पी. थपलियाल
उप निरीक्षक, 85 बटालियन सीमा सुरक्षा बल, महारानीचेरा
सीमा सुरक्षा बल

श्री के.आर. यादव
उप निरीक्षक (साइफर), 65 बटालियन सीमा सुरक्षा बल
बाड़मेड़ सीमा सुरक्षा बल

श्री प्रकाश चन्द
उप निरीक्षक, 153 बटालियन, सीमा सुरक्षा बल, साम्बा
सीमा सुरक्षा बल

श्री बलबीर सिंह
उप निरीक्षक, 4 बटालियन, सीमा सुरक्षा बल, अरधपुर,
[redacted] सीमा सुरक्षा बल

श्री आर.एस. राठौर
उप निरीक्षक, फ्रंटियर मुख्यालय, सीमा सुरक्षा बल, जोधपुर
सीमा सुरक्षा बल

श्री तिलक राज
उप निरीक्षक, सीमा सुरक्षा बल अकादमी, टेकनपुर
सीमा सुरक्षा बल

श्री चन्दन सिंह
हेड कांस्टेबल, एस.टी.सी., सीमा सुरक्षा बल, जोधपुर
सीमा सुरक्षा बल

श्री के.वी. नायर
हेड कांस्टेबल, एन.टी.सी.डी., सीमा सुरक्षा बल, टेकनपुर
सीमा सुरक्षा बल

श्री बी.आर. सियाग
हेड कांस्टेबल, एस.टी.सी., सीमा सुरक्षा बल, जोधपुर
सीमा सुरक्षा बल

श्री के.एस. जोसफ
हेड कांस्टेबल, 106 बटालियन, सीमा सुरक्षा बल, नौगांव
(जम्मू एवं कश्मीर) सीमा सुरक्षा बल

श्री एम.एम. भट्ट
हेड कांस्टेबल, सी.एस.डब्ल्यू.टी., सीमा सुरक्षा बल, इंदौर
सीमा सुरक्षा बल

श्री सवाई खान
हेड कांस्टेबल, एस.टी.सी. सीमा सुरक्षा बल, टेकनपुर
सीमा सुरक्षा बल

श्री कालिका सिंह
हेड कांस्टेबल, 95 बटालियन सीमा सुरक्षा बल, अमरकोट
सीमा सुरक्षा बल

श्री देसाई राम
हेड कांस्टेबल, 173 बटालियन सीमा सुरक्षा बल, राजस्थान
सीमा सुरक्षा बल

श्री बी.पी. लाम्बा
हेड कांस्टेबल सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर
सीमा सुरक्षा बल

श्री वेणु गोपालन नायर टी.जी.
हेट कांस्टेबल, 2 बटालियन, सीमा सुरक्षा बल, मासिमपुर
सीमा सुरक्षा बल

श्री के.एस. चेतरी
कांस्टेबल, 78 बटालियन सीमा सुरक्षा बल, महेशपुर
सीमा सुरक्षा बल

श्री जे.पी. बालमीकि
सफाई कर्मचारी, 2 बटालियन सीमा सुरक्षा बल मासिमपुर
सीमा सुरक्षा बल

श्री पी.एन. शर्मा
अपर उप महानिरीक्षक पुलिस
जी.सी. नागपुर
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री रमेश गुरबानी
कमांडेंट
002 एस.आई.जी. बटालियन हैदराबाद
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री बी.आर. सिंह
कमांडेंट
103 आर.ए.एफ. नई दिल्ली
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री जोगिन्दर सिंह
कमांडेंट
127 बटालियन
श्रीनगर
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री ए.एस. वर्मा
कमांडेंट
001 एस.आई.जी. बटालियन
नई दिल्ली
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री एस.पी. सिह
कमांडेंट
11 बटालियन जम्मू एवं कश्मीर
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री ए.एस. खान
कमांडेंट
066 बटालियन जम्मू एवं कश्मीर
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री आर.एल. मीणा
कमांडेंट
027 बटालियन असम
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री जी.पी. सिंह
कमांडेंट
72 बटालियन त्रिपुरा
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री सी.एस. राठौर
कमांडेंट
75 बटालियन जम्मू
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

डॉ. ए.के. दास
सी.एम.ओ. (एन.एफ.एस.जी.)
जी.सी. भोपाल
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री ए.एस. रावत
2 आई/सी
103 आर.ए.एफ.
नई दिल्ली
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री एम.एस. नायर
उप कमांडेंट
078 बटालियन चेन्नई
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री होशियार सिंह
सहायक कमांडेंट
072 बटालियन त्रिपुरा
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री डी.पी. सिंह
सहायक कमांडेंट
063 बटालियन अम्बाला
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री एम.एस. चौहान
निरीक्षक
134 बटालियन इम्फाल
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री आर.एस. रावत
निरीक्षक
035 बटालियन जोधपुर
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री ईश्वर सिंह
निरीक्षक
ए.डब्ल्यू.एस.-VII इम्फाल
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री ए.के. बालन
निरीक्षक
ए.डब्ल्यू.एस.-I हैदराबाद
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री वी.के. रामचन्द्र कुरूप
निरीक्षक (एम.टी.)
जी.सी. पालीपुरम
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री कमला सिंह
उप निरीक्षक
123 बटालियन नागालैंड
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री एम.आर. भास्करन
उप निरीक्षक
110 बटालियन मणिपुर
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री एस.बी. यादव
उप निरीक्षक
जी.सी. 1, अजमेर
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री मारसल लाकरा
हेड कांस्टेबल
50 बटालियन असम
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री पसंग शेरपा
हेड कांस्टेबल
14 बटालियन जयपुर
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री एस.एस. सावन्त
हेड कांस्टेबल (ड्राइवर)
27 बटालियन
असम
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री नयन सिंह
हेड कांस्टेबल
048 बटालियन जम्मू एवं कश्मीर
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री प्रेम दास
हेड कांस्टेबल (बैंड)
जी.सी. नीमच
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री जी.एस. शुक्ला
हेड कांस्टेबल
आर.टी.सी.-III पल्लीपुरम
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री एस.सी. लोध
कुक
70 बटालियन
जम्मू एवं कश्मीर
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री उत्तम चन्द
एस.एम. (ओ.एस.)
जी.सी. जालंधर
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री के.डी. पंत
एस.एम. (ओ.एस.)
जी.सी. गुड़गांव
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री एम.एल. शर्मा
एस.एम. (ओ.एस.)
जी.सी. 2 अजमेर
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री एम.एन. जे. नायर
एस.एम. (ओ.एस.)
जी.सी. नई दिल्ली
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री हीरा सिंह
कमांडेंट-13 बटालियन
भारत तिब्बत सीमा पुलिस

डॉ. टी. रवी प्रसाद
सी.एम.ओ. (एस.जी.)
नई दिल्ली
भारत तिब्बत सीमा पुलिस

श्री जे.पी. पंत
उप कमांडेंट (दूरसंचार)
दूरसंचार बटालियन
भारत तिब्बत सीमा पुलिस

श्री डी.पी. मनोरी
निरीक्षक, 2 बटालियन
भारत तिब्बत सीमा पुलिस

श्री पी.एल. शाह
हेड कांस्टेबल, एस.एस. बटालियन
भारत तिब्बत सीमा पुलिस

श्री नेत्र सिंह
हेड कांस्टेबल एस.पी.टी. बटालियन करेरा
भारत तिब्बत सीमा पुलिस

श्री सूरत सिंह
हेड कांस्टेबल, 24 बटालियन
भारत तिब्बत सीमा पुलिस

श्री आर.पी. ठाकुर
उप महानिरीक्षक
पूर्वी क्षेत्र पटना बिहार
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

श्री सुरेन्द्र पंवार
उप महानिरीक्षक
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल मुख्यालय नई दिल्ली
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

श्री एस.एम. सहाय
उप महानिरीक्षक
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल मुख्यालय नई दिल्ली
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

श्री पी.आर.के. नायडु
उप महानिरीक्षक
डी.ओ.एस. मुख्यालय, बंगलौर
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

श्री वी.पी. प्रभु
कमांडेंट
एफ.बी.पी. फरक्का पश्चिम बंगाल
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

श्री एम. श्रीनिवासन
उप कमांडेंट
एन.एल.सी. नेवेली तमिलनाडु
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

श्री के.आर. विश्वनाथन
उप कमांडेंट
राष्ट्रीय औद्योगिक सुरक्षा अकादमी हैदराबाद
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

श्री एस.के. सिंह
सहायक कमांडेंट
बी.एस.एल. बोकारो
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

श्री योगेन्द्र सिंह
सहायक कमांडेंट
आई.टी.आई. पलक्कड केरल
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

श्री ए.के. अरोड़ा
निरीक्षक/आशुलिपिक
ग्रुप मुख्यालय मुम्बई
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

श्री मनवर सिंह
सहायक उप निरीक्षक/कार्य.
बी.एच.ई.एल. हरिद्वार (उत्तरांचल)
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

श्री एन.ई. रविन्द्रन नायर
हेड कांस्टेबल
वी.एस.टी.पी.एस. विंध्यानगर
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

श्री ए.के. मैती
हेड कांस्टेबल
आर.एस.पी. राउरकेला (उड़ीसा)
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

श्री ए.के. पालित
हेड कांस्टेबल
पूर्वी सेक्टर मुख्यालय पटना
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

श्री के.एस. गणपति भट
हेड कांस्टेबल/जी.डी
आर.टी.सी. आरकोणम
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

श्री एम.के. साहू
हेड कांस्टेबल
आई.एस.आर.ओ. बंगलौर
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

श्री मनोरंजन दास
हेड कांस्टेबल
ओ.पी.एस. नूनमाटी
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

श्री डी. एडविन
हेड कांस्टेबल
डी.एस.पी. दुर्गापुर
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

श्री पडिया राम
सूबेदार मेजर, कंचनपुर,
त्रिपुरा
असम राइफल्स

श्री एन.एस. सरवडे
उप महानिरीक्षक
बी.एस. एंड एफ.सी. मुम्बई
केन्द्रीय जांच ब्यूरो

श्री पी. नीरजनयन
उप महानिरीक्षक, लखनऊ
केन्द्रीय जांच ब्यूरो

श्री के.एस. जोशी
अपर पुलिस अधीक्षक, एस.सी.बी. नई दिल्ली
केन्द्रीय जांच ब्यूरो

श्री ए.के. सिंह
उप पुलिस अधीक्षक
ई.ओ.डब्ल्यू.-II-दिल्ली
केन्द्रीय जांच ब्यूरो

श्री रंगराजन नायडू
उप पुलिस अधीक्षक
एम.डी.एम.ए./चेन्नई
केन्द्रीय जांच ब्यूरो

श्री डी.सी. द्विवेदी
उप पुलिस अधीक्षक
ए.सी.बी. लखनऊ
केन्द्रीय जांच ब्यूरो

श्री जोगेन्द्र नायक
उप अधीक्षक पुलिस, एस.आई.सी.-IV दिल्ली
केन्द्रीय जांच ब्यूरो

श्री राम सिंह
निरीक्षक
एस.सी.बी. दिल्ली
केन्द्रीय जांच ब्यूरो

श्री किशन लाल
निरीक्षक, एम.डी.एम.ए. दिल्ली
केन्द्रीय जांच ब्यूरो

श्री डी.एस. रावत
निरीक्षक
ए.सी.बी., जयपुर
केन्द्रीय जांच ब्यूरो

श्री दिलीप सिंह
निरीक्षक, ए.सी.यू.-I, दिल्ली
केन्द्रीय जांच ब्यूरो

श्री डी.एस. डागर
निरीक्षक
ए.सी.यू.-II दिल्ली
केन्द्रीय जांच ब्यूरो

श्री पी.सी. यादव
उप निरीक्षक, ए.सी.यू.-III
नई दिल्ली
केन्द्रीय जांच ब्यूरो

श्री मनसा राम डोगरा
सहायक उप निरीक्षक
सी.ओ.-ओ.आर. दिल्ली
केन्द्रीय जांच ब्यूरो

श्री ए.के. मिश्रा
सहायक उप निरीक्षक, ई.ओ.डब्ल्यू. कोलकाता
केन्द्रीय जांच ब्यूरो

श्री जगदीश प्रसाद
हेड कांस्टेबल
मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली
केन्द्रीय जांच ब्यूरो

श्री के.एस. रावत
हेड कांस्टेबल, ए.सी.यू.-II दिल्ली
केन्द्रीय जांच ब्यूरो

श्रीमती नीलमणी एन. राजू
उप निदेशक एस.आई.बी.,
बंगलौर
आसूचना ब्यूरो

श्री अरविन्द कुमार
उप निदेशक एस.आई.बी. दिल्ली
आसूचना ब्यूरो

श्री एस.के. बंसल
उप निदेशक
जम्मू
आसूचना ब्यूरो

श्री वी.के. सिंह
उप निदेशक, एस.आई.बी., शिमला
आसूचना ब्यूरो

श्री पी.के. भारद्वाज
उप निदेशक आसूचना ब्यूरो मुख्यालय, नई दिल्ली
आसूचना ब्यूरो

श्री ए.के. मिश्रा
उप निदेशक, एस.आई.बी.,
रायपुर
आसूचना ब्यूरो

श्री पी.के. भट्टाचार्जी
सहायक निदेशक, आसूचना ब्यूरो मुख्यालय,
नई दिल्ली
आसूचना ब्यूरो

श्री कुलदीप सिंह
सहायक निदेशक, एस.आई.बी., श्रीनगर,
आसूचना ब्यूरो

श्री बी.वी. सिंह
डी.सी.आई.ओ., एस.आई.बी. भोपाल
आसूचना ब्यूरो

श्री के.पी. सिंह
डी.सी.आई.ओ., एस.आई.बी., मुम्बई,
आसूचना ब्यूरो

श्री जी.पी. श्रीधरन नायर
डी.सी.आई.ओ., एस.आई.बी., पुणे,
आसूचना ब्यूरो

श्री मुरारी लाल
डी.सी.आई.ओ., आसूचना ब्यूरो मुख्यालय, नई दिल्ली
आसूचना ब्यूरो

श्री पी.वी. बाबू
डी.सी.आई.ओ., एस.आई.बी., नागपुर
आसूचना ब्यूरो

श्री यू.एन. वर्मा
ए.सी.आई.ओ.-I/डब्ल्यू.टी., एस.आई.बी., पटना
आसूचना ब्यूरो

श्री वी.के. श्रीवास्तव
ए.सी.आई.ओ.-I/जी., एस.आई.बी.
लखनऊ
आसूचना ब्यूरो

श्री नारायण सिंह
ए.सी.आई.ओ.-I/जी., एस.आई.बी., चंडीगढ़
आसूचना ब्यूरो

श्री जी. राजकुमार
ए.सी.आई.ओ.-I/जी., एस.आई.बी., चेन्नई
आसूचना ब्यूरो

श्री शाम सिंह
ए.सी.आई.ओ.-I/जी., एस.आई.बी.
श्रीनगर
आसूचना ब्यूरो

श्री के.टी. बंकापुर
ए.सी.आई.ओ.-I/जी., एस.आई.बी.
बंगलौर
आसूचना ब्यूरो

श्री मान चन्द
ए.सी.आई.ओ.-II/जी., श्रीनगर
आसूचना ब्यूरो

श्री डी.आर. चौधरी
ए.सी.आई.ओ.-II/जी, एस.आई.बी.
कोलकाता
आसूचना ब्यूरो

श्री ए.आर. ठाकुर
उप महानिरीक्षक, सलोनीबाड़ी
गृह मंत्रालय (एस.एस.बी.)

श्री बी.आर. भारद्वाज
कमांडेंट, जी.सी. दिल्ली
गृह मंत्रालय (एस.एस.बी.)

डॉ. एच.के. मोहन्ती
सी.एम.ओ. (एस.जी.), नई दिल्ली
गृह मंत्रालय (एस.एस.बी.)

श्री डी.सी. डे सरकार
नायक, 22वीं बटालियन, रानीदंग
गृह मंत्रालय (एस.एस.बी.)

श्री ए.सी. कटोच
उप निरीक्षक
जी.सी., सपरी
गृह मंत्रालय (एस.एस.बी.)

श्री के. प्रभाकरन
सहायक महानिरीक्षक, नई दिल्ली
मंत्रिमंडल सचिवालय (विशेष सुरक्षा ग्रुप)

श्री आर.के. लखनपाल
वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी, नई दिल्ली
मंत्रिमंडल सचिवालय (विशेष सुरक्षा ग्रुप)

श्री आर.के. यादव
सुरक्षा अधिकारी -I, नई दिल्ली
मंत्रिमंडल सचिवालय (विशेष सुरक्षा ग्रुप)

आर.के. कालरा
सुरक्षा अधिकारी -I (कॉम)
मंत्रिमंडल सचिवालय (विशेष सुरक्षा ग्रुप)

श्री एस.एम. गोस्वामी
सुरक्षा अधिकारी -I (टी.)
नई दिल्ली
मंत्रिमंडल सचिवालय (विशेष सुरक्षा ग्रुप)

श्री एच.सी. पंत
वरिष्ठ सुरक्षा सहायक (एम.टी.), नई दिल्ली
मंत्रिमंडल सचिवालय (विशेष सुरक्षा ग्रुप)

श्री एम.के. तिवारी
उप निदेशक
पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो, नई दिल्ली
गृह मंत्रालय (पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो)

श्री सुरिन्दर पाल
उप पुलिस अधीक्षक सी.डी.टी.एस.
चंडीगढ़
गृह मंत्रालय (पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो)

श्री अजय कुमार मित्रा
अतिरिक्त सहायक निदेशक
नई दिल्ली
गृह मंत्रालय (डी.सी.पी.डब्ल्यू.)

श्री के.सी. हरनाल,
वरिष्ठ तकनीशियन, सहायक,
नई दिल्ली
गृह मंत्रालय (डी.सी.पी.डब्ल्यू.)

श्री जी.पी. श्रीवास्तव
उप अधीक्षक (एफ.पी.)
राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो नई दिल्ली
गृह मंत्रालय (राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो)

श्री आर.के. सूद
टीम कमांडर, मुख्यालय राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड,
नई दिल्ली
गृह मंत्रालय (राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड)

श्री ए.के. विजय राघवन
सहायक कमांडर I (पी.ए.)
मुख्यालय राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड
नई दिल्ली
गृह मंत्रालय (राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड)

श्री गजराज सिंह
रेंजर - I
मुख्यालय राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड,
नई दिल्ली
गृह मंत्रालय (राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड)

श्री लक्ष्मण सिंह
ए.एस.सी.
मुम्बई सेंट्रल
रेल मंत्रालय

श्री बाबू लाल मीणा
सहायक कमांडेंट,
6 बटालियन आर.पी.एस.एफ.,
दिल्ली
रेल मंत्रालय

श्री एच. बी. चक्रवर्ती
निरीक्षक, कोलकाता
रेल मंत्रालय

श्री पी.के. मान सिंह
निरीक्षक, बहरामपुर
रेल मंत्रालय

श्री मणि माधव त्रिपाठी
निरीक्षक, अंदल
रेल मंत्रालय

श्री एस. परमशिवम
निरीक्षक, तम्बारम
रेल मंत्रालय

श्री दीवान सिंह
निरीक्षक,
जयपुर
रेल मंत्रालय

श्री अमल कुमार राय
सहायक उप निरीक्षक,
लुम्बडिंग
रेल मंत्रालय

श्री बलकुराम राजपूत
सहायक उप निरीक्षक
मुम्बई सेंट्रल
रेल मंत्रालय

श्री मोहन लाल शर्मा
हेड कांस्टेबल
रतलाम
रेल मंत्रालय

श्री ए. भास्करन
सहायक उप निरीक्षक
सिकन्दराबाद
रेल मंत्रालय

श्री प्रमोद अस्थाना
निदेशक (सुरक्षा)
राज्य सभा सचिवालय नई दिल्ली
राज्य सभा सचिवालय

श्री आसाराम शिवराम पैथंकर
हेड कांस्टेबल, मनमाड स्टेशन
रेल मंत्रालय

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (11) के अन्तर्गत दिया जा रहा है।

बरुण मित्रा

(बरुण मित्रा)
निदेशक

सं0 3 – प्रेज/2003– राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2003 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :–

श्री एस. प्रसाद
डिवीजनल अग्निशमन अधिकारी
झारखंड

श्री ए. के. चतुर्वेदी
मुख्य अग्निशमन अधिकारी
उत्तर प्रदेश

श्री टी. मूल्या
सहायक अग्निशमन स्टेशन अधिकारी
कर्नाटक

श्री एस. एल. नागरकर
सहायक महानिरीक्षक (अग्निशमन)
के. औ. सु. बल

श्री एल. एन. राउत
मुख्य अग्निशमन अधिकारी
महाराष्ट्र

श्री एन. पी. सिंह
उप कमांडेंट (अग्निशमन)
के. औ. सु. बल

श्री आर. वेद्यानाथन
स्टेशन अधिकारी
तमिलनाडु

श्री एस. सरकार
सहायक उप निरीक्षक (अग्निशमन)
के. औ. सु. बल

2. ये पुरस्कार अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करने को संचालित करने वाले नियमों के नियम 3(ii) के तहत प्रदान किए जाते हैं।

बरुण मित्रा

(बरुण मित्रा)
निदेशक

सं0 4 – प्रेज/2003– राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2003 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:–

श्री डी. देवुदू
स्टेशन अग्निशमन अधिकारी
आंध्र प्रदेश

श्री एस. कासी राव
लीडिंग फायरमैन
आंध्र प्रदेश

श्री एम. अली
लीडिंग फायरमैन
आंध्र प्रदेश

श्री एस. हुसैन
फायरमैन
असम

श्री ए. के. शर्मा
उप मुख्य अग्निशमन अधिकारी
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली

श्री जी.सी. मिश्र
उप मुख्य अग्निशमन अधिकारी
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली

श्री सन्तोख सिंह
डिवीजनल आफीसर
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली

श्री आर.एस. चेची
स्टेशन अधिकारी
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली

श्री आर.के. दहिया
स्टेशन अधिकारी
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली

श्री डी.आर. पाण्डेय
जमादार
गुजरात

श्री एस.डी. शेख
जमादार
गुजरात

श्री पी.एस. परमार
जमादार
गुजरात

श्री एन.एम. परमार
जमादार
गुजरात

श्री के.एन. नाथबावा
जमादार
गुजरात

श्री वाई.आई शेख
जमादार
गुजरात

श्री के.बी. रावत
जमादार
गुजरात

श्री आर. कुमार
अग्निशमन स्टेशन अधिकारी
झारखंड

श्री के.यू. रमेश
क्षेत्रीय अग्निशमन अधिकारी
कर्नाटक

श्री एम. रंगप्पा
जिला अग्निशमन अधिकारी
कर्नाटक

श्री ए.वी. रामकृष्ण राजू
अग्निशमन स्टेशन अधिकारी
कर्नाटक

श्री के.एच. लिंगया
अग्निशमन स्टेशन अधिकारी
कर्नाटक

श्री एस. मूर्ती
सहायक अग्निशमन स्टेशन अधिकारी
कर्नाटक

श्री आई. एस. जिरगाल
सहायक अग्निशमन स्टेशन अधिकारी
कर्नाटक

श्री अब्दुल रौफ
लीडिंग फायरमैन 401
कर्नाटक

श्री एल. वासु
स्टेशन अधिकारी
केरल

श्री वी. सोमन
फायरमैन सं. 2447
केरल

श्री बी.एन शेख
स्टेशन डयूटी आफीसर
महाराष्ट्

श्री के. लिंगदोह
लीडिंग फारमैन
मेघालय

श्री पी. जी. मोमिन
लेडिंग फारमैन
मेघालय

श्री एस. पाढी
सहायक स्टेशन अधिकारी
उड़ीसा

श्री बी. बी. नायक
ड्राइवर हवलदार
उड़ीसा

श्री एम. के. महापात्र
फायरमैन 587
उड़ीसा

श्री एस. वेधाचलम
लीडिंग फायरमैन
पांडिचेरी

श्री डब्ल्यू. के. आरियनयगम
डिवीजनल अधिकारी
तमिलनाडु

श्री एम. श्रीनिवासन
स्टेशन अधिकारी
तमिलनाडु

श्री के. सेलवाराज
लीडिंग फायरमैन 2773
तमिलनाडु

श्री एस. उबाग्रासामी
डी. एम. 2412
तमिलनाडु

श्री एम. गणपत्ति
फायरमैन 2778
तमिलनाडु

श्री पी. के. राव
उप निदेशक (तकनीकी)
उत्तर प्रदेश

श्री आर. के. सिंह
मुख्य अग्निशमन अधिकारी
उत्तर प्रदेश

श्री यू.आर. यादव
अग्निशमन सेवा ड्राइवर
उत्तर प्रदेश

श्री मदन लाल
फायरमैन
उत्तरांचल

श्री ए. बनरजी
स्टेशन अधिकारी
पश्चिम बंगाल

श्री ई. ए. [illegible]क
स्टेशन अधिकारी
पश्चिम बंगाल

श्री आर. सेनगुप्ता
मोबलांइजिंग अधिकारी
पश्चिम बंगाल

श्री के. आर. नायर
हैड कांस्टेबल (अग्निशमन)
के. औ. सु. बल

श्री बी. के. यादव
हैड कांस्टेबल (अग्निशमन)
के. औ. सु. बल

श्री संजीब रायं
हैड कांस्टेबल (अग्निशमन)
के. औ. सु. बल

श्री एस. आर. सैनी
हैड कांस्टेबल (अग्निशमन)
के. औ. सु. बल

श्री आई. जी. दुधनि
सहायक प्रबंधक (अग्निशमन और सुरक्षा)
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय

2. ये पुरस्कार अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करने को संचालित करने वाले नियमों के नियम 3(ii) के तहत प्रदान किए जाते हैं।

बरुण मित्रा
(बरुण मित्रा)
निदेशक

सं0 5 – प्रेज/2003– राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2003 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :–

श्री जसबीर सिंह
अतिरिक्त चीफ वार्डन
दिल्ली

श्री लक्ष्मण सिंह
प्रशिक्षक नागरिक सुरक्षा
दिल्ली

श्री जी. पी. सिंह ग्रेवाल
डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट
हरियाणा

श्री नंदा
कमांडेंट
कर्नाटक

श्री बी. अल्ला बक्श
इन्सट्क्टर
कर्नाटक

श्री के. एम. दुबे
सैनानी (कमांडेंट)
मध्य प्रदेश

श्री एम. एम. वर्मा
डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट
मध्य प्रदेश

श्री अमरजीत सिंह
डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट
मध्य प्रदेश

श्री ए. ए. पाटिल
डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट
महाराष्ट्

श्री नारायण सिंह
उप महासमादेश
राजस्थान

श्री एम. सी. शर्मा
सब फायर ऑफीसर
राजस्थान

श्री बी. सी. जैन
डिविजनल वार्डन
राजस्थान

श्री ए. शिवाकुमार
सहायक कमांडेंट जनरल
तमिलनाडु

श्री आर. बी. सिंह
डिप्टी कमांडेंट जनरल
उत्तर प्रदेश

श्री करीमुद्दीन सैफी
कम्पनी कमांडर
उत्तर प्रदेश

2. ये पदक होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा पदक प्रदान करने हेतू विनियतिम नियमों के नियम 3(ii) के अर्न्तगत प्रदान किए जाते हैं।

(बरुण मित्रा)
निदेशक

सं0 6 — प्रेज/2003— राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2003 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी सराहनीय सेवा के लिए होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

श्री पुलिन चन्द्र दास
डिवीजनल कमांडेंट
असम

श्री पानिधर शर्क्कीया
सुबेदार
असम

श्री नृपिन तालुकदार
सहायक उप नियंत्रक
असम

श्री रमेश चन्द्र छजलान
डिवीजनल वार्डन
दिल्ली

श्री वी. आर. मलहौत्रा
डिवीजनल वार्डन
दिल्ली

डा. आर. सी. शाह
डिवीजनल कमांडर
गुजरात

श्री एम. सी. दातणीया
वरिष्ठ डिवीजनल कमांडर
गुजरात

श्री सी. एस. राजपूत
सेकन्ड–इन कमांड
गुजरात

श्री पी. एस. भाटिया
वरिष्ठ प्लाटून कमांडर
गुजरात

श्री एस. वी. बुच
आफिसर कमांडिंग
गुजरात

श्री सुरेश नागपाल
कम्पनी कमांडर
हरियाणा

श्री रणजीत सिंह
प्लाटून कमांडर
हरियाणा

श्री बी. एस. चौहान
कम्पनी कमांडर
हिमाचल प्रदेश

कु. सुमन कौल
कम्पनी कमांडर
हिमाचल प्रदेश

श्री भीमी राम
प्लाटून कमांडर
हिमाचल प्रदेश

श्री एस. के. मोही
डिप्टी कमांडेंट
कर्नाटक

श्री बी. राजन्ना
स्टाफ आफिसर (लेखा)
कर्नाटक

श्री एम. आर. जुनैदी
कम्पनी कमांडर
कर्नाटक

श्री. एन. एन. शिवारेड्डी
कम्पनी कमांडर
कर्नाटक

श्री जी. एच. एस. रेड्डी
सीनीयर प्लाटून कमांडर
कनार्टक

श्री वी. टी. गोटके
प्लाटून कमांडर
कर्नाटक

श्री एम. श्रीनीवासन
कम्पनी क्वार्टर मास्टर सारजेन्ट
कनार्टक

श्री के. एल. शर्मा
कम्पनी कमांडर
मध्य प्रदेश

श्री एस. के. सहगल
प्लाटून कमांडर
मध्य प्रदेश

श्री पी. आर. बंजारा
प्लाटून कमांडर
मध्य प्रदेश

श्री तौफीद खान
हवलदार
मध्य प्रदेश

श्रीमति सुनीता जरगर
नायक
मध्य प्रदेश

श्री आर. सी. परांजपे
जूनियर स्टाफ आफिसर
महाराष्ट्

कु. एन. बी. पाटकर
कम्पनी कमांडर
महाराष्ट्

श्री एम. जी. कसालकर
होम गार्डस स्वयंसेवक
महाराष्ट्

श्री एस. के. पांचाल
सामग्री प्रबन्धक सुबेदार
महाराष्ट्

श्री एस. एस. मुगंलकर
वरिष्ठ निदेशक (अग्निशमन)
महाराष्ट्

श्री एस. बी. निरभवने
विभागीय क्षेत्ररक्षक
महाराष्ट्

कु0 एम. जी. चव्हाण
नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक
महाराष्ट्

श्री बी. बी. भुजबल
प्लाटून कमांडर
उड़ीसा

श्री जे. एन. पाढ़ी
नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक
उड़ीसा

श्री ए. के. नायक
नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक
उड़ीसा

श्री बी. एस. राठौड़
प्लाटून कमांडर
राजस्थान

श्री के. उदयाकुमार
डिप्टी एरिया कमांडर
तमिलनाडु

श्री एम. मुरुगन
प्लाटून कमांडर
तमिलनाडु

श्री के. चेलिया
प्लाटून कमांडर
तमिलनाडु

श्री डी. पी. एस. गौतम
सहायक उप नियंत्रक
उत्तर प्रदेश

श्री एस. के. अग्रवाल
चीफ वार्डन
उत्तर प्रदेश

श्री दिनेश प्रसाद
उप प्रभागीय वार्डन
उत्तर प्रदेश

श्री के. के. दुबे
डिप्टी डिवीजनल वार्डन
उत्तर प्रदेश

श्री आर. एन. मिश्रा
डिवीजनल वार्डन
उत्तर प्रदेश

श्री ए. के. दत्ता
स्टाफ आफिसर स्वयंसेवक
पश्चिम बंगाल

कु0 रत्ना गांगुली
स्टाफ आफिसर स्वयंसेवक
पश्चिम बंगाल

श्री अशोक कुमार वर्मा
मुख्य नागरिक सुरक्षा निरीक्षक
रेल मंत्रालय

श्री शूभमय घोष
कनिष्ठ अभियंता–1(नक्सा)
एवं मुख्य प्रशिक्षक
नागरिक सुरक्षा संगठन
रेल मंत्रालय

2 ये पदक होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा पदक प्रदान करने हेतू विनियतिम नियमों के नियम 3(ii) के अर्न्तगत प्रदान किए जाते हैं।

(बरुण मित्रा)
निदेशक

सं0.7-प्रेज./2003 - राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2003 के अवसर पर निम्नलिखित जेल कार्मिकों को उनकी सराहनीय सेवा के लिए सुधारात्मक सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :

श्री मनोहर किशनजी मेशराम,
अधीक्षक,
अमरावती जेल,
महाराष्ट्र ।

श्री विजय दिगम्बर बेन्द्रे,
अधीक्षक,
यर्वदा मुक्त जेल,
महाराष्ट्र ।

श्री शंकर माधव मोरे,
जेलर ग्रेड-II,
मुम्बई केन्द्रीय जेल,
महाराष्ट्र ।

श्री गुलाबराव सुरेश वानखेड़े,
हवलदार,
मुम्बई केन्द्रीय जेल,
महाराष्ट्र ।

श्री उत्तम रामभाऊ फडतरे,
सिपाही,
वीसापुर जिला जेल,
महाराष्ट्र ।

श्री एन0 अनबलगन,
डिप्टी जेलर (टी),
केन्द्रीय जेल, त्रिचि,
तमिलनाडु ।

श्री पी0 मरिअप्पन,
चीफ हैड वार्डर,
केन्द्रीय जेल, त्रिचि,
तमिलनाडु ।

श्री एस0जी0 बाशा,
ग्रेड-I वार्डर,
केन्द्रीय जेल, चेन्नई,
तमिलनाडु ।

श्री सी0 संतानम,
ग्रेड-I वार्डर,
केन्द्रीय जेल, त्रिचि,
तमिलनाडु ।

श्री के0 रामास्वामी,
ग्रेड-II वार्डर,
उप-जेल; इरोड,
तमिलनाडु ।

श्री के0 मुरगन,
ग्रेड-II वार्डर,
उप-जेल, तिरुवन्नमलाई,
तमिलनाडु ।

श्री ए0वी0 मसिलामणि,
ग्रेड-II वार्डर,
केन्द्रीय जेल, वेल्लोर,
तमिलनाडु ।

श्री टी0 वल्सकुमारन,
ग्रेड-II वार्डर,
उप-जेल, ठकाले, तमिलनाडु ।

श्रीमती ए0 दुर्गाबाई,
ग्रेड-I वार्डर (महिला),
विशेष महिला जेल, वेल्लोर,
तमिलनाडु ।

श्रीमती पी0 नेहरुबाई,
ग्रेड-II वार्डर (महिला),
विशेष महिला जेल, वेल्लोर,
तमिलनाडु ।

श्री सिमांचल नायक,
हैड वार्डर,
सर्किल जेल,
बरहामपुर,
उड़ीसा ।

श्री सुनिल कुमार गुप्ता,
विधि अधिकारी,
जेल मुख्यालय तिहाड़,
नई दिल्ली ।

श्री सुरेन्द्र कुमार माटा,
उप-अधीक्षक-II,
जेल मुख्यालय, तिहाड़,
नई दिल्ली ।

श्री उदय राज,
सहायक अधीक्षक,
केन्द्रीय जेल सं0 4, तिहाड़,
नई दिल्ली ।

श्री आत्मा राम ठाकुर,
सहायक कारखाना पर्यवेक्षक,
केन्द्रीय जेल सं0 2, तिहाड़,
नई दिल्ली ।

श्री जय भगवान,
हैड वार्डर, रोल नं0 157,
केन्द्रीय जेल तिहाड़,
नई दिल्ली ।

श्री इन्द्रजीत सिंह,
वार्डर, रोल नं0 357,
केन्द्रीय जेल सं0 4, तिहाड़,
नई दिल्ली ।

2. ये पुरस्कार सराहनीय सेवा के लिए सुधारात्मक सेवा पदक प्रदान किए जाने को शासित करने वाले नियमों के नियम 4(iii) के अंतर्गत प्रदान किए जाते हैं ।

बरुण मित्रा

(बरुण मित्रा)
निदेशक

सं0.8-प्रेज./2003 - राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2003 के अवसर पर महानिरीक्षक प्रभाकरन पलेरी (0035-डी) को उनकी विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का तटरक्षक पदक सहर्ष प्रदान करते हैं

2. यह पदक राष्ट्रपति का तटरक्षक पदक प्रदान किए जाने से सम्बद्ध नियमावली के नियम 4(4) के अंतर्गत दिया गया है ।

बरुण मित्रा

(बरुण मित्रा)
निदेशक

सं0.9-प्रेज./2003 - राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2003 के अवसर पर निम्नलिखित अफसरों को उनकी प्रशंसनीय सेवा के लिए तटरक्षक पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :

उपमहानिरीक्षक के. बालासुब्रमणियन् (0006-एम)

कमांडेंट के. एस. शेरोन (0089-सी)

कमांडेंट गुरूपदेश सिंह (0083-एम)

2. ये पदक तटरक्षक पदक प्रदान किए जाने से सम्बद्ध नियमावली के नियम 11 (11) के अंतर्गत दिये गये हैं ।

(बरुण मित्रा)
निदेशक

सं0.10-प्रेज./2003 - राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2003 के अवसर पर निम्नलिखित अफसरों को उनकी बहादुरी के लिए तटरक्षक पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :

कमांडेंट वी. एस. आर. मूर्ती (0092-जे)

पी. पी. बीजू, प्रधान यांत्रिक (पोतकार) (07552-आर)

मनु मिंज, उत्तम नाविक (एम ई) (03076-एस)

2. ये पदक तटरक्षक पदक प्रदान किए जाने से सम्बद्ध नियमावली के नियम 11 (1) के अंतर्गत दिये गये हैं और साथ ही 05 जुलाई 2002 से नियम 13(क) के अधीन स्वीकार्य भत्ता भी देय होगा । सेवाओं के विवरणों की प्रतिलिपि संलग्न है ।

(बरुण मित्रा)
निदेशक

प्रशंसा उल्लेख

1. कमांडेंट वी एस आर मूर्ती (0092-जे) विज्ञान निष्णात(समुद्र विज्ञान) में स्वर्णपदक धारक ने 18 फरवरी 1984 को तटरक्षक में सेवा आरंभ की । अफसर ने प्रशिक्षण अवधि के दौरान समग्र गुणवत्ता में प्रथम आकर विशिष्टता प्राप्त की है तथा अपनी सेवा के 18 वर्षों के प्रतिष्ठ कार्यकाल में तिरते पोत तथा तटीय नियुक्तियों में भी अति उत्तम निष्पादन किया है ।

2. कमांडेंट मूर्ती ने 16.4.2002 को तटरक्षक पोत विजय की कमान संभाली । अफसर ने दूसरे सबसे पुराने पोत को चलाने की चुनौती का सामना किया । अफसर की व्यावसायिकता, नेतृत्व की सक्रियता तथा सबसे ऊपर अपने अधीनस्थों को उत्साहित करने की योग्यता ने पोत को समुद्र में एक सुगठित व्यावसायिक इकाई में बदल दिया, जिससे पोत को अच्छी स्थिति में लाने के दौरान फ्लैग अफसर समुद्री प्रशिक्षण की सराहना मिली ।

3. अभियान "अल-मुर्तडा" न केवल तटरक्षक पोत विजय बल्कि तटरक्षक के इतिहास में भी एकल उपलब्धि रही है । यह संक्रियात्मक प्रक्रिया भूतल कमांडेंट मूर्ती के समुद्र में सैन्य नेतृत्व तथा व्यावसायिकता के उच्चतर मानकों का प्रदर्शन रही । 05 जुलाई 2002 को तटरक्षक पोत विजय को देवगढ़ के पास तट की ओर असहाय बह रहे पोत "एम बी अल-मुतर्डा का पीछा करने के लिए तैनात किया गया ।

4. पोत, 05 जुलाई को 1000 बजे अपनी अधिकतम गति पर रवाना हुआ और अन्ततः 2224 बजे 12.6 समुद्री मील की दूरी पर इस पोत को रडार पर देख लिया गया । पोत देवगढ़ लाइट से लगभग 05 समुद्री मील की दूरी पर था तथा अगले डेढ से दो घंटों में भूग्रस्त होने वाला था । पोत के पास इसे रोकने के स्थान तक पहुंचने के लिए इतना थोड़ा समय ही था ।

5. पोत पर चढ़ने तथा लंगर डालने के लिए एक विशेष बोर्डिंग पार्टी को चुन कर तैयार रखा गया । चालू स्थिति को ध्यान में रखते हुए कार्य योजना बनाई गई तथा चुनौतियों को पूरा करने के लिए कमांडेंट मूर्ती द्वारा बोर्डिंग पार्टी को पूर्णतः विनिर्देशित तथा उत्साहित किया गया ।

6. 2315 बजे तटरक्षक पोत इस पोत के बहुत निकट पहुंच गया । तालीबानी कट्टरपंथियों पर संयुक्त राज्य के आक्रमणों से अरब सागर में पोतों की आवाजाही से तनाव बढ़ने/पकड़ने के बारे में अफसर अच्छी तरह परिचित था । बिना प्रकाश तथा लावारिस पोत से भयंकर खतरे का जोखिम जैसे आतंकवादियों की मौजूदगी/पोत में पहले से लगाये गये विस्फोटक तथा बोर्डिंग दल परं प्रतिशोध का खतरा झलक रहा था । इसके ऊपर यह बिल्कुल अंधेरी रात थी तथा मानसून के कारण समुद्र उफान भरा था, जिसमें समुद्री स्थिति 4.5 लम्बी उमड़ तथा पवन वेग 25 के टी एस तक था । ऐसी परिस्थितियों में बोर्डिंग पार्टी भेजने का निर्णय लेने में स्थिति का आंकलन करने तथा अपने बल को आगे भेजने में निर्भीकता का परिचय देने के लिए बहुत ही उच्चस्तरीय दक्षता की आवश्यकता थी । अफसर ने मौजूदा स्थिति को बखूबी सोच-समझकर तथा इस सशस्त्र बल की उच्च परंपरा को बनाये रखते हुए अभियान को आगे बढ़ाने के लिए दृढ़ विश्वास के साथ साहसिक निर्णय लिया । अफसर ने गोलीसह जैकेट, अतिरिक्त ओ बी एम तथा पोत द्वारा बाह्य फायर कवर के साथ बोर्डिंग दल की सुरक्षा सुनिश्चित की । इस हिचकोले ले रहे पोत के

थकाने वाले बोर्डिंग अभियान के बाद अन्ततः 06 जुलाई 2002 को 0012 बजे बोर्डिंग दल ने पोर्ट लंगर को गिराने में सफलता प्राप्त की । इस प्रकार एक ऐसी स्थिति जिससे गंभीर समुद्री संकट पैदा हो सकता था, को अफसर के सामंयिक ठोस निर्णय लेने से टाली जा सकी ।

7. अफसर की व्यावसायिक कुशाग्र बुद्धि के फलस्वरूप दो ऐ के-47 राइफलें/ 74 अप्रयुक्त गोलियों के साथ संदिग्ध पोत की गिरफ्तारी तथा पर्यावरणीय खतरा/नौचालन जोखिम रोका जा सका । तालिबानियों के विरूद्ध संयुक्त राज्य द्वारा आक्रामक कार्रवाई के बाद अरब सागर में हथियार पकड़ने की यह पहली घटना है ।

8. स्थिति की अनिश्चितता तथा प्रतिकूल मौसम की स्थितियों में अफसर की पूर्ण कमान अफसर के तौर पर योग्यता का परीक्षण हुआ है । एम वी अल-मुर्तडा के पूरे अभियान में कमांडेंट वी एस आर मूर्ती ने अविश्वनीय साहस, उत्कृष्ट नेतृत्व के गुणों, उच्चस्तरीय व्यावसायिक क्षमता तथा संपूर्ण निष्ठा, जोकि उनके साथी अफसरों के लिए प्रेरणादायक है, का प्रदर्शन किया है । उनके दीर्घकालीन वैयक्तिक साहस तथा अत्यधिक विषमताओं के विरूद्ध अदम्य सामना करने की भावना और व्यक्तिगत जोखिम ने उनका सर्वाधिक गौरव बढ़ाया तथा सेवा की उत्कृष्ट परंपराओं को बनाये रखा है । इसलिए कमांडेंट वी एस आर मूर्ती के अविश्वसनीय साहस व बहादुरीपूर्वक कार्य को देखते हुए इन्हें तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान करने के लिए कड़ी सिफारिश की जाती है ।

प्रशस्ति उल्लेख

1. मनु मिंज, उत्तम नाविक(एम ई)(03076-एस) ने 03 अगस्त 1995 को तटरक्षक में सेवा आरंभ की तथा 27 जून, 1999 को तटरक्षक पोत विजय में कार्यभार ग्रहण किया । जब 05 जुलाई 2002, को 2300 बजे तटरक्षक पोत विजय ने देवगढ़ के पास समुद्र में परित्यक्त पोत एम वी अल-मुर्तडा पर चढ़ने के लिए आरोहण दल को भेजा तो मनु मिंज, उत्तम नाविक(एम ई) (03076-एस) ने समुद्र की वास्तविक चुनौतीपूर्ण तथा प्रतिकूल स्थिति में जेमिनी का संचालन करने के सारे महत्वपूर्ण कार्य अपने कंधों पर उठा लिए । और ध्यान देने वाली बात यह है कि लम्बी उमड़ भरा समुद्र 4 की स्थिति में था तथा 20 समुद्री मील तक की हवा के झोंके लेने के साथ बहुत ही अशांत था ।

2. जेमिनी को घुप अंधेरी रात में अरोहण दल को कर्मीरहित, प्रकाशविहीन तथा असहाय बह रहे पोत पर चढ़ाने के लिए उसके नीचे(बगल में) लाना अपने आप में एक जोखिम भरा काम था । समुद्र की ऐसी उग्र स्थिति में जेमिनी को चलाना लगभग असंभव सा था । मनु मिंज ने अलग से मोटर लगी नौका को चलाने की चुनौती स्वीकार की । लेकिन आधे रास्ते में ही नौका पर लगी मोटर में तकनीकी खराबी आ गई और वह बंद हो गयी । जेमिनी ने ऊंची लहरों में हचकोले खाना शुरू करते हुए स्थिति को और अधिक संज्ञाहीन बना दिया । समुद्र एवं मौसम की प्रतिकूल स्थितियों के बावजूद मनु मिंज (यांत्रिक अभियांत्रिक) ने अच्छे मानसिक संतुलन को दिखाते हुए अप्रत्याशित खराबी को ठीक कर अलग से लगी मोटर को दुबारा चालू कर दिया ।

3. आरोहण दल का सीढ़ी के सहारे चढ़ने की प्रतीक्षा कर रही पोत के बगल में खड़ी जेमिनी के दो कक्ष एम वी अल- मुर्तडा के बाहरी कठोर उभार से रगड़ खाने से फूट गये । इस प्रकार कक्षों के एक तरफ पिचकने से जेमिनी खतरनाक ढंग से असंतुलित हो गई और मनु मिंज, उत्तम नाविक (यांत्रिक अभियांत्रिक) ने स्थिति का सामना तत्काल चैतन्यता से करते हुए अरोहण दल को एम वी अल-मुर्तडा पर चढ़ाने के बाद नौका को चलाते हुए वापस पोत पर ले आए । घटना की कार्रवाई से न कतराते हुए मनु मिंज ने आरोहण दल को वापस पोत में लाने के लिए जाने वाले तकनीकी कर्मीदल के सदस्य के रूप में स्वयं को प्रस्तुत किया । इन्होंने नौका पर अलग से लगी मोटर को बिना रूकावट के निरापद ढंग से चलाया और एम वी अल-मुर्तडा एवं पोत के बीच जेमिनी को सुरक्षित रूप से संचालित किया ।

4. 11 जुलाई 2002 को जब बोर्डिंग अफसर जब्त किए गए गोला-बारूद/हथियार तथा दस्तावेजों के साथ देवगढ़ जेट्टी में पुलिस को प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने जा रहे थे तो खराब मौसम में पोत की जेमिनी का संचालन करने के लिए मनु मिंज ने खुशी-खुशी स्वयं को प्रस्तुत किया । इसी प्रकार 12 जुलाई 2002 को प्रतिकूल समुद्री परिस्थितियों में डाटा बोया को मुम्बई समुद्र से खीच कर लाने में मनु मिंज ने एक बार फिर अपने उत्साह एवं उत्कृष्ट तकनीकी ज्ञान तथा नौ संचालन योग्यताओं को प्रदर्शित किया ।

5. ऊंचे स्तर की व्यावसायिकता, पराक्रम, टीम भावना तथा एम वी अल मुर्तडा अभियान के दौरान समुद्री सेवा के लिए वास्तविक समर्पण को प्रदर्शित करने के लिए, मनु मिंज, उत्तम नाविक (03076-एस) (एम ई) को तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है ।

प्रशस्ति उल्लेख

1. पी पी बीजू, प्रधान यांत्रिक (पोतकार) 07552-आर ने 06 सितम्बर 1996 को भारतीय तटरक्षक में सेवा आरम्भ की । तटरक्षक पोत विजय ने 05-07-2002 को 1000 बजे एम वी अल-मुर्तडा, जोकि कर्मीरहित, प्रकाशरहित तथा गहरे समुद्र में असहाय बह रहा था को रोकने तथा उसमें आरूढ़ होने के लिए मुम्बई से नौचालन किया । तटरक्षक पोत ने 2251 बजे देवगढ़ लाइट के पास लगभग 05 मील की दूरी पर उसका अवरोधन किया । यह पोत तट की ओर बह रहा था तथा दो से तीन घंटों के भीतर भूग्रस्त होने ही वाला था । समुद्र बहुत अशांत और अपनी 4 समुद्री स्थिति में लम्बी उमड़ भरा तथा 20 समुद्री मील की गति तक हवा के झोंके लेने के साथ बहुत ही अस्थिर था ।

2. तटरक्षक पोत विजय उस क्षेत्र में पहुंचा तथा उसने पोत को भूग्रस्त होने की स्थिति में देखा और रात्रि ही में पोत पर सवार होने तथा उसके लंगर को गिराने का निर्णय लिया । बीजू, प्रधान यांत्रिक ने स्वयं को उत्साहपूर्वक इस अभियान के लिए गठित विशेष बोर्डिंग दल में भाग लेने के लिए प्रस्तुत किया ।

3. अस्थिर समुद्र में जाने का साहस करते हुए तथा अपनी निजी सुरक्षा की परवाह न करते हुए, तथा पोत के बोर्ड पर उनके लिए उपलब्ध भण्डार के पूर्वानुमान के ज्ञान बिना बोर्डिंग दल 2349 बजे पोत में घुस गया । पोत पर सवार होते ही बोर्डिंग दल का प्राथमिक कार्य लंगर गिराने की संभावनाओं को तलाशना था । पोतकार होने के नाते, पी पी बीजू, प्रधान यांत्रिक को पोत का लंगर गिराने की तैयारी करने का कार्य सौंपा गया । पोत के लंगर का चरखा तथा जंजीर की धुरी पूरी तरह जंग लगी तथा जकड़ी हुई थी । प्रधान यांत्रिक ने ऊंचे दर्जे की व्यावसायिक कार्य कुशलता तथा पोतकला का प्रदर्शन करते हुए पोत पर बिजली की आपूर्ति के न होने पर उत्पन्न मुश्किलों व समस्याओं के चलते आधा घण्टे के अन्दर पोत का लंगर तैयार कर दिया । पोत के कप्तान की स्वीकृति से तट से (2.9) समुद्री मील की दूरी पर सफलतापूर्वक पोत का लंगर डाल दिया गया । इस प्रकार पोत को भूग्रस्त होने से तथा संभावित पर्यावरणीय/नौचालन जोखिम को बचा लिया गया ।

4. पोत के लंगर को सफलतापूर्वक गिराने के बाद बोर्डिंग दल ने उसकी पूरी छान-बीन की । मूलरूप से एक पोतकार होने के कारण तथा पोत के बोर्ड पर उपलब्ध एक ही नक्शे को समझने के लिए प्रधान यांत्रिक पी पी बीजू (पोतकार) ने प्रमुख भूमिका निभाई जिससे कि उसके विभिन्न डेको व कक्षों में जाने तथा सामान आदि निकालने का समयबद्ध कार्य सफलतापूर्वक हो सका ।

5. पी पी बीजू, प्रधान यांत्रिक(पोतकार) ने अपनी सुविधा तथा सुरक्षा को ताक पर रखते हुए सच्ची व्यावसायिकता, कर्तव्यनिष्ठा, साहस तथा अनुकरणीय आदेश को प्रोत्साहित करने का प्रदर्शन किया है । जिसके कारण यह अभियान सम्पन्न हुआ इसलिए अधीनस्थ अफसर को तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है ।

सं. 11 -प्रेज./2003 - गणतन्त्र दिवस, 2003 के अवसर पर राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री बी. सी. जाडेजा,
मुख्य अग्निशमन अधिकारी,
गुजरात ।

सेवाओं का ब्यौरा, जिनके लिए पदक प्रदान किया गया है :

27.02.2002 को गोधरा रेल जनसंहार हादसे के परिणामस्वरूप पूरे गुजरात और खासतौर पर अहमदाबाद में सांप्रदायिक दंगे भंडक उठे और व्यापक हिंसा फैल गयी। अहमदाबाद अग्निशमन सेवा वाहिनी को थोड़े ही समय में शहरी इलाके में ही बड़े पैमाने पर 162 जगहों पर लगी आग को बुझाने के उपाय करने पड़े ।

2. 28.02.2002को लगभग 19.45 बजे, अहमदाबाद के शाहीबाग इलाके में स्थित होटल मोती मनोर पर दंगाइयों द्वारा हमला किया गया और आग लगा दी गई । होटल के 37 लोग बचकर भागने में सफल हो गए, जबकि होटल के 16 कर्मचारी भवन के अंदर फंस गए थे, जो उस समय तक आग की ज्वालाओं और धुएं से भर गया था,जिसके कारण श्वासावरोध होने लग गया था । दुःखद घटना का बुलावा पाकर, **श्री बी.सी.जाडेजा,** अपने साथियों के साथ फायर टेंडर, पानी का टैंकर, हाईड्रालिक प्लेटफार्म (स्नौकेल) और ऐंबुलेंस के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे । दंगाईयों ने अग्निशमन सेवा की आवाजाही में बाधा डाली और स्नौकेल को जबरन आधे रास्ते में ही रोक दिया । उस असाधारण विद्वेषपूर्ण परिस्थिति में,अग्निशमन सेवा कार्मिकों को कोई पुलिस संरक्षण प्राप्त नहीं था । इसलिए, खुद को उस उग्र भीड़ से बचाते हुए, अग्निशमन कार्मियों ने उस प्रचण्ड नारकीय स्थिति में आग को बुझाने का काम शुरू कर दिया । इसी दौरान, अत्यधिक गर्मी के कारण होटल के रसोई घर में रखे हुए दो रसोई गैस के सिलिन्डरों में विस्फोट हो गया, जिसके परिणामस्वरूप आग और भड़क उठी । बाहर खड़े दंगाई भी अत्यंत ज्वलनशील पदार्थों के कनस्तर फैंककर आग में घी डालने का काम कर रहे थे ।

3. उपरोक्त दृश्यलेख में **श्री बी. सी. जाडेजा,** अपनी कर्तव्यनिष्ठ फायरमैनों की टीम के साथ, अपनी जान की सुरक्षा की परवाह किये बगैर, बिना किसी विश्राम के 4 घंटों तक आग से लड़ते रहे और सभी फंसे हुए 16 लोगों को बचा लिया और कई करोड़ रूपए की कीमत की संपत्ति को बचा लिया ।

4. इस प्रकार **श्री बी. सी. जाडेजा,** ने अपने कर्त्तव्यों का पालन करते हुए अपनी जान की सुरक्षा की भी अनदेखी करते हुए अनुकरणीय साहस, सुध-बुध, उच्च कोटि का नेतृत्व अपने कर्त्तव्य के प्रति उच्च कोटि की निष्ठा और उत्कृष्ट वीरता का परिचय दिया ।

5. यह पुरस्कार वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करने संबंधी संचालित करने वाले नियमों के नियम 3(i) के तहत प्रदान किया जाता है, तथा परिणामतः तारीख 28.02.2002 से नियम 5(क) के तहत अनुमेय विशेष भत्ता इसके साथ देय है ।

वरुण मित्रा

(वरुण मित्रा)
निदेशक

सं. 12-प्रेज./2003 - गणतन्त्र दिवस, 2003 के अवसर पर राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री जे. एन. खाड़िया,
स्टेशन अधिकारी (फायर),
गुजरात ।

सेवाओं का ब्यौरा, जिनके लिए पदक प्रदान किया गया है :

27.02.2002 को गोधरा रेल जनसंहार हादसे के परिणामस्वरूप पूरे गुजरात और खासतौर पर अहमदाबाद में सांप्रदायिक दंगे भंडक उठे और व्यापक हिंसा फैल गयी। अहमदाबाद अग्निशमन सेवा वाहिनी को थोड़े ही समय में शहरी इलाके में ही बड़े पैमाने पर 162 जगहों पर लगी आग को बुझाने के उपाय करने पड़े ।

2. 28.02.2002को लगभग 19.45 बजे, अहमदाबाद के शाहीबाग इलाके में स्थित होटल मोती मनोर पर दंगाइयों द्वारा हमला किया गया और आग लगा दी गई । होटल के 37 लोग बचकर भागने में सफल हो गए, जबकि होटल के 16 कर्मचारी भवन के अंदर फंस गए थे, जो उस समय तक आग की ज्वालाओं और धुएं से भर गया था,जिसके कारण श्वासावरोध होने लग गया था। दुःखद घटना का बुलावा पाकर, **श्री जे.एन. खाड़िया** अपने साथियों के साथ फायर टेंडर, पानी का टैंकर, हाईड्रालिक प्लेटफार्म (स्नोकेल) और ऐंबुलेंस के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे । दंगाईयों ने अग्निशमन सेवा की आवाजाही में बाधा डाली और स्नोकेल को जबरन आधे रास्ते में ही रोक दिया । उस असाधारण विद्वेषपूर्ण परिस्थिति में,अग्निशमन सेवा कार्मिकों को कोई पुलिस संरक्षण प्राप्त नहीं था । इसलिए, खुद को उस उग्र भीड़ से बचाते हुए, अग्निशमन कार्मियों ने उस प्रचण्ड नारकीय स्थिति में आग को बुझाने का काम शुरू कर दिया । इसी दौरान, अत्यधिक गर्मी के कारण होटल के रसोई घर में रखे हुए दो रसोई गैस के सिलिन्डरों में विस्फोट हो गया, जिसके परिणामस्वरूप आग और भड़क उठी । बाहर खड़े दंगाई भी अत्यंत ज्वलनशील पदार्थों के कनस्तर फैंककर आग में घी डालने का काम कर रहे थे ।

3. उपरोक्त दृश्यलेख में **श्री जे. एन. खाड़िया,** अपनी कर्त्तव्यनिष्ठ फायरमैनों की टीम के साथ, अपनी जान की सुरक्षा की परवाह किये बगैर, बिना किसी विराम के 4 घंटों तक आग से लड़ते रहे और सभी फंसे हुए 16 लोगों को बचा लिया और कई करोड़ रूपए की कीमत की संपत्ति को बचा लिया ।

4. इस प्रकार **श्री जे. एन. खाड़िया,** ने अपने कर्त्तव्यों का पालन करते हुए अपनी जान की सुरक्षा की भी अनदेखी करते हुए अनुकरणीय साहस, सुध-बुध, उच्च कोटि का नेतृत्व अपने कर्त्तव्य के प्रति उच्च कोटि की निष्ठा और उत्कृष्ट वीरता का परिचय दिया ।

5. यह पुरस्कार वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करने संबंधी संचालित करने वाले नियमों के नियम 3(i) के तहत प्रदान किया जाता है, तथा परिणामतः तारीख 28.02.2002 से नियम 5(क) के तहत अनुमेय विशेष भत्ता इसके साथ देय है ।

बरुण मित्रा

(बरुण मित्रा)
निदेशक

सं. 13-प्रेज./2003 - गणतन्त्र दिवस, 2003 के अवसर पर राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

<u>अधिकारी का नाम और रैंक</u>

श्री के. एन. पटेल,
ड्राईवर पम्प आप्रेटर,
गुजरात ।

<u>सेवाओं का ब्यौरा, जिनके लिए पदक प्रदान किया गया है :</u>

27.02.2002 को गोधरा रेल जनसंहार हादसे के परिणामस्वरूप पूरे गुजरात और खासतौर पर अहमदाबाद में सांप्रदायिक दंगे भंडक उठे और व्यापक हिंसा फैल गयी। अहमदाबाद अग्निशमन सेवा वाहिनी को थोड़े ही समय में शहरी इलाके में ही बड़े पैमाने पर 162 जगहों पर लगी आग को बुझाने के उपाय करने पड़े ।

2. 28.02.2002को लगभग 19.45 बजे, अहमदाबाद के शाहीबाग इलाके में स्थित होटल मोती मनोर पर दंगाइयों द्वारा हमला किया गया और आग लगा दी गई । होटल के 37 लोग बचकर भागने में सफल हो गए, जबकि होटल के 16 कर्मचारी भवन के अंदर फंस गए थे, जो उस समय तक आग की ज्वालाओं और धुएं से भर गया था, जिसके कारण श्वासावरोध होने लग गया था । दुःखद घटना का बुलावा पाकर, **श्री के.एन. पटेल,** अपने साथियों के साथ फायर टेंडर, पानी का टैंकर, हाईड्रालिक प्लेटफार्म (स्नोकेल) और ऐंबुलेंस के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे । दंगाईयों ने अग्निशमन सेवा की आवाजाही में बाधा डाली और स्नोकेल को जबरन आधे रास्ते में ही रोक दिया । उस असाधारण विद्वेषपूर्ण परिस्थिति में,अग्निशमन सेवा कार्मिकों को कोई पुलिस संरक्षण प्राप्त नहीं था । इसलिए, खुद को उस उग्र भीड़ से बचाते हुए, अग्निशमन कार्मियों ने उस प्रचण्ड नारकीय स्थिति में आग को बुझाने का काम शुरू कर दिया । इसी दौरान, अत्यधिक गर्मी के कारण होटल के रसोई घर में रखे हुए दो रसोई गैस के सिलिन्डरों में विस्फोट हो गया, जिसके परिणामस्वरूप आग और भड़क उठी । बाहर खड़े दंगाई भी अत्यंत ज्वलनशील पदार्थों के कनस्तर फैंककर आग में घी डालने का काम कर रहे थे ।

3. उपरोक्त दृश्यलेख में **श्री के. एन. पटेल,** अपनी कर्त्तव्यनिष्ठ फायरमैनों की टीम के साथ, अपनी जान की सुरक्षा की परवाह किये बगैर, बिना किसी विराम के 4 घंटों तक आग से लड़ते रहे और सभी फंसे हुए 16 लोगों को बचा लिया और कई करोड़ रूपए की कीमत की संपत्ति को बचा लिया ।

4. इस प्रकार **श्री के. एन. पटेल,** ने अपने कर्त्तव्यों का पालन करते हुए अपनी जान की सुरक्षा की भी अनदेखी करते हुए अनुकरणीय साहस, सुध-बुध, उच्च कोटि का नेतृत्व अपने कर्त्तव्य के प्रति उच्च कोटि की निष्ठा और उत्कृष्ट वीरता का परिचय दिया ।

5. यह पुरस्कार वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करने संबंधी संचालित करने वाले नियमों के नियम 3(I) के तहत प्रदान किया जाता है, तथा परिणामतः तारीख 28.02.2002 से नियम 5(क) के तहत अनुमेय विशेष भत्ता इसके साथ देय है ।

(बरुण मित्रा)
निदेशक

सं. 14-प्रेज./2003 - गणतन्त्र दिवस, 2003 के अवसर पर राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री पी. आर. दूबे,
ड्राईवर पम्प आप्रेटर,
गुजरात ।

सेवाओं का ब्यौरा, जिनके लिए पदक प्रदान किया गया है :

27.02.2002 को गोधरा रेल जनसंहार हादसे के परिणामस्वरूप पूरे गुजरात और खासतौर पर अहमदाबाद में सांप्रदायिक दंगे भंडक उठे और व्यापक हिंसा फैल गयी। अहमदाबाद अग्निशमन सेवा वाहिनी को थोड़े ही समय में शहरी इलाके में ही बड़े पैमाने पर 162 जगहों पर लगी आग को बुझाने के उपाय करने पड़े ।

2. 28.02.2002को लगभग 19.45 बजे, अहमदाबाद के शाहीबाग इलाके में स्थित होटल मोती मनोर पर दंगाइयों द्वारा हमला किया गया और आग लगा दी गई । होटल के 37 लोग बचकर भागने में सफल हो गए, जबकि होटल के 16 कर्मचारी भवन के अंदर फंस गए थे, जो उस समय तक आग की ज्वालाओं और धुएं से भर गया था, जिसके कारण श्वासावरोध होने लग गया था । दुःखद घटना का बुलावा पाकर, **श्री पी.आर. दूबे,** अपने साथियों के साथ फायर टेंडर, पानी का टैंकर, हाईड्रालिक प्लेटफार्म (स्नोंकेल) और ऐंबुलेंस के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे । दंगाईयों ने अग्निशमन सेवा की आवाजाही में बाधा डाली और स्नोंकेल को जबरन आधे रास्ते में ही रोक दिया । उस असाधारण विद्वेषपूर्ण परिस्थिति में,अग्निशमन सेवा कार्मिकों को कोई पुलिस संरक्षण प्राप्त नहीं था । इसलिए, खुद को उस उग्र भीड़ से बचाते हुए, अग्निशमन कार्मियों ने उस प्रचण्ड नारकीय स्थिति में आग को बुझाने का काम शुरू कर दिया । इसी दौरान, अत्यधिक गर्मी के कारण होटल के रसोई घर में रखे हुए दो रसोई गैस के सिलिन्डरों में विस्फोट हो गया, जिसके परिणामस्वरूप आग और भड़क उठी । बाहर खड़े दंगाई भी अत्यंत ज्वलनशील पदार्थों के कनस्तर फैंककर आग में घी डालने का काम कर रहे थे ।

3. उपरोक्त दृश्यलेख में **श्री पी. आर. दूबे,** अपनी कर्त्तव्यनिष्ठ फायरमैनों की टीम के साथ, अपनी जान की सुरक्षा की परवाह किये बगैर, बिना किसी विराम के 4 घंटों तक आग से लड़ते रहे और सभी फंसे हुए 16 लोगों को बचा लिया और कई करोड़ रूपए की कीमत की संपत्ति को बचा लिया ।

4. इस प्रकार **श्री पी. आर. दूबे,** ने अपने कर्त्तव्यों का पालन करते हुए अपनी जान की सुरक्षा की भी अनदेखी करते हुए अनुकरणीय साहस, सुध-बुध, उच्च कोटि का नेतृत्व अपने कर्त्तव्य के प्रति उच्च कोटि की निष्ठा और उत्कृष्ट वीरता का परिचय दिया ।

5. यह पुरस्कार वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करने संबंधी संचालित करने वाले नियमों के नियम 3(1) के तहत प्रदान किया जाता है, तथा परिणामतः तारीख 28.02.2002 से नियम 5(क) के तहत अनुमेय विशेष भत्ता इसके साथ देय है ।

वरुण मित्रा
(वरुण मित्रा)
निदेशक

सं. 15 -प्रेज./2003 - गणतन्त्र दिवस, 2003 के अवसर पर राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री ए. बी. मलिक,
ड्राईवर पम्प आप्रेटर,
गुजरात ।

सेवाओं का ब्यौरा, जिनके लिए पदक प्रदान किया गया है :

27.02.2002 को गोधरा रेल जनसंहार हादसे के परिणामस्वरूप पूरे गुजरात और खासतौर पर अहमदाबाद में सांप्रदायिक दंगे भंडक उठे और व्यापक हिंसा फैल गयी। अहमदाबाद अग्निशमन सेवा वाहिनी को थोड़े ही समय में शहरी इलाके में ही बड़े पैमाने पर 162 जगहों पर लगी आग को बुझाने के उपाय करने पड़े ।

2. 28.02.2002को लगभग 19.45 बजे, अहमदाबाद के शाहीबाग इलाके में स्थित होटल मोती मनोर पर दंगाइयों द्वारा हमला किया गया और आग लगा दी गई । होटल के 37 लोग बचकर भागने में सफल हो गए, जबकि होटल के 16 कर्मचारी भवन के अंदर फंस गए थे, जो उस समय तक आग की ज्वालाओं और धुएं से भर गया था, जिसके कारण श्वासावरोध होने लग गया था । दुःखद घटना का बुलावा पाकर, **श्री ए.बी. मलिक,** अपने साथियों के साथ फायर टेंडर, पानी का टैंकर, हाईड्रालिक प्लेटफार्म (स्नोकेल) और ऐंबुलेंस के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे । दंगाईयों ने अग्निशमन सेवा की आवाजाही में बाधा डाली और स्नोकेल को जबरन आधे रास्ते में ही रोक दिया । उस असाधारण विद्वेषपूर्ण परिस्थिति में,अग्निशमन सेवा कार्मिकों को कोई पुलिस संरक्षण प्राप्त नहीं था । इसलिए, खुद को उस उग्र भीड़ से बचाते हुए, अग्निशमन कार्मियों ने उस प्रचण्ड नारकीय स्थिति में आग को बुझाने का काम शुरू कर दिया । इसी दौरान, अत्यधिक गर्मी के कारण होटल के रसोई घर में रखे हुए दो रसोई गैस के सिलिन्डरों में विस्फोट हो गया, जिसके परिणामस्वरूप आग और भड़क उठी । बाहर खड़े दंगाई भी अत्यंत ज्वलनशील पदार्थों के कनस्तर फैंककर आग में घी डालने का काम कर रहे थे ।

3. उपरोक्त दृश्यलेख में **श्री ए. बी. मलिक,** अपनी कर्त्तव्यनिष्ठ फायरमैनों की टीम के साथ, अपनी जान की सुरक्षा की परवाह किये बगैर, बिना किसी विराम के 4 घंटों तक आग से लड़ते रहे और सभी फंसे हुए 16 लोगों को बचा लिया और कई करोड़ रूपए की कीमत की संपत्ति को बचा लिया ।

4. इस प्रकार **श्री ए. बी. मलिक,** ने अपने कर्त्तव्यों का पालन करते हुए अपनी जान की सुरक्षा की भी अनदेखी करते हुए अनुकरणीय साहस, सुध-बुध, उच्च कोटि का नेतृत्व अपने कर्त्तव्य के प्रति उच्च कोटि की निष्ठा और उत्कृष्ट वीरता का परिचय दिया ।

5. यह पुरस्कार वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करने संबंधी संचालित करने वाले नियमों के नियम 3(i) के तहत प्रदान किया जाता है, तथा परिणामतः तारीख 28.02.2002 से नियम 5(क) के तहत अनुमेय विशेष भत्ता इसके साथ देय है ।

वरुण मित्रा

(वरुण मित्रा)
निदेशक

स. 16 -प्रज./2003 - गणतन्त्र दिवस, 2003 के अवसर पर राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री वी. सी. मोरे,
फायरमैन,
गुजरात ।

सेवाओं का ब्यौरा, जिनके लिए पदक प्रदान किया गया है :

27.02.2002 को गोधरा रेल जनसंहार हादसे के परिणामस्वरूप पूरे गुजरात और खासतौर पर अहमदाबाद में सांप्रदायिक दंगे भंडक उठे और व्यापक हिंसा फैल गयी। अहमदाबाद अग्निशमन सेवा वाहिनी को थोड़े ही समय में शहरी इलाके में ही बड़े पैमाने पर 162 जगहों पर लगी आग को बुझाने के उपाय करने पड़े ।

2. 28.02.2002को लगभग 19.45 बजे, अहमदाबाद के शाहीबाग इलाके में स्थित होटल मोती मनोर पर दंगाइयों द्वारा हमला किया गया और आग लगा दी गई । होटल के 87 लोग बचकर भागने में सफल हो गए, जबकि होटल के 16 कर्मचारी भवन के अंदर फंस गए थे, जो उस समय तक आग की ज्वालाओं और घुएं से भर गया था, जिसके कारण श्वासावरोध होने लग गया था । दुःखद घटना का बुलावा पाकर, **श्री वी.सी. मोरे,** अपने साथियों के साथ फायर टेंडर, पानी का टैंकर, हाईड्रालिक प्लेटफार्म (स्नोकेल) और ऐंबुलेंस के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे । दंगाईयों ने अग्निशमन सेवा की आवाजाही में बाधा डाली और स्नोकेल को जबरन आगे रास्ते में ही रोक दिया । उस असाधारण विद्वेषपूर्ण परिस्थिति में,अग्निशमन सेवा कार्मिकों को कोई पुलिस संरक्षण प्राप्त नहीं था । इसलिए, खुद को उस उग्र भीड़ से बचाते हुए, अग्निशमन कार्मियों ने उस प्रचण्ड नारकीय स्थिति में आग को बुझाने का काम शुरू कर दिया । इसी दौरान, अत्यधिक गर्मी के कारण होटल के रसोई घर में रखे हुए दो रसोई गैस के सिलिन्डरों में विस्फोट हो गया, जिसके परिणामस्वरूप आग और भड़क उठी । बाहर खड़े दंगाई भी अत्यंत ज्वलनशील पदार्थों के कनस्तर फैंककर आग में घी डालने का काम कर रहे थे ।

3. उपरोक्त दृश्यलेख में **श्री वी. सी. मोरे,** अपनी कर्त्तव्यनिष्ठ फायरमैनों की टीम के साथ, अपनी जान की सुरक्षा की परवाह किये बगैर, बिना किसी विराम के 4 घंटों तक आग से लड़ते रहे और सभी फंसे हुए 16 लोगों को बचा लिया और कई करोड़ रूपए की कीमत की संपत्ति को बचा लिया ।

4. इस प्रकार **श्री वी. सी. मोरे,** ने अपने कर्त्तव्यों का पालन करते हुए अपनी जान की सुरक्षा की भी अनदेखी करते हुए अनुकरणीय साहस, सुध-बुध, उच्च कोटि का नेतृत्व अपने कर्त्तव्य के प्रति उच्च कोटि की निष्ठा और उत्कृष्ट वीरता का परिचय दिया ।

5. यह पुरस्कार वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करने संबंधी संचालित करने वाले नियमों के नियम 3(I) के तहत प्रदान किया जाता है, तथा परिणामतः तारीख 28.02.2002 से नियम 5(क) के तहत अनुमेय विशेष भत्ता इसके साथ देय है ।

(बरुण मित्रा)
निदेशक

सं. 17 -प्रेज./2003 - गणतन्त्र दिवस, 2003 के अवसर पर राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक संहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री डी. के. राठोड़,
मुख्य अग्निशमन अधिकारी
गुजरात ।

सेवाओं का ब्यौरा, जिनके लिए पदक प्रदान किया गया है :

27.02.2002 को गोधरा रेल जनसंहार हादसे के परिणामस्वरूप पूरे गुजरात और खासतौर पर अहमदाबाद में सांप्रदायिक दंगे भंडक उठे और व्यापक हिंसा फैल गयी। अहमदाबाद अग्निशमन सेवा वाहिनी को थोड़े ही समय में शहरी इलाके में ही बड़े पैमाने पर 162 जगहों पर लगी आग को बुझाने के उपाय करने पड़े ।

2. 28.02.2002को लगभग 19.45 बजे, अहमदाबाद के शाहीबाग इलाके में स्थित होटल मोती मनोर पर दंगाइयों द्वारा हमला किया गया और आग लगा दी गई । होटल के 37 लोग बचकर भागने में सफल हो गए, जबकि होटल के 16 कर्मचारी भवन के अंदर फंस गए थे, जो उस समय तक आग की ज्वालाओं और धुएं से भर गया था, जिसके कारण श्वासावरोध होने लग गया था । दुःखद घटना का बुलावा पाकर, **श्री डी.के.राठोड़,** अपने साथियों के साथ फायर टेंडर, पानी का टैंकर, हाईड्रालिक प्लेटफार्म (स्नोकेल) और ऐंबुलेंस के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे । दंगाईयों ने अग्निशमन सेवा की आवाजाही में बाधा डाली और स्नोकेल को जबरन आधे रास्ते में ही रोक दिया । उस असाधारण विद्वेषपूर्ण परिस्थिति में,अग्निशमन सेवा कार्मिकों को कोई पुलिस संरक्षण प्राप्त नहीं था । इसलिए, खुद को उस उग्र भीड़ से बचाते हुए, अग्निशमन कार्मियों ने उस प्रचण्ड नारकीय स्थिति में आग को बुझाने का काम शुरू कर दिया । इसी दौरान, अत्यधिक गर्मी के कारण होटल के रसोई घर में रखे हुए दो रसोई गैस के सिलिन्डरों में विस्फोट हो गया, जिसके परिणामस्वरूप आग और भड़क उठी। बाहर खड़े दंगाई भी अत्यंत ज्वलनशील पदार्थों के कनस्तर फैंककर आग में घी डालने का काम कर रहे थे ।

3 उपरोक्त दृश्यलेख में **श्री डी. के. राठोड़,** अपनी कर्त्तव्यनिष्ठ फायरमैनों की टीम के साथ, अपनी जान की सुरक्षा की परवाह किये बगैर, बिना किसी विराम के 4 घंटों तक आग से लड़ते रहे और सभी फंसे हुए 16 लोगों को बचा लिया और कई करोड़ रूपए की कीमत की संपत्ति को बचा लिया ।

4. इस प्रकार **श्री डी. के. राठोड़,** ने अपने कर्त्तव्यों का पालन करते हुए अपनी जान की सुरक्षा की भी अनदेखी करते हुए अनुकरणीय साहस, सुध-बुध, उच्च कोटि का नेतृत्व अपने कर्त्तव्य के प्रति उच्च कोटि की निष्ठा और उत्कृष्ट वीरता का परिचय दिया ।

5. यह पुरस्कार वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करने संबंधी संचालित करने वाले नियमों के नियम 3(i) के तहत प्रदान किया जाता है, तथा परिणामतः तारीख 28.02.2002 से नियम 5(क) के तहत अनुमेय विशेष भत्ता इसके साथ देय है ।

बरुण मित्रा

(बरुण मित्रा)
निदेशक

सं. 18 -प्रेज./2003 - गणतन्त्र दिवस, 2003 के अवसर पर राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री एच. के. पटेल,
फायरमैन,
गुजरात ।

सेवाओं का ब्यौरा, जिनके लिए पदक प्रदान किया गया है :

27.02.2002 को गोधरा रेल जनसंहार हादसे के परिणामस्वरूप पूरे गुजरात और खासतौर पर अहमदाबाद में सांप्रदायिक दंगे भड़क उठे और व्यापक हिंसा फैल गयी। अहमदाबाद अग्निशमन सेवा वाहिनी को थोड़े ही समय में शहरी इलाके में ही बड़े पैमाने पर 162 जगहों पर लगी आग को बुझाने के उपाय करने पड़े ।

2. 28.02.2002को लगभग 19.45 बजे, अहमदाबाद के शाहीबाग इलाके में स्थित होटल मोती मनोर पर दंगाइयों द्वारा हमला किया गया और आग लगा दी गई । होटल के 37 लोग बचकर भागने में सफल हो गए, जबकि होटल के 16 कर्मचारी भवन के अंदर फंस गए थे, जो उस समय तक आग की ज्वालाओं और धुएं से भर गया था, जिसके कारण श्वासावरोध होने लग गया था । दुःखद घटना का बुलावा पाकर, **श्री एच.के. पटेल,** अपने साथियों के साथ फायर टेंडर, पानी का टैंकर, हाईड्रालिक प्लेटफार्म (स्नोकेल) और ऐंबुलेंस के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे । दंगाईयों ने अग्निशमन सेवा की आवाजाही में बाधा डाली और स्नोकेल को जबरन आधे रास्ते में ही रोक दिया । उस असाधारण विद्वेषपूर्ण परिस्थिति में,अग्निशमन सेवा कार्मिकों को कोई पुलिस संरक्षण प्राप्त नहीं था । इसलिए, खुद को उस उग्र भीड़ से बचाते हुए, अग्निशमन कार्मियों ने उस प्रचण्ड नारकीय स्थिति में आग को बुझाने का काम शुरू कर दिया । इसी दौरान, अत्यधिक गर्मी के कारण होटल के रसोई घर में रखे हुए दो रसोई गैस के सिलिन्डरों में विस्फोट हो गया, जिसके परिणामस्वरूप आग और भड़क उठी । बाहर खड़े दंगाई भी अत्यंत ज्वलनशील पदार्थों के कनस्तर फैंककर आग में घी डालने का काम कर रहे थे ।

3. उपरोक्त दृश्यलेख में **श्री एच. के. पटेल,** अपनी कर्त्तव्यनिष्ठ फायरमैनों की टीम के साथ, अपनी जान की सुरक्षा की परवाह किये बगैर, बिना किसी विराम के 4 घंटों तक आग से लड़ते रहे और सभी फंसे हुए 16 लोगों को बचा लिया और कई करोड़ रूपए की कीमत की संपत्ति को बचा लिया ।

4. इस प्रकार **श्री एच. के. पटेल,** ने अपने कर्त्तव्यों का पालन करते हुए अपनी जान की सुरक्षा की भी अनदेखी करते हुए अनुकरणीय साहस, सुध-बुध, उच्च कोटि का नेतृत्व अपने कर्त्तव्य के प्रति उच्च कोटि की निष्ठा और उत्कृष्ट वीरता का परिचय दिया ।

5. यह पुरस्कार वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करने संबंधी संचालित करने वाले नियमों के नियम 3(i) के तहत प्रदान किया जाता है, तथा परिणामतः तारीख 28.02.2002 से नियम 5(क) के तहत अनुमेय विशेष भत्ता इसके साथ देय है ।

(बरुण मित्रा)
निदेशक

सं. 19-प्रेज./2003 - गणतन्त्र दिवस, 2003 के अवसर पर राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

<u>अधिकारी का नाम और रैंक</u>

श्री आर. के. वाघेला,

फायरमैन,

गुजरात ।

<u>सेवाओं का ब्यौरा, जिनके लिए पदक प्रदान किया गया है :</u>

27.02.2002 को गोधरा रेल जनसंहार हादसे के परिणामस्वरूप पूरे गुजरात और खासतौर पर अहमदाबाद में सांप्रदायिक दंगे भंडक उठे और व्यापक हिंसा फैल गयी। अहमदाबाद अग्निशमन सेवा वाहिनी को थोड़े ही समय में शहरी इलाके में ही बड़े पैमाने पर 162 जगहों पर लगी आग को बुझाने के उपाय करने पड़े ।

2. 28.02.2002को लगभग 19.45 बजे, अहमदाबाद के शाहीबाग इलाके में स्थित होटल मौती मनोर पर दंगाइयों द्वारा हमला किया गया और आग लगा दी गई । होटल के 37 लोग बचकर भागने में सफल हो गए, जबकि होटल के 16 कर्मचारी भवन के अंदर फंस गए थे, जो उस समय तक आग की ज्वालाओं और धुएं से भर गया था, जिसके कारण श्वासावरोध होने लग गया था। दुःखद घटना का बुलावा पाकर, **श्री आर.के.वाघेला,** अपने साथियों के साथ फायर टेंडर, पानी का टैंकर, हाईड्रालिक प्लेटफार्म (स्नोकेल) और ऐंबुलेंस के साथ घटनास्थल पर पहुंचे । दंगाईयों ने अग्निशमन सेवा की आवाजाही में बाधा डाली और स्नोकेल को जबरन आधे रास्ते में ही रोक दिया । उस असाधारण विद्वेषपूर्ण परिस्थिति में,अग्निशमन सेवा कार्मिकों को कोई पुलिस संरक्षण प्राप्त नहीं था । इसलिए, खुद को उस उग्र भीड़ से बचाते हुए, अग्निशमन कार्मियों ने उस प्रचण्ड ज्वलनशील स्थिति में आग को बुझाने का काम शुरू कर दिया । इसी दौरान, अत्यधिक गर्मी के कारण होटल के रसोई घर में रखे हुए दो रसोई गैस के सिलिन्डरों में विस्फोट हो गया, जिसके परिणामस्वरूप आग और भड़क उठी । बाहर खड़े दंगाई भी अत्यंत ज्वलनशील पदार्थों के कनस्तर फैंककर आग में घी डालने का काम कर रहे थे ।

3. उपरोक्त दृश्यलेख में **श्री आर. के. वाघेला,** अपनी कर्त्तव्यनिष्ठ फायरमैनों की टीम के साथ, अपनी जान की सुरक्षा की परवाह किये बगैर, बिना किसी विराम के 4 घंटों तक आग से लड़ते रहे और सभी फंसे हुए 16 लोगों को बचा लिया और कई करोड़ रूपए की कीमत की संपत्ति को बचा लिया ।

4. इस प्रकार **श्री आर. के. वाघेला,** ने अपने कर्त्तव्यों का पालन करते हुए अपनी जान की सुरक्षा की भी परवाह नहीं करते हुए अनुकरणीय साहस, सुध-बुध, उच्च कोटि का नेतृत्व अपने कर्तव्य के प्रति उच्च कोटि की निष्ठा और उत्कृष्ट वीरता का परिचय दिया ।

5. यह पुरस्कार वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करने संबंधी संचालित करने वाले नियमों के नियम 3(1) के तहत प्रदान किया जाता है, तथा परिणामतः तारीख 28.02.2002 से नियम 5(क) के तहत अनुमेय विशेष भत्ता इसके साथ देय है ।

(बरुण मित्रा)
निदेशक

सं. 20-प्रेज./2003 - गणतन्त्र दिवस, 2003 के अवसर पर राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री जी.ए. बोरडिया,

फायरमैन,

गुजरात ।

सेवाओं का ब्यौरा, जिनके लिए पदक प्रदान किया गया है :

27.02.2002 को गोधरा रेल जनसंहार हादसे के परिणामस्वरूप पूरे गुजरात और खासतौर पर अहमदाबाद में सांप्रदायिक दंगे भंडक उठे और व्यापक हिंसा फैल गयी। अहमदाबाद अग्निशमन सेवा वाहिनी को थोड़े ही समय में शहरी इलाके में ही बड़े पैमाने पर 162 जगहों पर लगी आग को बुझाने के उपाय करने पड़े ।

2. 28.02.2002को लगभग 19.45 बजे, अहमदाबाद के शाहीबाग इलाके में स्थित होटल मोती मनोर पर दंगाइयों द्वारा हमला किया गया और आग लगा दी गई । होटल के 37 लोग बचकर भागने में सफल हो गए, जबकि होटल के 16 कर्मचारी भवन के अंदर फंस गए थे, जो उस समय तक आग की ज्वालाओं और धुएं से भर गया था, जिसके कारण श्वासावरोध होने लग गया था। दुःखद घटना का बुलावा पाकर, **श्री जी.ए.बोरडिया,** अपने साथियों के साथ फायर टेंडर, पानी का टैंकर, हाईड्रालिक प्लेटफार्म (स्नोंकेल) और ऐंबुलेंस के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे । दंगाईयों ने अग्निशमन सेवा की आवाजाही में बाधा डाली और स्नोंकेल को जबरन आधे रास्ते में ही रोक दिया । उस असाधारण विद्वेषपूर्ण परिस्थिति में,अग्निशमन सेवा कार्मिकों को कोई पुलिस संरक्षण प्राप्त नहीं था । इसलिए, खुद को उस उग्र भीड़ से बचाते हुए, अग्निशमन कार्मियों ने उस प्रचण्ड नारकीय स्थिति में आग को बुझाने का काम शुरू कर दिया । इसी दौरान, अत्यधिक गर्मी के कारण होटल के रसोई घर में रखे हुए दो रसोई गैस के सिलिन्डरों में विस्फोट हो गया, जिसके परिणामस्वरूप आग और भड़क उठी । बाहर खड़े दंगाई भी अत्यंत ज्वलनशील पदार्थों के कनस्तर फैंककर आग में घी डालने का काम कर रहे थे ।

3. उपरोक्त दृश्यलेख में **श्री जी.ए. बोरडिया,** अपनी कर्त्तव्यनिष्ठ फायरमैनों की टीम के साथ, अपनी जान की सुरक्षा की परवाह किये बगैर, बिना किसी विराम के 4 घंटों तक आग से लड़ते रहे और सभी फंसे हुए 16 लोगों को बचा लिया और कई करोड़ रूपए की कीमत की संपत्ति को बचा लिया ।

4. इस प्रकार **श्री जी.ए. बोरडिया,** ने अपने कर्त्तव्यों का पालन करते हुए अपनी जान की सुरक्षा की भी अनदेखी करते हुए अनुकरणीय साहस, सुध-बुध, उच्च कोटि का नेतृत्व अपने कर्त्तव्य के प्रति उच्च कोटि की निष्ठा और उत्कृष्ट वीरता का परिचय दिया ।

5. यह पुरस्कार वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करने संबंधी संचालित करने वाले नियमों के नियम 3(i) के तहत प्रदान किया जाता है, तथा परिणामतः तारीख 28.02.2002 से नियम 5(क) के तहत अनुमेय विशेष भत्ता इसके साथ देय है ।

बरुण मित्रा

(बरुण मित्रा)

निदेशक

सं. 21-प्रेज./2003 - गणतन्त्र दिवस, 2003 के अवसर पर राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री जे.एन. निनामा,
फायरमैन,
गुजरात ।

सेवाओं का ब्यौरा, जिनके लिए पदक प्रदान किया गया है :

27.02.2002 को गोधरा रेल जनसंहार हादसे के परिणामस्वरूप पूरे गुजरात और खासतौर पर अहमदाबाद में सांप्रदायिक दंगे भड़क उठे और व्यापक हिंसा फैल गयी। अहमदाबाद अग्निशमन सेवा वाहिनी को थोड़े ही समय में शहरी इलाके में ही बड़े पैमाने पर 162 जगहों पर लगी आग को बुझाने के उपाय करने पड़े ।

2. 28.02.2002को लगभग 19.45 बजे, अहमदाबाद के शाहीबाग इलाके में स्थित होटल मोती मनोर पर दंगाइयों द्वारा हमला किया गया और आग लगा दी गई । होटल के 37 लोग बचकर भागने में सफल हो गए, जबकि होटल के 16 कर्मचारी भवन के अंदर फंस गए थे, जो उस समय तक आग की ज्वालाओं और धुएं से भर गया था, जिसके कारण श्वासावरोध होने लग गया था। दुःखद घटना का बुलावा पाकर, **श्री जे.एन.निनामा,** अपने साथियों के साथ फायर टेंडर, पानी का टैंकर, हाईड्रालिक प्लेटफार्म (स्नोकेल) और ऐंबुलेंस के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे । दंगाईयों ने अग्निशमन सेवा की आवाजाही में बाधा डाली और स्नोकेल को जबरन आधे रास्ते में ही रोक दिया । उस असाधारण विद्वेषपूर्ण परिस्थिति में,अग्निशमन सेवा कार्मिकों को कोई पुलिस संरक्षण प्राप्त नहीं था । इसलिए, खुद को उस उग्र भीड़ से बचाते हुए, अग्निशमन कार्मियों ने उस प्रचण्ड नारकीय स्थिति में आग को बुझाने का काम शुरू कर दिया । इसी दौरान, अत्यधिक गर्मी के कारण होटेल के रसोई घर में रखे हुए दो रसोई गैस के सिलिन्डरों में विस्फोट हो गया, जिसके परिणामस्वरूप आग और भड़क उठी । बाहर खड़े दंगाई भी अत्यंत ज्वलनशील पदार्थों के कनस्तर फैंककर आग में घी डालने का काम कर रहे थे ।

3. उपरोक्त दृश्यलेख में **श्री जे.एन. निनामा,** अपनी कर्त्तव्यनिष्ठ फायरमैनों की टीम के साथ, अपनी जान की सुरक्षा की परवाह किये बगैर, बिना किसी विराम के 4 घंटों तक आग से लड़ते रहे और सभी फंसे हुए 16 लोगों को बचा लिया और कई करोड़ रूपए की कीमत की संपत्ति को बचा लिया ।

4. इस प्रकार **श्री जे.एन. निनामा,** ने अपने कर्त्तव्यों का पालन करते हुए अपनी जान की सुरक्षा की भी अनदेखी करते हुए अनुकरणीय साहस, सुध-बुध, उच्च कोटि का नेतृत्व अपने कर्त्तव्य के प्रति उच्च कोटि की निष्ठा और उत्कृष्ट वीरता का परिचय दिया ।

5. यह पुरस्कार वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करने संबंधी संचालित करने वाले नियमों के नियम 3(i) के तहत प्रदान किया जाता है, तथा परिणामतः तारीख 28.02.2002 से नियम 5(क) के तहत अनुमेय विशेष भत्ता इसके साथ देय है ।

(बरुण मित्रा)
निदेशक

सं. 22-प्रेज./2003 - गणतन्त्र दिवस, 2003 के अवसर पर राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री आर. एस. सोढ़ी,
संयुक्त निदेशक,
जम्मू एवं कश्मीर ।

सेवाओं का ब्यौरा, जिनके लिए पदक प्रदान किया गया है

14.5.2002 की भोर को सशस्त्र फिदायीन आतंकवादियों ने कालू चक्क छावनी, जम्मू के एक सेना शिविर पर हमला बोल दिया जिसमें 26 व्यक्ति मारे गए और 47 जख्मी हो गए । इसके परिणाम स्वरूप, सेना और आतंकवादियों के बीच एक-दूसरे पर अन्धाधुन्ध गोलाबारी शुरू हो गई, जिसके बाद बचाव के लिए ग्रेनेड फेंकने, आग की बड़ी लपटों सहित भारी आवाज वाले कई विस्फोट हुए जिन्होंने सेना के शिविर को खतरे में डाल दिया । प्रथम सूचना मिलने पर, गंगयाल, बारीं ब्राह्मण और गांधीनगर अग्निशमन केन्द्रों से अग्निशमन दलों ने तत्काल आग बुझाने और बचाव कार्य आरंभ कर दिये । अंदर की प्रतिकूल युद्ध की स्थिति के कारण, अग्निशमन यन्त्र/गाडियां शिविर के मुख्य द्वार पर असहाय छोड़ देनी पड़ीं । सेना के शिविर में परिवारों के क्वारटर्स, बैरकें, भंडारण, वर्कशॉप, वाहन पार्किंग के गैराज, जिनमें डीज़ल, केरोसिन और वर्कशाप अहाते में अन्य ज्वलनशील लुब्रीकेन्ट्स का भंडार था ।

2. अपनी जान की सुरक्षा की परवाह न करते हुए **श्री आर. एस. सोढी** किसी सुरक्षा या बचाव कवच के बिना अपने कर्तव्यनिष्ठ अग्निशमन दल के साथ, बाहर खडे किए हुए यंत्रों से खींची हुई चार्ज लाइन सहित, कैंप में प्रवेश कर गए और रेंगते हुए घटनास्थल पर पहुंच गए और एक-दूसरे पर हो रही गोलाबारी और ग्रेनेड विस्फोटों आदि के बीच आग बुझाने का कार्य शुरू कर दिया । आग की प्रकृति को देखते हुए, वे ऐसी विपरीत परिस्थितियों में आग को दबाने और उस पर नियंत्रण पाने के लिए, कई घन्टों तक बहादुरी से आग से जूझते रहे और इस प्रकार उन्होंने कई जानें बचाई और कई करोड़ रूपयों से अधिक की सम्पत्ति को बचा लिया ।

3. **श्री आर.एस. सोढी** ने अपने उपर्युक्त कार्य में अपनी जान की सुरक्षा की भी परवाह किए बगैर, व्यावसायिक विशेषज्ञता और उच्च कोटि का नेतृत्व, साहस, समर्पण और कर्तव्य के प्रति निष्ठा और अनुकरणीय वीरता का परिचय दिया ।

4. यह पुरस्कार वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करने संबंधी संचालित करने वाले नियमों के नियम 3 (i) के तहत प्रदान किया जाता है तथा परिणामतः तारीख 14.5.2002 से नियम 5 (क) के तहत अनुमेय विशेष भत्ता इसके साथ देय है ।

(बरुण मित्रा)
निदेशक

सं. 23-प्रेज./2003 - गणतन्त्र दिवस, 2003 के अवसर पर राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री राम पाल खजूरिया,
उप निदेशक,
जम्मू एवं कश्मीर ।

सेवाओं का ब्यौरा, जिनके लिए पदक प्रदान किया गया है

14.5.2002 की भोर को सशस्त्र फिदायीन आतंकवादियों ने कालू चक्क छावनी, जम्मू के एक सेना शिविर पर हमला बोल दिया जिसमें 26 व्यक्ति मारे गए और 47 जख्मी हो गए । इसके परिणाम स्वरूप, सेना और आतंकवादियों के बीच एक-दूसरे पर अन्धाधुन्ध गोलाबारी शुरू हो गई, जिसके बाद बचाव के लिए ग्रेनेड फेंकने, आग की बड़ी लपटों सहित भारी आवाज वाले कई विस्फोट हुए जिन्होंने सेना के शिविर को खतरे में डाल दिया । प्रथम सूचना मिलने पर, गंगयाल, बारी ब्राह्मण और गांधीनगर अग्निशमन केन्द्रों से अग्निशमन दलों ने तत्काल आग बुझाने और बचाव कार्य आरंभ कर दिये । अंदर की प्रतिकूल युद्ध की स्थिति के कारण, अग्निशमन यन्त्र/गाडियां शिविर के मुख्य द्वार पर असहाय छोड़ देनी पड़ीं । सेना के शिविर में परिवारों के क्वारटर्स, बैरकें, भंडारण, वर्कशॉप, वाहन पार्किंग के गैराज, जिनमें डीज़ल, केरोसिन और वर्कशाप अहाते में अन्य ज्वलनशील लुब्रीकेन्ट्स का भंडार था ।

2. अपनी जान की सुरक्षा की परवाह न करते हुए, **श्री राम पाल खजूरिया** किसी सुरक्षा या बचाव कवच के बिना अपने कर्तव्यनिष्ठ अग्निशमन दल के साथ, बाहर खडे किए हुए यंत्रों से खींची हुई चार्ज लाइन सहित, कैंप में प्रवेश कर गए और रेंगते हुए घटनास्थल पर पहुंच गए और एक-दूसरे पर हो रही गोलाबारी और ग्रेनेड विस्फोटों आदि के बीच आग बुझाने का कार्य शुरू कर दिया । आग की प्रकृति को देखते हुए, वे ऐसी विपरीत परिस्थितियों में आग को दबाने और उस पर नियंत्रण पाने के लिए, कई घन्टों तक बहादुरी से आग से जूझते रहे और इस प्रकार उन्होंने कई जानें बचाई और कई करोड़ रूपयों से अधिक की सम्पत्ति को बचा लिया।

3. **श्री राम पाल खजूरिया,** ने अपने उपर्युक्त कार्य में अपनी जान की सुरक्षा की भी परवाह किए बगैर, व्यावसायिक विशेषज्ञता और उच्च कोटि का नेतृत्व, साहस, समर्पण और कर्तव्य के प्रति निष्ठा और अनुकरणीय वीरता का परिचय दिया ।

4. यह पुरस्कार वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करने संबंधी संचालित करने वाले नियमों के नियम 3 (i) के तहत प्रदान किया जाता है तथा परिणामतः तारीख 14.5.2002 से नियम 5 (क) के तहत अनुमेय विशेष भत्ता इसके साथ देय है ।

(बरुण मित्रा)
निदेशक

सं. **24**-प्रेज./2003 - गणतन्त्र दिवस, 2003 के अवसर पर राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री रोमेश चन्द रैना,

स्टेशन आफीसर,

जम्मू एवं कश्मीर ।

सेवाओं का ब्यौरा, जिनके लिए पदक प्रदान किया गया है

14.5.2002 की भोर को सशस्त्र फिदायीन आतंकवादियों ने कालू चक्क छावनी, जम्मू के एक सेना शिविर पर हमला बोल दिया जिसमें 26 व्यक्ति मारे गए और 47 जख्मी हो गए । इसके परिणाम स्वरूप, सेना और आतंकवादियों के बीच एक-दूसरे पर अन्धाधुन्ध गोलाबारी शुरू हो गई, जिसके बाद बचाव के लिए ग्रेनेड फेंकने, आग की बड़ी लपटों सहित भारी आवाज वाले कई विस्फोट हुए जिन्होंने सेना के शिविर को खतरे में डाल दिया । प्रथम सूचना मिलने पर, गंगयाल, बारी ब्राह्मण और गांधीनगर अग्निशमन केन्द्रों से अग्निशमन दलों ने तत्काल आग बुझाने और बचाव कार्य आरंभ कर दिये । अंदर की प्रतिकूल युद्ध की स्थिति के कारण, अग्निशमन यन्त्र/गाडियां शिविर के मुख्य द्वार पर असहाय छोड़ देनी पड़ीं । सेना के शिविर में परिवारों के क्वारटर्स, बैरकें, भंडारण, वर्कशॉप, वाहन पार्किंग के गैराज, जिनमें डीज़ल, केरोसिन और वर्कशाप अहाते में अन्य ज्वलनशील लुब्रीकेन्ट्स का भंडार था ।

2. अपनी जान की सुरक्षा की परवाह न करते हुए **श्री रोमेश चन्द रैना,** किसी सुरक्षा या बचाव कवच के बिना अपने कर्तव्यनिष्ठ अग्निशमन दल के साथ, बाहर खडे किए हुए यंत्रों से खींची हुई चार्ज लाइन सहित, कैंप में प्रवेश कर गए और रेंगते हुए घटनास्थल पर पंहुच गए और एक-दूसरे पर हो रही गोलाबारी और ग्रेनेड विस्फोटों आदि के बीच आग बुझाने का कार्य शुरू कर दिया । आग की प्रकृति को देखते हुए, वे ऐसी विपरीत परिस्थितियों में आग को दबाने और उस पर नियंत्रण पाने के लिए, कई घन्टों तक बहादुरी से आग से जूझते रहे और इस प्रकार उन्होंने कई जानें बचाई और कई करोड़ रूपयों से अधिक की सम्पत्ति को बचा लिया ।

3. **श्री रोमेश चन्द रैना,** ने अपने उपर्युक्त कार्य में अपनी जान की सुरक्षा की भी परवाह किए बगैर, व्यावसायिक विशेषज्ञता और उच्च कोटि का नेतृत्व, साहस, समर्पण और कर्तव्य के प्रति निष्ठा और अनुकरणीय वीरता का परिचय दिया ।

4. यह पुरस्कार वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करने संबंधी संचालित करने वाले नियमों के नियम 3 (i) के तहत प्रदान किया जाता है तथा परिणामतः तारीख 14.5.2002 से नियम 5 (क) के तहत अनुमेय विशेष भत्ता इसके साथ देय है ।

बरुण मित्रा

(बरुण मित्रा)

निदेशक

सं. 25-प्रेज./2003 - गणतन्त्र दिवस, 2003 के अवसर पर राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री सुरेन्द्र सिंह,
फायरमैन 276-जे,
जम्मू एवं कश्मीर ।

सेवाओं का ब्यौरा, जिनके लिए पदक प्रदान किया गया है

14.5.2002 की रात को सशस्त्र फिदायीन आतंकवादियों ने कालू चक्क छावनी, जम्मू के एक सेना शिविर पर हमला बोल दिया जिसमें 26 व्यक्ति मारे गए और 47 जख्मी हो गए । इसके परिणाम स्वरूप, सेना और आतंकवादियों के बीच एक-दूसरे पर अन्धाधुन्ध गोलाबारी शुरू हो गई, जिसके बाद बचाव के लिए ग्रेनेड फेंकने, आग की बड़ी लपटों सहित भारी आवाज वाले कई विस्फोट हुए जिन्होंने सेना के शिविर को खतरे में डाल दिया । प्रथम सूचना मिलने पर, गंगयाल, बारी ब्राह्मण और गांधीनगर अग्निशमन केन्द्रों से अग्निशमन दलों ने तत्काल आग बुझाने और बचाव कार्य आरंभ कर दिये । अंदर की प्रतिकूल युद्ध की स्थिति के कारण, अग्निशमन यन्त्र/गाडियां शिविर के मुख्य द्वार पर असहाय छोड़ देनी पड़ीं । सेना के शिविर में परिवारों के क्वारटर्स, बैरकें, भंडारण, वर्कशॉप, वाहन पार्किंग के गैराज, जिनमें डीज़ल, केरोसिन और वर्कशाप अहाते में अन्य ज्वलनशील लुब्रीकेन्ट्स का भंडार था ।

2. अपनी जान की सुरक्षा की परवाह न करते हुए **श्री सुरेन्द्र सिंह,** किसी सुरक्षा या बचाव कवच के बिना अपने कर्तव्यनिष्ठ अग्निशमन दल के साथ, बाहर खडे किए हुए यंत्रों से खींची हुई चार्ज लाइन सहित, कैंप में प्रवेश कर गए और रेंगते हुए घटनास्थल पर पहुंच गए और एक-दूसरे पर हो रही गोलाबारी और ग्रेनेड विस्फोटों आदि के बीच आग बुझाने का कार्य शुरू कर दिया । आग की प्रकृति को देखते हुए, वे ऐसी विपरीत परिस्थितियों में आग को दबाने और उस पर नियंत्रण पाने के लिए, कई घन्टों तक बहादुरी से आग से जूझते रहे और इस प्रकार उन्होंने कई जानें बचाई और कई करोड़ रूपयों से अधिक की सम्पत्ति को बचा लिया ।

3. **श्री सुरेन्द्र सिंह,** ने अपने उपर्युक्त कार्य में अपनी जान की सुरक्षा की भी परवाह किए बगैर, व्यावसायिक विशेषज्ञता और उच्च कोटि का नेतृत्व, साहस, समर्पण और कर्तव्य के प्रति निष्ठा और अनुकरणीय वीरता का परिचय दिया ।

4. यह पुरस्कार वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करने संबंधी संचालित करने वाले नियमों के नियम 3 (i) के तहत प्रदान किया जाता है तथा परिणामतः तारीख 14.5.2002 से नियम 5 (क) के तहत अनुमेय विशेष भत्ता इसके साथ देय है ।

(बरुण मित्रा)
निदेशक

सं. 26 -प्रेज./2003 - गणतन्त्र दिवस, 2003 के अवसर पर राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री एन० एम० नारकर,
फायर ब्रिगेड आफीसर,
महाराष्ट्र ।

सेवाओं का ब्यौरा, जिनके लिए पदक प्रदान किया गया है :

17 सितम्बर, 2001 को 1500 बजे, महाराष्ट्र में भिवण्डी के एक उपनगर पूरना के नजदीक खांडागले एस्टेट स्थित घनी आबादी में हानिकर हाइड्रोजन सल्फाइड ले जा रहे टैन्कर में आग लग गई थी । जिसके परिणामस्वरूप, हड़बड़ी मच गई और निवासी और दुकानदारों ने अपने-अपने घर और दुकानें छोड़ दीं और टैंकर में विस्फोट होने के डर से, उस घटना स्थल से दूर भागने लगे जिससे भारी मात्रा में जान-माल की क्षति हो सकती थी । संदेश मिलने पर, **श्री एन. एम.नारकर,** सी एफ ओ, भिवण्डी और उनके ड्राइवर श्री जी.एस. पवार तत्काल घटना स्थल की ओर भागे । वे दोनो अपनी जान की सुरक्षा की परवाह न करते हुए, मिल कर जलते हुए वाहन को अलग एकांत निर्जन स्थान पर ले गए । अन्ततः, टैंकर में विस्फोट हुआ और वाहन जल कर राख के ढेर में तबदील हो गया ।

2. इस कार्रवाई में **श्री एन. एम. नारकर** ने अपनी जान की सुरक्षा की परवाह न करते हुए नागरिकों की जान और सम्पति को बचाने के लिए अत्यधिक सुध-बुध, नेतृत्व कर्त्तव्यों के प्रति निष्ठा और अनुकरणीय साहस/ वीरता का परिचय दिया ।

3. यह पुरस्कार वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करने संबंधी संचालित करने वाले नियमों के नियम 3(i) के तहत प्रदान किया जाता है तथा परिणामतः तारीख 17.09.2001 से नियम 5(क) के तहत अनुमेय विशेष भत्ता इसके साथ देय है ।

(बरुण मित्रा)
निदेशक

सं. 27 -प्रेज./2003 - गणतन्त्र दिवस, 2003 के अवसर पर राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री जी. एस. पवार,
ड्राइवर ओपरेटर (अग्निशमन सेवा),
महाराष्ट्र ।

सेवाओं का ब्यौरा, जिनके लिए पदक प्रदान किया गया है :

17 सितम्बर, 2001 को 1500 बजे, महाराष्ट्र में भिवण्डी के एक उपनगर पूरना के नजदीक खांडागले एस्टेट स्थित घनी आबादी में हानिकर हाइड्रोजन सल्फाइड ले जा रहे टैंकर में आग लग गई थी । जिसके परिणामस्वरूप, हड़बड़ी मच गई और निवासी और दुकानदारों ने अपने-अपने घर और दुकानें छोड़ दीं और टैंकर में विस्फोट होने के डर से, उस घटना स्थल से दूर भागने लगे जिससे भारी मात्रा में जान-माल की क्षति हो सकती थी । संदेश मिलने पर, श्री एन.एम.नारकर, सी एफ ओ, भिवण्डी और उनके ड्राइवर **श्री जी.एस. पवार** तत्काल घटना स्थल की ओर भागे । वे दोनो अपनी जान की सुरक्षा की परवाह न करते हुए, मिल कर जलते हुए वाहन को अलग एकांत निर्जन स्थान पर ले गए । अन्ततः, टैंकर में विस्फोट हुआ और वाहन जल कर राख के ढेर में तबदील हो गया ।

2. इस कार्रवाई में **श्री जी. एस. पवार**, ने अपनी जान की सुरक्षा की परवाह न करते हुए नागरिकों की जान और सम्पति को बचाने के लिए अत्यधिक सुध-बुध, नेतृत्व कर्त्तव्यों के प्रति निष्ठा और अनुकरणीय साहस/ वीरता का परिचय दिया ।

3. यह पुरस्कार वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करने संबंधी संचालित करने वाले नियमों के नियम 3(i) के तहत प्रदान किया जाता है, तथा परिणामतः तारीख 17.09.2001 से नियम 5(क) के तहत अनुमेय विशेष भत्ता इसके साथ देय है ।

(बरुण मित्रा)
निदेशक

सं. 29 -प्रेज./2003 - गणतन्त्र दिवस, 2003 के अवसर पर राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम और रैंक

स्वर्गीय श्री के. अरूमुगम, (मरणोपरांत)
फायरमैन 7018,
तमिलनाडु ।

सेवाओं का ब्यौरा, जिनके लिए पदक प्रदान किया गया है :

15.9.2002 को 16.15 बजे गोविन्दप्पा, नैइक्कन स्ट्रीट, चैन्नई-1 के घनी आबादी वाले और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्र में एक चार मंजिले शॉपिंग काम्पलैक्स एवं रिहायशी भवन में आग लग गई थी । दुखःद सूचना प्राप्त होने पर, एंडरसन स्ट्रीट अग्निशमन केंद्र से अग्निशमन सेवा तत्काल घटना स्थल की ओर चल पड़ी । फायरमैन 7018, **के. अरूमुगम** उपर्युक्त अग्निशमन दल के एक सदस्य थे ।

2. प्रभावित प्रागंण में, ऊपर की तीन मंजिलों में रिहायशी आवासों के साथ-साथ भू-तल पर शॉपिंग काम्पलैक्स था । वहां पहुंचने की गली काफी संकरी थी, जिसके कारण अग्निशमन यंत्रों की आवाजाही में बाधा आ रही थी । भू-तल की दुकानों में से एक दुकान से घना धुआं और ऊंची लपटें निकल रहीं थी, जिससे भयंकर गर्मी के साथ-साथ चिमनी प्रभाव के कारण घर का प्रवेश द्वार और तंग गली में प्रवेश का मार्ग भी अवरूद्ध हो गया था । यदि आग को बुझाया न जाता तो, इससे दूसरे भवन में भी आग फैल सकती थी । बचाव का कोई रास्ता न देखकर भवन के अंदर फंसे हुए लोग सहायता के लिए चिल्ला रहे थे । ऐसी भयंकर परिस्थिति में, फायरमैन 7018 **श्री के. अरूमुगम** अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए, पानी से भरे हुए कुंड के साथ अग्नि स्थल पर पहुंच गए और आग लगी हुई दुकान के एक शट्टर को तोड़ दिया, जहां से बहुत सा धुआं और लपटें बाहर आ रहीं थीं । जब फायरमैन अरूमुगम ऐसी भंयकर परिस्थिति में आग को बुझाने का काम कर रहे थे, तभी अचानक एक विस्फोट हुआ और श्री के. अरूमुगम को 45% तक जलने के घाव हो गए । उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां बाद में उनकी मृत्यु हो गई ।

3. फायरमैन 7018, **श्री के. अरूमुगम** के उपर्युक्त कार्य से उनकी निःस्वार्थ कर्त्तव्य के प्रति पूर्ण निष्ठा और साहस तथा उच्च कोटि की वीरता का परिचय मिलता है ।

4. यह पुरस्कार वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करने संबंधी संचालित करने वाले नियमों के नियम 3(i) के तहत प्रदान किया जाता है, तथा परिणामतः तारीख 15.09.2002 से नियम 5(क) के तहत अनुमेय विशेष भत्ता इसके साथ देय है ।

(बरुण मित्रा)
निदेशक

गृह मन्त्रालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 दिसम्बर 2002

संकल्प

संख्या 25011/41/2001-जी.पी.ए.।।/पी.एम.।।

भारत सरकार ने दिनांक 28 अगस्त,1970 के संकल्प संख्या 8/136/68-पी.।(कार्मिक.।) के द्वारा पुलिस अनुसन्धान एवं विकास ब्यूरो का गठन किया है । पुलिस अनुसन्धान एवं विकास ब्यूरो के विभिन्न प्रभागों के कार्य दिनांक 13सितम्बर,1973 के संकल्प सं.34/1/73-बी.पी.आर.एंड डी/जी.पी.ए-। के द्वारा पुनरीक्षित किए गए थे।

2. देश में उपलब्ध राज्य विधि विज्ञान सेवाओं का स्तर और इसके विकास में बाधक त्रुटियों एवं कठिनाइयों की जांच विभिन्न समितियों द्वारा समय-समय पर की गई थी । यह सिफारिश की गई कि देश में आपराधिक न्याय प्रदान करने वाली प्रणाली में सुधार के लिये विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं की चहुंमुखी दक्षता और कार्यकरण को उन्नत बनाने की आवश्यकता है। यह सिफारिश भी की गई थी कि राष्ट्रीय स्तर पर विधि विज्ञान कार्यकलापों के निरन्तर उन्नयन को सुनिश्चित करने के लिए, गृह मन्त्रालय के अन्तर्गत एक ही छत्र के नीचे सभी केन्द्रीय विधि विज्ञान संस्थानों को समेकित किया जाना चाहिए ।

3. सभी सिफारिशों पर ध्यानपूर्वक विचार करने के उपरांत, सरकार ने भारत सरकार, गृह मन्त्रालय के सीधे प्रभार के अधीन विधि विज्ञान का एक अलग निदेशालय, नई दिल्ली में स्थापित करने का निर्णय लिया है। कोलकाता, चण्डीगढ़ और हैदराबाद स्थित केन्द्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशालाएं और कोलकाता, शिमला और हैदराबाद स्थित प्रश्नात्मक दस्तावेजों के सरकारी निरीक्षक को विधि विज्ञान निदेशालय के अन्तर्गत रखा जायेगा । निदेशालय का अध्यक्ष एक विधि वैज्ञानिक होगा जिसे निदेशक-सह-मुख्य विधि वैज्ञानिक के रूप में पदनामित किया जायेगा ।

4. गृह मन्त्रालय के दिनांक 13सितम्बर,1973 के पहले के संकल्प सं.34/1/73-बी.पी.आर. एंड.डी/जी.पी.ए.-। में वर्णित कर्त्तव्यों के घोषणा पत्र का अतिक्रमण करते हुए, पुलिस अनुसन्धान एवं विकास ब्यूरो तथा विधि विज्ञान निदेशालय के कर्त्तव्यों का घोषणा-पत्र अनुलग्नक । और ।। में दिए गए अनुसार होगा ।

(नी. गोपाला स्वामी) 20/12/02

सचिव

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक प्रति सभी राज्य सरकारों/संघ शासित क्षेत्र प्रशासनों; महानिदेशक,पुलिस अनुसन्धान एवं विकास ब्यूरो; निदेशक-सह-मुख्य विधि वैज्ञानिक; विधि विज्ञान निदेशालय; निदेशक, आसूचना ब्यूरो; निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो; महानिदेशक, सीमा सुरक्षा बल; महानिदेशक, भारत तिब्बत सीमा पुलिस; महानिदेशक, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल; निदेशक,समन्वय एवं पुलिस बेतार; निदेशक,सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी; निदेशक, राष्ट्रीय अपराध विज्ञान एवं विधि विज्ञान संस्थान; निदेशक, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड; निदेशक, विशेष सुरक्षा ब्यूरो; निदेशक, राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो और भारत सरकार के सभी मन्त्रालयों/ विभागों को भिजवाई जाए ।

यह आदेश भी दिया जाता है कि सामान्य जानकारी के लिए संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

(हरमिन्दर राज सिंह)

संयुक्त सचिव

अनुलग्नक I

विधि विज्ञान निदेशालय, गृह मन्त्रालय,भारत सरकार के कर्त्तव्यों का नया घोषणा-पत्र

* न्याय प्रदान करने वाली प्रणाली की वैज्ञानिक रूप से मदद करना ।

* अपने प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से न्यायपालिका और अन्य जांचकर्त्ताओं को विधि ज्ञान और विशेषज्ञता का प्रचार करना और परामर्शी तथा मन्त्रणा सेवाएं प्रदान करना ।

* देश में विधि विज्ञान एवं संबंधित सेवाओं की समस्याओं की पहचान करना एवं केन्द्र सरकार के स्तर पर सभी विधि विज्ञान गतिविधियों का आरम्भ करना, उन्हें बढ़ावा देना, मार्गदर्शन प्रदान करना, उन्हें प्रोन्नत करना और उन पर नियन्त्रण करना ।

* देश में आपराधिक न्याय प्रदान करने वाली प्रणाली में वैज्ञानिक सहायता को बढ़ाने के लिए भारत एवं विदेशों में स्थित संस्थानों,संगठनों, मन्त्रालयों, विश्वविद्यालयों, पुलिस, अभियोजकों और अन्य विधि प्रवर्तन तथा नियामक ऐजेन्सियों के साथ प्रभावी सम्बन्ध स्थापित करना ।

* आपराधिक न्याय प्रदान करने वाली प्रणाली में विधि प्रक्रियाओं के आधुनिकीकरण के लिए गृह मन्त्रालय, भारत सरकार को तकनीकी सलाह एवं सेवाएं प्रदान करना ।

* राष्ट्रीय स्तर पर विधि विज्ञान गुणत्ता आश्वासन और प्रत्यायन कार्यक्रम का समयबद्ध कार्यान्वयन का समन्वय करना और देश में विधि विज्ञान सेवाओं के लिए प्रवीणता जांच आयोजित करने के लिए एक नोडल ऐजेन्सी के तौर पर भी कार्य करना । निजी विधि प्रैक्टीशनरों के प्रत्यायन को बढ़ावा देना और विधि विज्ञान प्रक्रिया में "नैतिकता" को शामिल करना ।

* सरकार द्वारा समय-समय पर सन्दर्भित की गई विधि विज्ञान प्रक्रियाओं, संहिताओं, चालू प्रक्रियाओं, विधिक ढांचे और अन्य सम्बन्धित मामलों का मूल्यांकन एवं पुनरीक्षण करना ।

* विधि प्रवर्तन ऐजेन्सियों और न्यायपालिका की सहायता हेतु विधि विज्ञान प्रक्रिया के विकास-शील और नए क्षेत्रों के मूल्यांकन के लिए राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं, विश्वविद्यालयों और अन्य शैक्षिक संस्थानों को वित्तीय और तकनीकी, दोनों प्रकार से मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करना ।

* समूचे देश से और संसार से प्राप्त वैज्ञानिक डाटाबेस और अन्य जानकारी का रख-रखाव और विधि विज्ञान सूचना सम्पर्क स्थापित करते हुए इसे विधि विज्ञान संस्थानों के लिए ग्राह्य बनाना ।

* राष्ट्रीय स्तर पर मानव संसाधन विकास कार्यक्रम को विधि विज्ञान में शामिल करना और इसके कार्यान्वयन को मॉनीटर करना । विधि वैज्ञानिकों (केन्द्र के साथ राज्यों के भी) को भारत और विदेशों की आधुनिकतम वैज्ञानिक तकनीकों में विशेषज्ञता प्राप्त विकसित प्रशिक्षण का समन्वय करना ।

* देश के विश्वविद्यालयों एवं अन्य संस्थानों में विधि विज्ञान शिक्षण और अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को बढ़ावा देना ।

* अपराध जांच में वैज्ञानिक तरीकों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता उत्पन्न करने के लिए सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठनों के साथ सम्पर्क स्थापित करना ।

* कोलकाता, चण्डीगढ़ और हैदराबाद/शिमला में स्थित केन्द्रीय विधि विज्ञान संस्थानों (केन्द्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं और प्रश्नात्मक दस्तावेजों के सरकारी निरीक्षकों) की प्रशासनिक और संचालनात्मक गतिविधियों पर नियन्त्रण रखना ।

* विधि विज्ञान निदेशालय के अंतर्गत केन्द्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं/प्रश्नात्मक दस्तावेजों के सरकारी निरीक्षकों में विधि विज्ञान के क्षेत्र में अनुसन्धान कार्य को बढ़ावा देना और उसे हाथ में लेना ।

* विधि विज्ञान निदेशालय के अंतर्गत आने वाले केन्द्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं/प्रश्नात्मक दस्तावेजों के सरकारी निरीक्षकों को आधुनिकतम वैज्ञानिक तकनीकों के द्वारा अपराध मामलों की जांच कार्य करने योग्य बनाने के लिए समुचित मूलभूत सुविधाओं और मानव संसाधनों का विकास करना ।

* विधि विज्ञान पर सेमिनार, कार्यशालाएं और संगोष्ठियां आयोजित करना ।

* विधि विज्ञान निदेशालय के अन्तर्गत कनिष्ठ अनुसन्धान फैलोशिप योजना की प्रगति को मॉनीटर करना और पुरस्कृत करना ।

****

अनुलग्नक-II

पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो के कार्य

I. – अनुसंधान सांख्यिकी और प्रकाशन प्रभाग

पुलिस को प्रभावित करने वाले अपराध और सामान्य प्रकृति की समस्याओं का विश्लेषण और अध्ययन करना जैसे कि :

क) अपराध की प्रवृत्ति और कारण ;

ख) अपराध की रोकथाम-रोकने के तरीके,उनकी कारगरता और अपराध के साथ उनका संबंध;

ग) पुलिस बलों का प्रबन्ध, संख्या, प्रशासन, तरीके, प्रक्रियाएं और तकनीकें और उनका आधुनिकीकरण, पुलिस अधिनियम और मैनुअल ;

घ) जांच के तरीकों को बेहतर बनाना और वैज्ञानिक सहायक साधन और सजा शामिल करने की उपयोगिता और उसके परिणाम ;

ड) कानूनों की अपर्याप्तता ;

च) बाल अपराध ;

छ) पुलिस वर्दी, बैज, पदक, उपाधियां, कलर और झंडे, पुलिस ड्रिल, प्रकिया वारंट इत्यादि ;

2. राज्यों में पुलिस अनुसंधान कार्यक्रमों की सहायता, अनुसंधान परियोजनाओं की प्रक्रिया और समन्वय; अन्तर्मिति अनुसंधान कार्य को प्रायोजित करना ;

3. पुलिस अनुसंधान संबंधी स्थायी समिति से संबंधित कार्य ;

4. पुलिस समस्याओं के अध्ययन से संबंधित पुलिस विज्ञान कांग्रेस और अन्य सम्मेलन और सेमिनार ;

5. सामाजिक सुरक्षा और अपराध रोकथाम कार्यक्रमों में भागीदारी ;

6. अपराध की रोकथाम और अपराधियों के उपचार के क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र के कार्य में भागीदारी ;

7. अपराध की अखिल भारतीय सांख्यिकी का रख-रखाव ;

8. अपराध की प्रवृत्तियों का सांख्यिकीय विश्लेषण ;

9. पुलिस विज्ञान और अपराध विज्ञान से संबंधित प्रलेखन ;

10. निम्नलिखित का प्रकाशन :-

i) पुलिस अनुसंधान और विकास पत्रिका ;
ii) भारत में अपराध ;
iii) भारतीय पुलिस पत्रिका (journal);
iv) दुर्घटनात्मक मौतें और आत्महत्याएं ;
v) अनुसंधान रिर्पोटें और समाचार पत्र ;
vi) पुलिस कार्य से संबंधित मामलों के संबंध में रिर्पोटें, समीक्षाएं, अन्य पत्रिकाएं और पुस्तकें ।

II. विकास प्रभाग

1. भारत में पुलिस बलों द्वारा प्रयोग किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के उपकरणों के कार्य की समीक्षा और निम्नलिखित क्षेत्रों में नए उपकरणों का विकास :-

क) शस्त्र और गोला-बारुद ;
ख) दंगा नियंत्रण उपकरण ;
ग) यातायात नियंत्र . उपकरण ;
घ) पुलिस परिवहन ; और
ड.) जांच के लिए विविध वैज्ञानिक उपकरण और वैज्ञानिक सहायक उपकरण ।

2. उपरोक्त क्षेत्रों में राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं,विभिन्न वैज्ञानिक संगठनों और संस्थानों और सरकारी और निजी उपक्रमों के साथ सम्पर्क, विकास कार्यक्रमों का समन्वय और पुलिस उपकरण के देशी उत्पादन को प्रेरित करना ।

3. पुलिस कार्य के विभिन्न क्षेत्रों में कम्प्यूटर तकनीक का प्रयोग करना ।

4. पुलिस प्रचार और पुलिस प्रचार फाईलें, पुलिस सप्ताह और परेडें ।

5 पुलिस अनुसंधान और पुलिस अनुसंधान के अलावा विकास सलाहकार परिषद और इसकी स्थायी समितियों से संबंधित कार्य ।

III. प्रशिक्षण प्रभाग

1. बदलती सामाजिक परिस्थितियों में पुलिस प्रशिक्षण और इस क्षेत्र में देश की आवश्यकताओं के लिए किए गए प्रबंध की समय-समय पर समीक्षा करना और प्रशिक्षण और पुलिस कार्य में वैज्ञानिक तकनीकों को शामिल करना और पुलिस प्रशासन एवं प्रबंधन के क्षेत्र में प्रशिक्षण नीतियों और कार्यक्रमों को बनाना और उनका समन्वय करना।

2. केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल कोलकाता, हैदराबाद और चंडीगढ़।

3. राज्यों/संघ शसित क्षेत्रों में विभिन्न रैंकों के लिए पाठ्यक्रम, पाठ्य विवरण और पाठ्यचर्या सहित,प्रशिक्षण प्रबंधों में मानकीकरण एवं एकरूपता,जैसाकि वांछनीय है,सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का मूल्यांकन करना और नई चुनौतियों और समस्याओं से निपटने के लिए समय-समय पर आवश्यक समझे जाने वाले संशोधनों और सुधारों के सम्बन्ध में सलाह देना।

4. विभिन्न ग्रेडों और पुलिस प्रस्तावों की किस्मों के लिए जरूरी समझे जाने वाले नए पुनश्चर्या प्रोन्नति, विशेषज्ञता और ओरिएन्टेशन पाठ्यक्रम बनाने में सहायता करना।

5. केन्द्रीय चिकित्सा विधिक संस्थान और केन्द्रीय यातायात संस्थान की स्थापना के संबंध में कार्य।

6. इन संस्थानों में प्रयोग के लिए पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों के समन्वय से मानक मैनुअल,पाठ्य पुस्तकें,पैम्फलेट,व्याख्यान, टिप्पणियां,नमूना अध्ययन, व्यवहारिक अभ्यास एवं अन्य शैक्षणिक साहित्य तैयार करना।

7. राज्यों के महानिरीक्षकों/उप महानिरीक्षकों (प्रशिक्षण) को सम्बद्ध साहित्य अधिकारियों को परिचालित करने के लिए बांटना, ताकि उन्हें प्रशिक्षण संकल्पना से अवगत कराया जा सके और उच्च रैंकों में प्रशिक्षण चेतना को बल मिले।

8. प्रशिक्षण और प्रशिक्षण सहायक उपकरणों के लिए उपकरणों का मानकीकरण और उनके उत्पादन और विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों को आपूर्ति करने के लिए प्रबंध करना।

9. विभिन्न पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों के प्रयोग के लिए फिल्मों का एक चल संग्रहालय बनाना और उसका रख-रखाव करना ।

10. देश के अन्दर और बाहर के उपयुक्त गैर-पुलिस संस्थानों में विभिन्न रैंकों के पुलिस अधिकारियों के प्रशिक्षण में सहायता प्रदान करना।

11. पुलिस प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं पर पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों के अध्यक्षों की वार्षिक संगोष्ठी और छोटे सेमिनारों का आयोजन करना ।

12. समय-समय पर यथा-आवश्यक केन्द्र के तहत नए प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना का सुझाव देना।

13. भारत और विदेश से पुलिस कार्य के विभिन्न पहलुओं पर पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण के तरीकों , पढ़ाने के सहायक उपकरणों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और साहित्य से संबंधित सूचना के लिए एक वितरण केन्द्र के रूप में कार्य करना ।

14. केन्द्रीय और राज्य पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों में पुस्तकालयों के विकास में सहायता प्रदान करना ।

15. यू. एन. डी. पी., यूनेस्को और कोलम्बो योजना इत्यादि के तहत अन्य बातों के साथ-साथ प्रशिक्षण सहायक उपकरण परियोजनाओं और फैलोशिप के संबंध में कार्मिक विभाग के प्रशिक्षण निदेशालय के साथ सम्पर्क बनाना ।

IV सुधारात्मक प्रशासन

1. जेल सांख्यिकी और जेल प्रशासन को प्रभावित करने वाली सामान्य प्रकृति की समस्याओं का विश्लेषण और अध्ययन करना ।

2. सुधारात्मक प्रशासन के क्षेत्र में राज्यों को संगत सूचना का आत्मसात कराना और उसका प्रचार करना।

3. सुधारात्मक प्रशासन में आर.आई.सी.ए.एवं अन्य शैक्षणिक/अनुसंधान संस्थानों द्वारा आयोजित किए गए अनुसंधान अध्ययनों का समन्वय करना और राज्य सरकारों के परामर्श से अनुसंधान अध्ययनों/सर्वेक्षणों के आयोजन के लिए दिशा-निर्देश तैयार करना ।

4. बदलती हुई सामाजिक परिस्थितियों को मद्देनज़र रखते हुए, प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा करना, नई वैज्ञानिक तकनीकों और अन्य संबंधित पहलुओं को शामिल करना ।

5. सुधारात्मक प्रशासन के क्षेत्र में जेल स्टाफ को विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण देने के लिए पाठ्यक्रम, पाठ्य विवरण और पाठ्यचर्या इत्यादि सहित एकरूप प्रशिक्षण मोड्यूल तैयार करना ।

6. सुधारात्मक प्रशासन के क्षेत्र में रिपोर्टों, न्यूज़ लैटरों, बुलेटिनों को प्रकाशित करना और दृश्य-श्रव्य सहायक उपकरणों इत्यादि को तैयार करना ।

7. सुधारात्मक प्रशासन से सम्बन्धित कार्य के मार्गदर्शन के लिए एक सलाहकार समिति का गठन करना ।

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January, 2003

No.1-Pres/2003 – The President is pleased, on the occasion of the Republic Day, 2003, to award the President's Police Medal for Distinguished Service to the under-mentioned officers :-

SHRI P.V NAIDU
ADDL. DGP
HYDERABD
ANDHRA PRADESH

SHRI K. ARAVINDA RAO
INSPECTOR GENERAL OF POLICE
HYDERABAD
ANDHRA PRADESH

SHRI M. VENKAT REDDY
SQ. COMMANDER
GREY HOUNDS, HYDERABAD
ANDHRA PRADESH

SHRI C. RATNA REDDY,
DIG (INT), HYDERABAD
ANDHRA PRADESH

SHRI VUTUKURU SIVASANKAR
INVESTIGATION OFFICER,
A.P. LOKAYUKTHA , HYDERABAD
ANDHRA PRADESH

SHRI JOLEPALEM BHASKAR
DY. S.P., KURNOOL
ANDHRA PRADESH

SHRI ASHOK KUMAR DAS
DIGP, GUWAHATI
ASSAM

SHRI ANIL M NAVANEY
IGP, BILASPUR
CHHATTISGARH

DR. A.K. SHRIVASTAVA
DY. COMDT, CGAP, 1ST BN, BHILAI
CHHATTISGARH

SMT KANWALJIT DEOL
JT CP,
PHQ, NEW DELHI,
N.C.T. OF DELHI.

SMT. VIMLA MEHRA
JT CP,
NEW DELHI
N.C.T. OF DELHI

SHRI A P KURESHI
DY.SP/ASSTT. COMDT.,
SRPF GR.II , AHMEDABAD
GUJARAT

SHRI SUKHDEV SINGH
ADDL.SP
BHIWANI
HARYANA

SHRI MADAN LAL
ADGP, PHC, J&K
JAMMU & KASHMIR

SHRI H.L. FOTEDAR
SP(CRIME), JAMMU
JAMMU & KASHMIR

SHRI B.K. SINHA
SP
SERAIKELA-KHARASWAN
JHARKHAND

SHRI S. MARISWAMY
ADGP
BANGALORE
KARNATAKA

SHRI S M BIDARI
IGP
KSRP BANGALORE
KARNATAKA

SHRI B B SAKRI
DY.SP.
RANEBENNUR SUB-DIVISION, HAVERI DISTT.
KARNATAKA

SHRI V.M. KANWAR,
IGP, INDORE
MADHYA PRADESH

SHRI VIJAY WATE
IGP/DY.T.C.
GWALIOR
MADHYA PRADESH

SHRI V.S. TOMAR
ADDL. SP, KATNI
MADHYA PRADESH

SHRI RAHUL GOPAL
ADDL. DG
ACB MUMBAI
MAHARASHTRA

SHRI S S DAYAL
JT. C.P.(ADMN.)
MUMBAI
MAHARASHTRA

SHRI A D GORE
ACP
CONTROL ROOM THANE
MAHARASHTRA

SHRI L. SAILO
DGP, MEGHALAYA,
SHILLONG
MEGHALAYA

SHRI M. HESSO MAO
DGP,
KOHIMA
NAGALAND

SHRI HARIHAR PANDA
SPL IGP,
CUTTACK
ORISSA

SHRI AJIT KUMAR GHOSE
DY. SP.,
VIG. CUTTACK
ORISSA

SHRI PARASH MONI DAS
IGP,
PATIALA
PUNJAB

SHRI R C SETHI
S.P.
C.M. SECURITY CHANDIGARH
PUNJAB

SHRI R J MEENA
IGP
JAIPUR
RAJASTHAN

SHRI A K JAIN
IGP
JAIPUR, RAJASTHAN

SHRI P D SHARMA
AIGP,
JAIPUR
RAJASTHAN

SHRI I.K. SHARMA
ADDL. S.P,
SIKAR,
RAJASTHAN

SHRI K. RAMANUJAM
IGP, CHENNAI
TAMIL NADU

SHRI S.J. VIJAYAKUMAR
DY. SP, V&AC,
CHENNAI
TAMIL NADU

SHRI KARAMVIR SINGH
IGP
KANPUR
UTTAR PRADESH

SHRI B M SARASWAT
I.G.P.
LUCKNOW
UTTAR PRADESH

DR. KASHMIR SINGH
IG PAC CENTRAL
LUCKNOW
UTTAR PRADESH

SHRI N S CHAUHAN
DY. SP.
D.G. HQ LUCKNOW
UTTAR PRADESH

SHRI DILIP TRIVEDI
I.G. BSF
JAMMU
UTTAR PRADESH

SHRI SUJIT KUMAR SARKAR
ADDL. CP, KOLKATA
WEST BENGAL

SHRI KISALAYA DASGUPTA
ASST CP, KOLKATA
WEST BENGAL

SHRI R N SHARMA
DIG(PERS)
FHQ BSF, NEW DELHI
BORDER SECURITY FORCE

SHRI A K GHOSH
DIG
SHQ BSF KRISHNANAGAR
BORDER SECURITY FORCE

DR. U N PANDA
CMO (SG)
FTR HQ SHILLONG
BORDER SECURITY FORCE

SHRI B.S. RAUTELA,
DY. COMDT.
SRINAGAR
BORDER SECURITY FORCE

SHRI VAGEESH MISHRA
IGP E/S
KOLKATA
C.R.P.F.

SHRI RIZWAN RASUL
ADDL. DIGP
DTE. GENL. NEW DELHI
C.R.P.F.

SHRI J M S KATHAIT
COMMANDANT
50 BN. ASSAM
C.R.P.F.

SHRI JAGJIT SINGH
COMMANDANT
086 BN J&K
C.R.P.F.

SHRI M.M. SHARMA,
DIGP,
GANDHINAGAR,
C.R.P.F.

SHRI K.J. SINGH
ADDL DG,
DTE. GENL., NEW DELHI
I.T.B.P.

SHRI SHIV RAM SHARMA,
ASSTT. COMDT (TELECOM),
6TH BN,
I.T.B.P.

SHRI S N L BHATNAGAR
SR. COMMANDANT
CCL KARGALI (JHARKHAND)
C.I.S.F.

SHRI B L DURANI
SR. COMMANDANT
B.H.E.L. HARIDWAR
C.I.S.F.

SHRI E K KUTTY
INSPECTOR/EXE
BCCL DHANBAD
C.I.S.F.

SHRI. S.C. SINHA,
JOINT DIRECTOR,
NEW DELHI
C.B.I.

SHRI. H.C. SINGH,
DIG, NEW DELHI
C.B.I.

SHRI O.P. CHHATWAL
SR.S.P., STF DELHI
C.B.I.

SHRI B.N.P. AZAD
SP, ACU-III DELHI
C.B.I.

SHRI M.K. BHAT
ADDL. SP, AC-III, DELHI.
C.B.I.

SHRI RAJIV KAPOOR
JT. DIR. IB HQ, NEW DELHI
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI YOGENDRA JHA,
ASSTT. DIRECTOR,
I.B, HQ, NEW DLEHI
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI K. JAYANAND
AD, IB HQ, NEW DELHI
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI S.B. BHATT
DCIO
AHMEDABAD
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI V. KARTHIKEYAN
DCIO
CHENNAI
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI P.C. TIWARI
ACIO-I(WT), IB HQRS, NEW DELHI
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI R.K. QAZI
ACIO-I/G
SRINAGAR
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI N. MURUGESAN
ACIO-II/G
CHENNAI
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI N. RAMACHANDRAN
IG, SPG, NEW DELHI
CAB. SECTT. (SPG)

SHRI. GAJENDRA SINGH SAJWAN
DIG, NEW DELHI
MHA (S.S.B.)

SHRI SURINDER NATH KAUL
DY JAG, NSG, NEW DELHI.
M.H.A. (NSG)

SHRI S.N. SHARMA
COMMANDING OFFICER (SMALL ARMS),
RAILWAY BOARD, NEW DELHI
MINISTRY OF RAILWAYS.

2. These awards are made under Rule 4(ii) of the rules governing the grant of President's Police Medal for Distinguished Service.

(Barun Mitra)
DIRECTOR

No.2-Pres/2003 - The President is pleased, on the occasion of the Republic Day 2003, to award the Police Medal for Meritorious Service to the undermentioned officers :-

SHRI S S P YADAV
ADDL. DG P
RAILWAYS, HYDERABAD
ANDHRA PRADESH

SHRI P SESHAGIRI RAO
COMMANDANT
5TH BN. APSP,. VIZIANAGARAM
ANDHRA PRADESH

SHRI VINAY RANJAN RAY
DY. IGP
GUNTUR RANGE , GUNTUR
ANDHRA PRADESH

SHRI RAJIV TRIVEDI
ADDITIONAL SECRETARY
HOME DEPTT. HYDERABAD
ANDHRA PRADESH

SHRI TUSHAR ADITYA TRIPATHY
DIGP, SIB
HYDERABAD
ANDHRA PRADESH

SHRI N V SURENDRA BABU
COMMISSIONER OF POLICE
VIJAYAWADA
ANDHRA PRADESH

SHRI SATYA NARAYAN
DIGP
KURNOOL RANGE, KURNOOL
ANDHRA PRADESH

SHRI M VIDYA SAGAR RAO
DY.SP.
SECURITY WING INTELLIGENCE, HYDERABAD
ANDHRA PRADESH

SHRI B. SESHU
S.D.P.O.
GADWAL SUB-DIVISION, MAHABOOBNAGAR
DISTT. ANDHRA PRADESH

SHRI CH. SAYA REDDY
SDPO
ALLAGADDA
ANDHRA PRADESH

SHRI K.J.M. REDDY
SDPO
BHONGIR SUB-DIVISION, NALGONDA DIST.
ANDHRA PRADESH

SHRI K K RAO ACHARY
DY.S.P. CID,
VISAKHAPATANAM
ANDHRA PRADESH

SHRI CH. ALLURAIAH
INSPECTOR, HYDERABAD,
ANDHRA PRADESH

SHRI P.S.S.P. BABU
INSPECTOR, CID
HYDERABAD
ANDHRA PRADESH

SHRI SYED HYDER HASAN
HEAD CONSTABLE
S B CITY, HYDERABAD
ANDHRA PRADESH

SHRI MADIGA GANGAPPA
CONSTABLE
POTHUKUNTA
ANDHRA PRADESH

SHRI K.K. NATH
DIGP, GUWAHATI
ASSAM

SHRI A.K. JHA
DIRECTOR, PROSECUTION, GUWAHATI
ASSAM

SHRI N.M. DUTTA
DIGP, SILCHAR ASSAM
ASSAM

SHRI D.C. KALITA
SUB INSPECTOR, PRS, DIPHU
ASSAM

SHRI R.K. KURMI
SUB INSPECTOR, GUWAHATI
ASSAM

SHRI M S TOMAR
AIGP, PHQ, RAIPUR
CHHATTISGARH

SHRI J.K. THORAT
SP, SPL.POLICE ESTT. DIVISION LOKAYUKTA
KARYALAYA, BILASPUR
CHHATTISGARH

SHRI D.K. SINGH
COY. COMDR, 10 BN CGAP, SURGUJA
CHHATTISGARH

SHRI T.S.G.K. PILLAI
SUBEDER (M)
7TH BN, BHILAI,
CHHATTISGARH

SHRI T.P. PATHAK
CONSTABLE, PS B/BHATTI
CHHATTISGARH

SHRI K.K. VERMA
HEAD CONSTABLE, RAIPUR
CHHATTISGARH

SHRI RAJESH MALIK
ADDL. C.P , ANTI CORRUPTION BRANCH
DELHI
N.C.T. OF DELHI

SHRI SHIV PRASAD
INSPECTOR(TECH), DELHI POLICE
NEW DELHI
N.C.T. OF DELHI

SHRI BHIM SAIN
INSPECTOR, DELHI POLICE
NEW DELHI
N.C.T. OF DELHI

SHRI HARPAL SINGH YADAV
INSPECTOR, DELHI POLICE
NEW DELHI
N.C.T. OF DELHI

SMT. KANWALJIT KAUR
W/INSP, DELHI POLICE
PROV & LOGISTICS, NEW DELHI
N.C.T. OF DELHI

SHRI J.N. DIXIT
SUB-INSPECTOR, DELHI POLICE
NEW DELHI
N.C.T. OF DELHI

SHRI HUKAM CHAND
SUB-INSPECTOR, DELHI POLICE
NEW DELHI
N.C.T. OF DELHI

SHRI BESAR SINGH
ASI, (W.O), DELHI POLICE
NEW DELHI
N.C.T. OF DELHI

SHRI SARABJEET SINGH
ASI, WEST DISTT., DELHI POLICE
NEW DELHI
N.C.T. OF DELHI

SHRI A.T. SASI
HEAD CONSTABLE, NORTH WEST DISTT.
DELHI POLICE
NEW DELHI
N.C.T. OF DELHI

SHRI RANJIT KUMAR
CONSTABLE, SPL. CELL, DELHI POLICE
NEW DELHI
N.C.T. OF DELHI

SHRI NILU S. RAUT DESAI
DY.SP
PANAJI
GOA

SHRI V.V. RABARI
SPECIAL I.G.P
GANDHINAGAR,
GUJARAT

SHRI L.P. SOLANKI
INSPECTOR
GANDHINAGAR
GUJARAT

SHRI D S MEHTA
INSPECTOR
KALUPUR POLICE STATION AHMEDABAD
GUJARAT

SHRI A A CHAUHAN
INSPECTOR
CRIME BRANCH AHMEDABAD
GUJARAT

SHRI T A BAROT
INSPECTOR
DETECTION OF CRIME BRANCH AHMEDABAD
GUJARAT

SHRI P B JADEJA
PROHIBITION INSPECTOR
PROHIBITION DEPT. AHMEDABAD
GUJARAT

SHRI R B JOSHI
SUB-INSPECTOR
CRIME BRANCH, AHMEDABAD
GUJARAT

SHRI P G VAGHELA
SUB-INSPECTOR
ANTI TERRORIST SQUAD AHMEDABAD
GUJARAT

SHRI K S DESAI
SUB-INSPECTOR
CRIME BRANCH AHMEDABAD
GUJARAT

SHRI P V PATIL
ASI
SURAT CITY
GUJARAT

SHRI G U SHEKHAVAT
ASSIT DRILL INSTRUCTOR CUM MAJOR
GUJARAT POLICE ACADEMY, KARAI,
GANDHINAGAR GUJARAT

SHRI A P PRAJAPATI
ASI / RADIO OPERATOR
GANDHINAGAR
GUJARAT

SHRI P G NAMBIAR
ASI (RADIO OPERATOR)
GANDHINAGAR
GUJARAT

SHRI K. SELVARAJ
DIGP, CID,
PANCHKULA
HARYANA

SHRI RAJINDER SINGH
SP, BHIWANI
HARYANA

SHRI VIJAY KUMAR BHARARA
DY SP CID
AMBALA,
HARYANA

SHRI PARAM SINGH
SUB INSPECTOR
CID (H)SECURITY DELHI
HARYANA

SHRI A K SHARMA
SP/CID, SHIMLA
HIMACHAL PRADESH

SHRI R.M. SHARMA
S.P., HAMIRPUR
HIMACHAL PRADESH

SHRI RAMESH CHAND
SUB INSPECTOR, BASAL (NOW BANGARH)
HIMACHAL PRADESH

SHRI M.K. MOHANTY
ADGP, JAMMU
JAMMU & KASHMIR

SHRI PRABHAT SINGH
SP(CITY), JAMMU
JAMMU & KASHMIR

SHRI JAGJEET KUMAR
SP, TRAFFIC, SRINAGAR
JAMMU & KASHMIR

SHRI A.R. SHAN
SP, TALWARA-REASI
JAMMU & KASHMIR

SHRI M.A. KHAN
DY.SP, BUDGAM
JAMMU & KASHMIR

SHRI SURINDER MAHALDAR
INSPECTOR
CID HQRS,
JAMMU & KASHMIR

SHRI G.M. BHAT
INSPECTOR, SRINAGAR
JAMMU & KASHMIR

SHRI G.A. DAR
INSPECTOR, PHOTO SEC., SRINAGAR
JAMMU & KASHMIR

SHRI ELAKSIYAS MINZ
HEAD CONSTABLE, CID RANCHI
JHARKHAND

SHRI B.D. LIMBOO
SUB INSPECTOR(ARMED)
RANCHI
JHARKHAND

SHRI CHANDRASHEKARA
IGP
BANGALORE
KARNATAKA

SHRI M N REDDY
ADDITIONAL COMMISSIONER OF POLICE
BANGALORE CITY
KARNATAKA

SHRI H N SATHYANARAYANA RAO
DIRECTOR, KPA
MYSORE
KARNATAKA

SHRI K V GAGAN DEEP
COMMISSIONER OF POLICE
HUBLI DHARWAD
KARNATAKA

SHRI P C GANAPATHY
ADDL.S.P.
CHAMARAJANAGAR DISTT.
KARNATAKA

SHRI J R KOTY
DY.SP.
FINGER PRINTS DIVISION, BANGALORE
KARNATAKA

SHRI M N RAJANNA
DY.SP.
INTELLIGENCE BANGALORE
KARNATAKA

SHRI M.D DIVAKAR
DY.SP.
KARNATAKA POLICE ACADEMY, MYSORE
KARNATAKA

SHRI M G NAGENDRA KUMAR
INSPECTOR
TRAFFIC PLANNING BANGALORE
KARNATAKA

SHRI K K VIJAY KUMAR
RESERVE POLICE INSPECTOR
IV BN KSRP BANGALORE
KARNATAKA

SHRI P M UKKOJIKAR
ASI
DAR BELGAUM
KARNATAKA

SHRI VINSON M PAUL
IGP,
THIRUVANANTHAPURAM
KERALA

SHRI V.V. MOHANAN
SP
SBCID, THRISSUR
KERALA

SHRI T.V. KAMALAKSHAN
SP,CBCID
KOZHIKODE
KERALA

SHRI M.M. NAMBIAR
ASST.COMDT
MSP, MALLAPURAM
KERALA

SHRI V. B. RAMESH KUMAR
INSPECTOR,
THIRUVANANTHAPURAM
KERALA

SHRI R. HITHAPALAN NAIR
DY.SP
THIRUVANANTHAPURAM
KERALA

SHRI M.V. VELAYUDHAN
ARMED POLICE INSPECTOR, KAP-I BN
THRISSUR
KERALA

SHRI SANJAY RANA
ADDL.SECY(HOME)
BHOPAL
MADHYA PRADESH

DR. P.R. MATHUR
DIG/SBI,EOW
BHOPAL
MADHYA PRADESH

SHRI S.K.SINGH
DIG, CID PHQ, BHOPAL
MADHYA PRADESH

SHRI VIJAY YADAV
DIG INT. PHQ, BHOPAL
MADHYA PRADESH

SHRI A.K. JAIN
DIG
BHOPAL
MADHYA PRADESH

SHRI M.P. DWIVEDI
DIG, CID, PHQ
BHOPAL
MADHYA PRADESH

SHRI A.K. PAURANIK
DY. S.P,CID, PHQ BHOPAL
MADHYA PRADESH

SHRI J.K. DIXIT
RESERVE INSPECTOR, SHAJAPUR
MADHYA PRADESH

SMT. MENKA GURUNG
COY COMDR, 23 BN. SAF BHOPAL
MADHYA PRADESH

SHRI K.C. HIWARKAR
SUB INSPECTOR(BAND), JNPA SAGAR
MADHYA PRADESH

SHRI SITARAM JOSHI
PLATOON COMMANDER., INDORE
MADHYA PRADESH

SHRI FARID BAZMI
LIBRARIAN/SUBEDAR(M), BHOPAL
MADHYA PRADESH

SHRI G.B. YADAV
HEAD CONSTABLE, BHIND
MADHYA PRADESH

SHRI V.N. PATEL
CONSTABLE, SATNA
MADHYA PRADESH

SHRI K.R. KOLI
CONSTABLE, SHEOPUR
MADHYA PRADESH

SHRI R.K. SHIVHARE
SP,SBI EO, INDORE
MADHYA PRADESH

SHRI MATIN KHAN
SR. CONSTABLE, SBIEO, BHOPAL
MADHYA PRADESH

SHRI H N NAGRALE
SUPDT. OF POLICE
(ON COMPULSORY WAITING)
MAHARASHTRA

SHRI C S JANRAO
COMMDT. SRPF GR- X
SOLAPUR
MAHARASHTRA

SHRI V R CHINTALWAR
SDPO
JALGAON
MAHARASHTRA

SMT. H A WARIACH
ACP
CRIME BRANCH, MUMBAI
MAHARASHTRA

SHRI M G NAIK
INSPECTOR
SRPF GR.I PUNE
MAHARASHTRA

SHRI K B BELE
INSPECTOR
CID CRIME NAGPUR
MAHARASHTRA

SHRI K N KARANDE
INSPECTOR
SOLAPUR (RURAL)
MAHARASHTRA

SHRI R.M. THORAT
API
ACB AURANGABAD
MAHARASHTRA

SHRI V S WANDILE
API
ACB NAGPUR
MAHARASHTRA

SHRI V B CHINCHOLE
PSI
AURANGABAD CITY
MAHARASHTRA

SHRI ABBAS ALI ABDUL KARIM MUJAWAR
ASI
SOLAPUR CITY
MAHARASHTRA

SHRI M D GADE
ASI
SRPF, GR.I PUNE
MAHARASHTRA

SHRI M K JADHAV
ASI
AHMEDNAGAR TR. BRANCH
MAHARASHTRA

SHRI V D SONAR
ASI
NASIK
MAHARASHTRA

SHRI V C CHOUDHARY
ASI
PTS AKOLA
MAHARASHTRA

SHRI K R MOHITE
ASI
ACB MUMBAI
MAHARASHTRA

SHRI R B LEKAVALE
HEAD CONSTABLE
SRPF, GR.I PUNE
MAHARASHTRA

SHRI D D MAHAJAN
HEAD CONSTABLE
LCB JALGAON
MAHARASHTRA

SHRI S D SATPUTE
HEAD CONSTABLE / DRIVER
OSMANABAD M.T. SEC.
MAHARASHTRA

SHRI B S TATUGADE
HEAD CONSTABLE
CR. BRANCH, CID MUMABI
MAHARASHTRA

SHRI K G. JAMUNAH
HEAD CONSTABLE
CRIME BRANCH, AKOLA
MAHARASHTRA

SHRI M B JOSHI
ARMED HEAD CONSTABLE
SRPF, GROUP- IV NAGPUR
MAHARASHTRA

SHRI A E. PAWAR
POLICE NAIK
LCB JALGAON
MAHARASHTRA

SHRI D V SALGAONKAR
POLICE NAIK
RATNAGIRI
MAHARASHTRA

SHRI M K SURYAVANSHI
CONSTABLE
LCB, SANGLI,
MAHARASHTRA

SHRI C K NIKAM
CONSTABLE
ACB JALGAON
MAHARASHTRA

SHRI A. KUNDO SINGH
DY. COMDT
MANIPUR RIFLES, UKHRUL
MANIPUR

SHRI TOM BAHADUR THAPA
HAVILDAR, 1ST BN.
MANIPUR RIFLES, IMPHAL
MANIPUR

SHRI H.T. SAPSANGA
INSPECTOR
LUNGLEI, DSB
MIZORAM

SHRI ZOTHLAMUANA
INSPECTOR, CHAMPHAI, PS
MIZORAM

SHRI NARAYAN THAPA
INSPECTOR, AIZAWL
MIZORAM

SHRI T. DKHAR,
DIGP,
SHILLONG
MEGHALAYA

SHRI BISHNU RAM RANA,
PRINCIPAL,
P.T.S., SHILLONG.
MEGHALAYA

SHRI DOMINIC S. SHYLLA,
O-I-C, JOWAI PS,
MEGHALAYA.

SHRI N. AONOCHET AO
IGP KOHIMA
NAGALAND

SHRI SUKDHAN GURUNG
ABSI, CHUMUKEDIMA
NAGALAND

SHRI J.I. YADEN
SP, KOHIMA
NAGALAND

SHRI B.B. MISHRA
DIGP, SUNABEDA
ORISSA

SHRI HARIBANDHU DASH
DY.S.P., VIG DTE, CUTTACK
ORISSA

SHRI D.N. JHA
DY.S.P., VIG, BALASORE
ORISSA

SHRI B.C. SAHOO
R.I., JAGATSINGHPUR
ORISSA

SHRI KAILASH PRADHAN
CONSTABLE, VIG. DTE, CUTTACK
ORISSA

SHRI DINKAR GUPTA
DIG, PUNJAB
CHANDIGARH
PUNJAB

SHRI H S RANDHAWA
DIG/INTELLIGENCE
CHANDIGARH
PUNJAB

SHRI P S SARAO
SR. S.P
KHANNA
PUNJAB

SHRI SHIVDEV SINGH
ASSISTANT COMMANDANT
JALANDHAR
PUNJAB

SHRI AJIT SINGH
INSPECTOR WIRELESS WING
CHANDIGARH
PUNJAB

SHRI GURDEV SINGH
INSPECTOR, INTELLIGENCE WING, PUNJAB
CHANDIGARH
PUNJAB

SHRI GURDARSHAN SINGH
SUB-INSPECTOR / HEAD CLERK, DFO
PATIALA
PUNJAB

SHRI CHAMKAUR SINGH
SUB-INSPECTOR / ORP
LUDHIANA
PUNJAB

SHRI SURINDER KUMAR
SUB INSPECTOR / ORP
LUDHIANA
PUNJAB

SHRI PAKHAR RAM
ASI
DRIVER TO ADGP/SECURITY, CHANDIGARH
PUNJAB

SHRI T L MEENA
DY.IGP
RAC RANGE-I JAIPUR
RAJASTHAN

SHRI D S DINKAR
DY.I.G. OF POLICE
KOTA RANGE KOTA
RAJASTHAN

SHRI R K DASOT
DIG (BSF)
JAISALMER
RAJASTHAN

SHRI M L LATHER
DIG
SECTOR HQRS BSF BARMER
RAJASTHAN

SHRI RAM PHAL SINGH
S.P.
CRIME BRANCH, JAIPUR
RAJASTHAN

SHRI JANARDAN SHARMA
ADDL.S.P
CID (SSB) RAJASTHAN JAIPUR
RAJASTHAN

SHRI B S SODHA
DY.SP.
I BN RAC JODHPUR
RAJASTHAN

SHRI VIJAY SINGH RAO
DY.SP.
CID SSB JAIPUR CITY
RAJASTHAN

SHRI HARDAYAL SINGH
INSPECTOR
ACB JAIPUR
RAJASTHAN

SHRI H S NEGI
INSPECTOR
C.M. SECURITY NEW DELHI
RAJASTHAN

SHRI R K BENIWAL
INSPECTOR
PS DEEDWANA DIST. NAGAUR
RAJASTHAN

SHRI PREETAM SINGH
PLATOON COMMANDER
6TH BN RAC DHOLPUR
RAJASTHAN

SHRI HANUMAN SAHAI
SUB-INSPECTOR
CID SSB, JAIPUR
RAJASTHAN

SHRI SABIR ALI
ASI
CRIME BRANCH, DISTT. CHURU
RAJASTHAN

SHRI SHREE CHAND JAT
HEAD CONSTABLE
PS GALTAGATE, JAIPUR
RAJASTHAN

SHRI SHAMBU PRADHAN
INSPECTOR, GANGTOK
SIKKIM

SHRI A.K. SHUKLA
DIGP
AGARTALA
TRIPURA

SHRI C.M. DEBBARMA
INSPECTOR, PTC, NARSINGARH
TRIPURA

SHRI A.K. DATTA
INSPECTOR, PHQ
AGARTALA
TRIPURA

SHRI G. NANCHIL KUMARAN
ADGP, CHENNAI
TAMIL NADU

SHRI G. UMA GANAPATHI SASTRY
JT.CP, CHENNAI
TAMIL NADU

SHRI K. RAJASEKARAN
ACP, CHENNAI
TAMIL NADU

SHRI S.D. RAJENDRAN
INSPECTOR, MADURAI CITY
TAMIL NADU

SHRI N. KULOTHUNGAPANDIAN
INSPECTOR, V&AC, RAMANATHAPURAM
TAMIL NADU

SHRI S.M. MD. IQBAL
INSPECTOR
CHENNAI
TAMIL NADU

SHRI M.B. NATARAJAN
INSPECTOR, PTC CHENNAI
TAMIL NADU

SHRI R. MURALI
INSPECTOR, V & AC, CHENNAI
TAMIL NADU

SHRI ANIL K RATURI
DIGP
DEHRADUN
UTTARANCHAL

SHRI I.S RAWAT
INSPECTOR(M)
P.H.Q DEHARDUN
UTTARANCHAL

SHRI P.S. RAWAT
COY. COMDR., 40TH BN PAC
HARDWAR
UTTARANCHAL

SHRI D.D. BAHUKHANDI
HEAD CONSTABLE, UDHAMSINGH NAGAR
UTTARANCHAL

SHRI J S GHUNGESH
ADG (EOW)
LUCKNOW
UTTAR PRADESH

SHRI MANOJ KUMAR
IGP
LUCKNOW
UTTAR PRADESH

SHRI RATI RAM
IGP
LUCKNOW
UTTAR PRADESH

SHRI K L MEENA
DIGP
MIRZAPUR
UTTAR PRADESH

SHRI K K SAXENA
DIGP
LUCKNOW
UTTAR PRADESH

SHRI ARUN KUMAR
DIGP
LUCKNOW
UTTAR PRADESH

SHRI P K TIWARI
DIG RANGE
ALLAHABAD
UTTAR PRADESH

SHRI MUKUL GOEL
SR. SUPDT. OF POLICE
MEERUT
UTTAR PRADESH

SHRI B K SINGH
SP CB CID
LUCKNOW
UTTAR PRADESH

SHRI S.P. SINGH
S.P. CB CID
LUCKNOW
UTTAR PRADESH

SHRI B.P. TRIPATHI
SP, PHQ,
ALLAHABAD
UTTAR PRADESH

SHRI LAL JI SHUKLA
ADDL.S.P.
ALLAHABAD
UTTAR PRADESH

SHRI RAJESH KUMAR SRIVASTAVA
ADDL.S.P.
UTTARANCHAL
UTTAR PRADESH

SHRI HARISH CHANDRA PANDEY
DY. SP.
LOKAYUKT, LUCKNOW
UTTAR PRADESH

SHRI B K JUYAL
DY.S.P
UTTARANCHAL
UTTAR PRADESH

SHRI HARPAL SINGH
DY.S.P.
PTC SITAPUR
UTTAR PRADESH

SHRI I.S.RAWAT
DY. SP.
SECURITY RAJ BHAWAN, LUCKNOW
UTTAR PRADESH

SHRI M L VERMA
ASST. COMMDT.
32 BN PAC LUCKNOW
UTTAR PRADESH

SHRI A K SINGH
DY.SP. GRP
VARANASI
UTTAR PRADESH

SHRI S N TRIPATHI
DY.SP.
LIU FAIZABAD
UTTAR PRADESH

SHRI S B SINGH
DY.SP.
GRP KANPUR
UTTAR PRADESH

R S SHARMA
DY.SP.
UP PCL LUCKNOW
UTTAR PRADESH

SHRI PADAM SINGH
DY.SP.
C.M. SECURITY, LUCKNOW
UTTAR PRADESH

SHRI R . B. YADAV
RI
DIST. LALITPUR
UTTAR PRADESH

SHRI BRIJ PAL SINGH SOLANKI
INSPECTOR
VIGILANCE ESTT. LUCKNOW
UTTAR PRADESH

SHRI R S L PANDEY
HEAD CONSTABLE
SHAHJAHANPUR
UTTAR PRADESH

SHRI SHIV RATAN SINGH
HEAD CONSTABLE
DISTT. LALITPUR
UTTAR PRADESH

SHRI Y N YADAV
CONSTABLE
DISTT. SANT RAVIDAS NAGAR
UTTAR PRADESH

SHRI MUSTJIBUL HAQ
CONSTABLE
INT. DEPTT. LUCKNOW
UTTAR PRADESH

SHRI AWDHESH KUMAR
CONSTABLE
BIJNOR
UTTAR PRADESH

SHRI RAM SHANKAR
CONSTABLE
SHAHJAHANPUR
UTTAR PRADESH

SHRI O P SRIVASTAVA
SUB-INSPECTOR
UP POLICE COMPUTER CENTRE LUCKNOW
UTTAR PRADESH

SHRI S K SINGH
DIG, I.T.B.P.
NEW DELHI
UTTAR PRADESH

SHRI R K MISHRA
DIG, CBI
NEW DELHI
UTTAR PRADESH

SHRI MIHIR KUMAR BHATTACHARYA
SPL. SP, IB, KOLKATA
WEST BENGAL

SHRI MANOJ MALAVIYA
SPL. SP, CRIMINAL
INVESTIGATION DEPTT, KOLKATA
WEST BENGAL

SMT. SUMAN BALA SAHOO
SPL. SP, ENFORCEMENT BRANCH,
KOLKATA
WEST BENGAL

SHRI SIVAJI GHOSH
DCP
KOLKATA
WEST BENGAL

SHRI M.K. SINGH
DCP, TRAFFIC DEPTT,
KOLKATA
WEST BENGAL

SHRI T.K. BANDYOPADHYAY
ACP
DETECTIVE DEPTT, KOLKATA
WEST BENGAL

SHRI MONOJ KANTI DAS
INSPECTOR
IB, WEST BENGAL
WEST BENGAL

SHRI MIHIR BARAN DAS
INSPECTOR
VIGILANCE COMMISSION
WEST BENGAL

SHRI KRISHNA KANTA GANGULY
INSPECTOR
VIGILANCE COMMISSION
WEST BENGAL

SHRI PRABIR KANTI ROY
SUB-INSPECTOR
VIGILANCE COMMISSION
WEST BENGAL

SHRI BHOLA NATH GHOSH
WIRELESS OPERATOR
TELECOM, HQ
WEST BENGAL

SHRI ASHIM KUMAR DEY
HEAD CONSTABLE, DAP, HQ
WEST BENGAL

SHRI BIMAL KUMAR MAJUMDER
CONSTABLE, RESERVE OFFICE
ALIPORE
WEST BENGAL

SHRI HARDEV SINGH
INSPECTOR
CHANDIGARH

SHRI BALDEV SINGH
ASI, CHANDIGARH
CHANDIGARH

SHRI N KUMARAN
HEAD CONSTABLE
KAVARATTI
LAKSHADWEEP

SHRI PON BAVANANDHAN
HEAD CONSTABLE
PTS
PONDICHERRY

SHRI K R PATEL
ADDL DIG, STC BSF, HAZARIBAGH
BORDER SECURITY FORCE

SHRI B S KUSHWAH
COMDT, SHQ BSF, TAGOREVILLA KOLKATA
BORDER SECURITY FORCE

SHRI C VASUDEVAN
COMDT, 59BN, BSF, KHANETAR
BORDER SECURITY FORCE

SHRI AJAIB SINGH RAI
COMMANDANT, 67 BN, BSF, PANJIPARA
BORDER SECURITY FORCE

DR. B B BEHERA
CMO(SG) FTR HQ BSF AGARTALA
BORDER SECURITY FORCE

DR. N S GANGHRIA
CMO
163 BN BSF RAJOURI (J&K)
BORDER SECURITY FORCE

SHRI A S SANDHU
2 IC, 89 BN BSF SRINAGAR
BORDER SECURITY FORCE

SHRI SUMER SINGH
DY. COMDT.
TC&S BSF HAZARIBAGH
BORDER SECURITY FORCE

SHRI S P S MALIK
DY. COMDT,STC, BSF UDHAMPUR
BORDER SECURITY FORCE

SHRI S G GOEL
DY. COMDT, MT POOL, NEW DELHI
BORDER SECURITY FORCE

SHRI V V SINGH
DY. COMDT, STS BSF BANGALORE
BORDER SECURITY FORCE

SHRI D C LOHANI
ASSTT.COMDT.,COMN DTE, FHQ, NEW DELHI
BORDER SECURITY FORCE

SHRI I J S DUTTA
ASSTT. COMDT., 7 BN BSF, SRINAGAR
BORDER SECURITY FORCE

SHRI SURJIT SINGH
ASSTT. COMDT., FHQ, NEW DELHI
BORDER SECURITY FORCE

SHRI D S KUSHWAH
ASSTT. COMDT. , 35 BN BSF, GANDHINAGAR
BORDER SECURITY FORCE

SHRI G S RAWAT
ASSTT. COMDT., 130 BN. SALBAGAN
BORDER SECURITY FORCE

SHRI K K CHETRI
ASSTT. COMDT, 78 BN BSF, MAHESHPUR
BORDER SECURITY FORCE

SHRI R R SHARMA
SUBEDAR, 93 BN, BSF, ACHHAD (JAMMU)
BORDER SECURITY FORCE

SHRI R S BHATTI
SUBEDAR, CSWT, INDORE
BORDER SECURITY FORCE

SHRI P K ARJUNA
INSPECTOR, 29 BN BSF BAIKUNTHAPUR
BORDER SECURITY FORCE

SHRI O G NAMBIAR
INSP/PA, STC UDHAMPUR
BORDER SECURITY FORCE

SHRI MURAD KHAN
SUBEDAR, STC, BSF, TEKANPUR
BORDER SECURITY FORCE

SHRI P B RAI
SUBEDAR, 53 BN, BSF, SAMBA
BORDER SECURITY FORCE

SHRI D P THAPLIYAL
SUB INSPECTOR, 85 BN BSF, MAHARANICHERA
BORDER SECURITY FORCE

SHRI K R YADAV
SUB INSPECTOR(CIPHER), 65 BN BSF BARMER
BORDER SECURITY FORCE

SHRI PRAKASH CHAND
SUB INSPECTOR, 153 BN, BSF, SAMBA
BORDER SECURITY FORCE

SHRI BALBIR SINGH
SUB INSPECTOR, 4 BN, BSF, ARADHPUR, MALDA
BORDER SECURITY FORCE

SHRI R S RATHORE
SUB INSPECTOR, FTR HQ, BSF, JODHPUR
BORDER SECURITY FORCE

SHRI TILAK RAJ
SUB INSPECTOR, BSF ACADEMY, TEKANPUR
BORDER SECURITY FORCE

SHRI CHANDAN SINGH
HEAD CONSTABLE, STC, BSF, JODHPUR
BORDER SECURITY FORCE

SHRI K V NAIR
HEAD CONSTABLE, NTCD, BSF, TEKANPUR
BORDER SECURITY FORCE

SHRI B R SIYAG
HEAD CONSTABLE, STC, BSF, JODHPUR
BORDER SECURITY FORCE

SHRI K S JOSEPH
HEAD CONSTABLE, 106 BN, BSF, NAUGAM (J&K)
BORDER SECURITY FORCE

SHRI M M BHATT
HEAD CONSTABLE, CSWT, BSF, INDORE
BORDER SECURITY FORCE

SHRI SAWAI KHAN
HEAD CONSTABLE, STC BSF, TEKANPUR
BORDER SECURITY FORCE

SHRI KALIKA SINGH
HEAD CONSTABLE, 95 BN BSF, AMARKOT
BORDER SECURITY FORCE

SHRI DESAI RAM
HEAD CONSTABLE, 173 BN BSF, RAJASTHAN
BORDER SECURITY FORCE

SHRI B P LAMBA
HEAD CONSTABLE BSF ACADEMY TEKANPUR
BORDER SECURITY FORCE

SHRI VENU GOPALAN NAIR T.G.
HEAD CONSTABLE, 2 BN, BSF, MASIMPUR
BORDER SECURITY FORCE

SHRI K S CHETTRI
CONSTABLE, 78 BN BSF, MAHESHPUR
BORDER SECURITY FORCE

SHRI J P BALMIKI
SWEEPER, 2 BN BSF MASIMPUR
BORDER SECURITY FORCE

SHRI P N SHARMA
ADDL.DIGP
GC NAGPUR
C.R.P.F.

SHRI RAMESH GURBANI
COMMANDANT
002 SIG BN HYDERABAD
C.R.P.F.

SHRI B R SINGH
COMMANDANT
103 RAF NEW DELHI
C.R.P.F.

SHRI JOGINDER SINGH
COMMANDANT
127 BN SRINAGAR
C.R.P.F.

SHRI A S VERMA
COMMANDANT
001 SIG BN NEW DELHI
C.R.P.F.

SHRI S P SINGH
COMMANDANT
11 BN J&K
C.R.P.F.

SHRI A S KHAN
COMMANDANT
066 BN J&K
C.R.P.F.

SHRI R L MEENA
COMMANDANT
027 BN ASSAM
C.R.P.F.

SHRI G P SINGH
COMMANDANT
72 BN. TRIPURA
C.R.P.F.

SHRI C S RATHORE
COMMANDANT
75 BN. JAMMU
C.R.P.F.

DR. A K DAS
CMO (NFSG)
G C BHOPAL
C.R.P.F.

SHRI A S RAWAT
2 I/C
103 RAF NEW DELHI
C.R.P.F.

SHRI M S NAIR
DY.COMDT.
078 BN CHENNAI
C.R.P.F.

SHRI HOSHIAR SINGH
ASSTT. COMDT
072 BN. TRIPURA
C.R.P.F.

SHRI D P SINGH
ASST. COMDT.
063 BN AMBALA
C.R.P.F.

SHRI M S CHOUHAN
INSPECTOR
134 BN. IMPHAL
C.R.P.F.

SHRI R S RAWAT
INSPECTOR
035 BN JODHPUR
C.R.P.F.

SHRI ISHWAR SINGH
INSPECTOR
AWS-VII IMPHAL
C.R.P.F.

SHRI A K BALAN
INSPECTOR
AWS-I HYDERABAD
C.R.P.F.

SHRI V K RAMACHANDRA KURUP
INSPECTOR (MT)
GC PALIPURAM
C.R.P.F.

SHRI KAMALA SINGH
SUB INSPECTOR
123 BN NAGALAND
C.R.P.F.

SHRI M R BHASKARAN
SUB INSPECTOR
110 BN MANIPUR
C.R.P.F.

SHRI S B YADAV
SUB INSPECTOR
GC 1 , AJMER
C.R.P.F.

SHRI MARCEL LAKRA
HEAD CONSTABLE
50 BN ASSAM
C.R.P.F.

SHRI PASSANG SHERPA
HEAD CONSTABLE
14 BN JAIPUR
C.R.P.F.

SHRI S S SAWANT
HEAD CONSTABLE(DRIVER)
27 BN ASSAM
C.R.P.F.

SHRI NAIN SINGH
HEAD CONSTABLE
048 BN JAMMU & KASHMIR
C.R.P.F.

SHRI PREM DASS
HEAD CONSTABLE (BAND)
GC NEEMUCH
C.R.P.F.

SHRI G S SHUKLA
HEAD CONSTABLE
RTC-III PALLIPURAM
C.R.P.F.

SHRI S C LODH
COOK
70 BN. J&K
C.R.P.F.

SHRI UTTAM CHAND
SM (OS)
GC JALANDHAR
C.R.P.F.

SHRI K D PANT
SM(OS)
GC GURGAON
C.R.P.F.

SHRI M L SHARMA
SM (OS)
GC 2 AJMER
C.R.P.F.

SHRI M N J NAIR
SM (OS)
GC NEW DELHI
C.R.P.F.

SHRI HIRA SINGH
COMDT-13 BN
I.T.B.P.

DR. T. RAVI PRASAD
CMO (SG)
NEW DELHI
I.T.B.P

SHRI J.P. PANT
DC (TELECOM)
TELECOM BN
I.T.B.P.

SHRI D.P. MANORI
INSPECTOR, 2 BN
I.T.B.P.

SHRI P.L. SHAH
HEAD CONSTABLE, SS BN
I.T.B.P.

SHRI NETTAR SINGH
HEAD CONSTABLE SPT BN KARERA
I.T.B.P.

SHRI SURAT SINGH
HEAD CONSTABLE, 24 BN
I.T.B.P.

SHRI R P THAKUR
DIG
EZ PATNA BIHAR
C.I.S.F.

SHRI SURENDRA PANWAR
DIG
CISF HQRS NEW DELHI
C.I.S.F.

SHRI S M SAHAI
DIG
CISF HQRS NEW DELHI
C.I.S.F.

SHRI P R K NAIDU
DIG
DOS HQRS, BANGALORE
C.I.S.F.

SHRI V P PRABHU
COMMANDANT
FBP FARAKKA WEST BENGAL
C.I.S.F.

SHRI M. SREENIVASAN
DY. COMMANDANT
NLC NEYVELI TAMIL NADU
C.I.S.F.

SHRI K R VISWANATHAN
DEPUTY COMMANDANT
NISA HYDERABAD
C.I.S.F.

SHRI S K SINGH
ASSISTANT COMMANDANT
BSL BOKARO
C.I.S.F.

SHRI YOGINDER SINGH
ASSISTANT COMMANDANT
ITI PALAKKAD KERALA
C.I.S.F.

SHRI A K ARORA
INSPECTOR/STENO
GP HQRS MUMBAI
C.I.S.F.

SHRI MANWAR SINGH
ASI/EXE
BHEL HARDWAR (UTTARANCHAL)
C.I.S.F.

SHRI N.E. RAVINDRAN NAIR
HEAD CONSTABLE
VSTPS VINDHYANAGAR
C.I.S.F.

SHRI A K MAITY
HEAD CONSTABLE
RSP ROURKELA (ORISSA)
C.I.S.F.

SHRI A K PALIT
HEAD CONSTABLE
ES HQ PATNA
C.I.S.F.

SHRI K S GANAPATHY BHAT
HEAD CONSTABLE/GD
RTC ARAKKONAM
C.I.S.F.

SHRI M K SAHOO
HEAD CONSTABLE
ISRO BANGALORE
C.I.S.F.

SHRI MANORANJAN DAS
HEAD CONSTABLE
OPS NOONMATI
C.I.S.F.

SHRI D. EDWIN
HEAD CONSTABLE
DSP DURGAPUR
C.I.S.F.

SHRI PADIA RAM
SUBEDAR MAJOR, KANCHANPUR,
TRIPURA
ASSAM RIFLES

SHRI N.S. SARAVADE
DIG
BS&FC MUMBAI
C.B.I.

SHRI P. NIRAJNAYAN
DIG, LUCKNOW
C.B.I.

SHRI K.S. JOSHI
ADDL. SP, SCB NEW DELHI
C.B.I.

SHRI A.K. SINGH
DY.S.P.
EOW-II-DELHI
C.B.I.

SHRI RANGARAJAN RAJU
DY.SP.
MDMA/CHENNAI
C.B.I.

SHRI D.C. DWIVEDI
DY. SP
ACB LUCKNOW
C.B.I.

SHRI JOGENDRA NAYAK
DY. SP, SIC-IV DELHI
C.B.I.

SHRI RAM SINGH
INSPECTOR
SCB DELHI
C.B.I.

SHRI KISHAN LAL
INSPECTOR, MDMA DELHI
C.B.I.

SHRI D.S. RAWAT
INSPECTOR
ACB, JAIPUR
C.B.I.

SHRI DILIP SINGH
INSPECTOR, ACU-I, DELHI
C.B.I.

SHRI D.S. DAGAR
INSPECTOR
ACU-II DELHI
C.B.I.

SHRI P.C. YADAV
SUB INSPECTOR, ACU-III
NEW DELHI
C.B.I.

SHRI MANSA RAM DOGRA
ASI
CO-OR DELHI
C.B.I.

SHRI A.K. MISHRA
ASI, EOW KOLKATA
C.B.I.

SHRI JAGDISH PRASAD
HEAD CONSTABLE
HEAD OFFICE, NEW DELHI
C.B.I.

SHRI K.S. RAWAT
HEAD CONSTABLE, ACU-II DELHI
C.B.I.

SMT. NEELMANI N RAJU
DY. DIR. SIB,
BANGALORE
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI ARVIND KUMAR
DY.DIR. SIB DELHI
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI S.K. BANSAL
DY. DIR.
JAMMU
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI V.K. SINGH
DY. DIR., SIB, SHIMLA
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI P.K. BHARDWAJ
DY. DIR. IB HQ, NEW DELHI
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI A.K. MISHRA
DY. DIR, SIB,
RAIPUR
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI P.K. BHATTACHARJEE
ASSTT. DIR., IB HQ, NEW DELHI
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI KULDEEP SINGH
ASSTT. DIR., SIB, SRINAGAR,
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI B.V. SINGH
DCIO, SIB BHOPAL
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI K.P. SINGH
DCIO, SIB, MUMBAI,
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI G.P. SREEDHARAN NAIR
DCIO, SIB, PUNE,
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI MURARI LAL
DCIO, IB HQ, NEW DELHI
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI P.V. BABU
DCIO, SIB, NAGPUR
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI U.N. VERMA
ACIO-I/WT, SIB, PATNA
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI V.K. SRIVASTAVA
ACIO-I/G, SIB
LUCKNOW
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI NARAIN SINGH
ACIO-I/G, SIB, CHANDIGARH
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI G. RAJKUMAR
ACIO-I/G, SIB,
CHENNAI
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI SHAM SINGH
ACIO-I/G, SIB,
SRINAGAR
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI K.T. BANKAPUR
ACIO-I/G, SIB
BANGALORE
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI MAAN CHAND
ACIO-II/G, SIB, SRINAGAR
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI D.R. CHOUDHURY
ACIO-II/G, SIB
KOLKATA
INTELLIGENCE BUREAU

SHRI A.R. THAKUR
DIG, SALONIBARI
M.H.A (S.S.B)

SHRI B R BHARDWAJ
COMMANDANT, GC DELHI
M.H.A (S.S.B)

DR. H. K. MOHANTY
CMO(SG), NEW DELHI
M.H.A (S.S.B)

SHRI D.C.DEY SARKAR
NAIK, 22ND BN, RANIDANGA
M.H.A (S.S.B)

SHRI A C KATOCH
SUB-INSPECTOR
G C, SAPRI
MHA (S.S.B)

SHRI K. PRABHAKARAN
AIG, NEW DELHI
CAB. SECTT. (SPG)

SHRI R.K. LAKHANPAL
SSO, NEW DELHI
CAB. SECTT. (SPG)

SHRI R.K. YADAV
SO-I, NEW DELHI
CAB. SECTT. (SPG)

SHRI R.K. KALRA
SO-I(COMN)
CAB. SECTT. (SPG)

SHRI S.M. GOSWAMI
SO-I(T)
NEW DELHI
CAB. SECTT. (SPG)

SHRI H.C. PANT
SSA(MT), NEW DELHI
CAB. SECTT. (SPG)

SHRI M.K. TIWARI
DY. DIRECTOR
BPR&D, NEW DELHI
M.H.A (BPR&D)

SHRI SURINDER PAL
DY.SP. CDTS
CHANDIGARH
M.H.A (BPR&D)

SHRI AJOY KUMAR MITRA
EXTRA ASSTT DIRECTOR
NEW DELHI
M H A (DCPW)

SHRI K.C. HARNAL,
SR. TECH., ASSTT.,
NEW DELHI
MHA (DCPW)

SHRI G P SRIVASTAVA
DY.SUPDT.(FP)
NCRB NEW DELHI
M.H.A.(NCRB)

SHRI R. K. SOOD
TEAM COMDR, HQ NSG, NEW DELHI
M.H.A.(NSG)

SHRI A.K. VIJAYA RAGHAVAN
ASSTT. COMDR. – I (PA)
HQ NSG NEW DELHI
M.H.A.(NSG)

SHRI GAJRAJ SINGH
RANGER-I
HQ NSG, NEW DELHI
M.H.A.(NSG)

SHRI LAXMAN SINGH
ASC
MUMBAI CENTRAL
MINISTRY OF RAILWAYS

SHRI BABU LAL MEENA
ASSTT. COMDT. ,6 BN RPSF, DELHI
MINISTRY OF RAILWAYS

SHRI H. B CHAKRABORTY
INSPECTOR, KOLKATA
MINISTRY OF RAILWAYS

SHRI P . K MAN SINGH
INSPECTOR, BERHAMPUR
MINISTRY OF RAILWAYS

SHRI MANI MADHAW TRIPATHI
INSPECTOR, ANDAL
MINISTRY OF RAILWAYS

SHRI S. PARAMASIVAM
INSPECTOR, TAMBARAM
MINISTRY OF RAILWAYS

SHRI DEEWAN SINGH
INSPECTOR,
JAIPUR
MINISTRY OF RAILWAYS

SHRI AMAL KUMAR ROY
ASI,.
LUMBDING
MINISTRY OF RAILWAYS

SHRI BALKURAM RAJPUT
ASI
MUMBAI CENTRAL
MINISTRY OF RAILWAYS

SHRI A. BHASKARAN
ASI
SECUNDERABAD
MINISTRY OF RAILWAYS

SHRI ASARAM SHIVRAM PAITHANKAR
HEAD CONSTABLE, MANMAD STN.
MINISTRY OF RAILWAYS

SHRI MOHAN LAL SHARMA
HEAD CONSTABLE
RATLAM
MINISTRY OF RAILWAYS

SHRI PRAMOD ASTHANA
DIR. (SECURITY)
RAJYA SABHA SECRETARIAT NEW DELHI
RAJYA SABHA SECRETARIAT

2. These awards are made under Rule 4 (ii) of the rules governing the grant of Police Medal for Meritorious Service.

(Barun Mitra)
Director

No.3-Pres./2003 - The President is pleased, on the occasion of the Republic Day 2003, to award the President's Fire Service Medal for Distinguished Service to the undermentioned officers:-

SHRI S. PRASAD
DIVISIONAL FIRE OFFICER
JHARKHAND

SHRI T. MOOLYA
ASSISTANT FIRE STATION OFFICER
KARNATAKA

SHRI L.N. RAUT
CHIEF FIRE OFFICER
MAHARASHTRA

SHRI R. VAIDYANATHAN
STATION OFFICER
TAMIL NADU

SHRI A.K. CHATURVEDI
CHIEF FIRE OFFICER
UTTAR PRADESH

SHRI S.L. NAGARKAR
AIG (FIRE)
C.I.S.F.
MINISTRY OF HOME AFFAIRS

SHRI N.P. SINGH
DY. COMMANDANT (FIRE)
C.I.S.F.
MINISTRY OF HOME AFFAIRS

SHRI S. SARKAR
ASI (FIRE)
C.I.S.F.
MINISTRY OF HOME AFFAIRS

2. These awards are made under Rule 3(ii) of the rules governing the grant of Fire Service Medals.

(Barun Mitra)
DIRECTOR

No.4-Pres./2003 - The President is pleased, on the occasion of the Republic Day 2003, to award the Fire Service Medal for Meritorious Service to the undermentioned officers:-

SHRI D. DEVUDU
STATION FIRE OFFICER
ANDHRA PRADESH

SHRI S. KASI RAO
LEADING FIREMAN
ANDHRA PRADESH

SHRI M. ALI,
LEADING FIREMAN
ANDHRA PRADESH

SHRI S. HUSSAIN
FIREMAN
ASSAM

SHRI A.K. SHARMA
DY. CHIEF FIRE OFFICER
N.C.T. OF DELHI

SHRI G.C. MISRA
DY. CHIEF FIRE OFFICER
N.C.T. OF DELHI

SHRI SANTOKH SINGH
DIVISIONAL OFFICER
N.C.T. OF DELHI

SHRI R.N. CHECHI
STATION OFFICER
N.C.T. OF DELHI

SHRI R.K. DAHIYA
STATION OFFICER
N.C.T. OF DELHI

SHRI D.R. PANDEY
JAMADAR
GUJARAT

SHRI S.D. SHAIKH
JAMADAR
GUJARAT

SHRI P.S. PARMAR
JAMADAR
GUJARAT

SHRI N.M. PARMAR
JAMADAR
GUJARAT

SHRI K.N. NATHBAVA
JAMADAR
GUJARAT

SHRI Y.I. SHAIKH
JAMADAR
GUJARAT

SHRI K.B. RAWAT
JAMADAR
GUJARAT

SHRI R. KUMAR
FIRE STATION OFFICER
JHARKHAND

SHRI K.U. RAMESH
REGIONAL FIRE OFFICER
KARNATAKA

SHRI M. RANGAPPA
DISTT. FIRE OFFICER
KARNATAKA

SHRI A.V. RAMAKRISHNA RAJU
FIRE STATION OFFICER
KARNATAKA

SHRI K.H. LINGAIAH
FIRE STATION OFFICER
KARNATAKA

SHRI S. MURTHY
ASSTT. FIRE STATION OFFICER
KARNATAKA

SHRI I.S. JEERGAL
ASSTT. FIRE STATION OFFICER
KARNATAKA

SHRI ABDUL ROUF
LEADING FIREMAN 401
KARNATAKA

SHRI L. VASU
STATION OFFICER
KERALA

SHRI V. SOMAN
FIREMAN NO.2447
KERALA

SHRI B.N. SHAIKH
STATION DUTY OFFICER
MAHARASHTRA

SHRI K. LYNGDOH
LEADING FIREMAN
MEGHALAYA

SHRI P.G. MOMIN
LEADING FIREMAN
MEGHALAYA

SHRI S. PADHI
ASSTT. STATION OFFICER
ORISSA

SHRI B.B. NAYAK
DRIVER HAVILDAR
ORISSA

SHRI M.K. MOHAPATRA
FIREMAN 587
ORISSA

SHRI S. VEDHACHALAM
LEADING FIREMAN
PONDICHERRY

SHRI W.K. ARIYANAYAGAM
DIVISIONAL OFFICER
TAMIL NADU

SHRI M. SRINIVASAN
STATION OFFICER
TAMIL NADU

SHRI K. SELVARAJ
L.F. 2773
TAMIL NADU

SHRI S.. UBAGARASAMY
D.M. 2412
TAMIL NADU

SHRI M. GANAPATHY
FIREMAN 2778
TAMIL NADU

SHRI P.K. RAO
DEPUTY DIRECTOR (TECH)
UTTAR PRADESH

SHRI R.K. SINGH
CHIEF FIRE OFFICER,
UTTAR PRADESH

SHRI U.R. YADAV
FIRE SERVICE DRIVER
UTTAR PRADESH

SHRI MADAN LAL
FIREMAN
UTTARANCHAL

SHRI A. BANERJEE
STATION OFFICER
WEST BENGAL

SHRI E.A. SHEIK
STATION OFFICER
WEST BENGAL

SHRI R. SENGUPTA
MOBILISING OFFICER
WEST BENGAL

SHRI K.A. NAIR
HEAD CONSTABLE (FIRE)
C.I.S.F.
MINISTRY OF HOME AFFAIRS

SHRI B.K. YADAV
HEAD CONSTABLE (FIRE)
C.I.S.F.
MINISTRY OF HOME AFFAIRS

SHRI SANJIB ROY
HEAD CONSTABLE (FIRE)
C.I.S.F.
MINISTRY OF HOME AFFAIRS

SHRI S.R. SAINI
HEAD CONSTABLE (FIRE)
C.I.S.F.
MINISTRY OF HOME AFFAIRS

SHRI I.G. DUDHANI
ASSTT. MANAGER (FIRE & SAFETY)
MINISTRY OF CHEMICALS & FERTILIZERS

2. These awards are made under Rule 3(ii) of the rules governing the grant of Fire Service Medals.

(Barun Mitra)
DIRECTOR

14—461 GI/2002

No.5-Pres./2003 - The President is pleased, on the occasion of the Republic Day 2003, to award the President's Home Guards and Civil Defence Medal for Distinguished Service to the undermentioned officers:-

SHRI JASBIR SINGH
ADDL. CHIEF WARDEN (SOUTH)
N.C.T.OF DELHI

SHRI LAXMAN SINGH
INSTRUCTOR CIVIL DEFENCE
N.C.T. OF DELHI

SHRI G.P. SINGH GREWAL
DISTRICT COMMANDANT
HARYANA

SHRI NANDA
COMMANDANT
KARNATAKA

SHRI B. ALLABAKSH
INSTRUCTOR
KARNATAKA

SHRI K.M. DUBEY
COMMANDANT
MADHYA PRADESH

SHRI M.M. VERMA
DISTRICT COMMANDANT
MADHYA PRADESH

SHRI A. SINGH
DISTRICT COMMANDANT
MADHYA PRADESH

SHRI A.A. PATIL
DISTRICT COMMANDANT
MAHARASHTRA

SHRI NARAYAN SINGH
DY. COMMANDNAT GENERAL
RAJASTHAN

SHRI M.C. SHARMA
SUB-FIRE OFFICER
RAJASTHAN

SHRI B.C. JAIN
DIV. WARDEN
RAJASTHAN

SHRI A. SIVAKUMAR
ASSTT. COMMANDANT GENERAL
TAMIL NADU

SHRI R.B. SINGH
DY. COMMANDANT GENERAL
UTTAR PRADESH

SHRI K. SAIFI
COY. COMMANDER
UTTAR PRADESH

2. These awards are made under Rule 3(ii) of the rules governing the grant of Home Guards and Civil Defence Medal.

Barun Mitra

(Barun Mitra)
DIRECTOR

No.6-Pres./2003 - The President is pleased, on the occasion of the Republic Day 2003, to award the Home Guards and Civil Defence Medal for Meritorious Service to the undermentioned officers:-

SHRI PULIN CHANDRA DAS
DIV. COMMANDANT
ASSAM

SHRI PHANIDHAR SAIKIA
SUBEDAR
ASSAM

SHRI NRIPEN TALUKDAR
ASSTT. DY. CONTROLLER
ASSAM

SHRI R.C. CHHAZLAAN
DIV. WARDEN
N.C.T. OF DELHI

SHRI B.R. MALHOTRA
DIV. WARDEN
N.C.T. OF DELHI

DR. R.C. SHAH
DIV. COMMANDER
GUJARAT

SHRI M.C. DATANIA
SR. DIV. COMMANDER
GUJARAT

SHRI C.S. RAJPUT
SECOND-IN-COMMAND
GUJARAT

SHRI P.S. BHATIA
SR. PLATOON COMMANDER
GUJARAT

SHRI S.V. BUCH
OFFICER COMMANDING
GUJARAT

SHRI SURESH NAGPAL
COY. COMMANDER
HARYANA

SHRI RANJEET SINGH
PLATOON COMMANDER
HARYANA

SHRI B.S. CHAUHAN
COY. COMMANDER
HIMACHAL PRADESH

MS. SUMAN KAUL
COY. COMMANDER
HIMACHAL PRADESH

SHRI BHIMI RAM
PLATOON COMMANDER
HIMACHAL PRADESH

SHRI S.K. MOHI
DY. COMMANDANT
KARNATAKA

SHRI B. RAJANNA
STAFF OFFICER (ACCTTS.)
KARNATAKA

SHRI M.R. JUNAIDI
COY. COMMANDER
KARNATAKA

SHRI S.N. SHIVAREDDY
COY. COMMANDER
KARNATAKA

SHRI G.H.S. REDDY
SR. PLATOON COMMANDER
KARNATAKA

SHRI B.T. GHODKE
PLATOON COMMANDER
KARNATAKA

SHRI M. SRINIVASAN
COY. QTR. MASTER SERGEANT
KARNATAKA

SHRI K.L. SHARMA
COY. COMMANDER
MADHYA PRADESH

SHRI S.K. SEHGAL
PLATOON COMMANDER
MADHYA PRADESH

SHRI P.R. BANJARA
PLATOON COMMANDER
MADHYA PRADESH

SHRI T. KHAN
HAVILDAR
MADHYA PRADESH

SMT. SUNITA JARGAR
NAIK
MADHYA PRADESH

SHRI R.C. PARANJPE
JUNIOR STAFF OFFICER
MAHARASTHRA

MS. N.B. PATKAR
COY. COMMANDER
MAHARASHTRA

SHRI M.G. KASALKAR
HG VOLUNTEER
MAHARASHTRA

SHIRI S.K. PANCHAL
QTR. MASTER. SUBEDAR
MAHARASHTRA

SHRI S.S. MUNGALKAR
SENIOR INSTRUCTOR (FF)
MAHARASHTRA

SHRI S.B. NIRBHAVANE
DIV. WARDEN
MAHARASHTRA

MS. M.G. CHAVAN
CD VOLUNTEER
MAHARASTHRA

SHRI B.B. BHUJABAL
PLATOON COMMANDER
ORISSA

SHRI J.N. PADHEE
CD VOLUNTEER
ORISSA

SHRI A.K. NAIK
CD VOLUNTEER
ORISSA

SHRI B.S. RATHORE
PLATOON COMMANDER
RAJASTHAN

SHRI K. UDAYAKUMAR
DY. AREA COMMANDER
TAMIL NADU

SHRI M. MURUGAN
PLATOON COMMANDER
TAMIL NADU

SHRI K. CHELLAIH
PLATOON COMMANDER
TAMIL NADU

SHRI D.P.S. GAUTAM
ASSTT. DY. CONTROLLER
UTTAR PRADESH

SHRI S.K. AGARWAL
CHIEF WARDEN
UTTAR PRADESH

SHRI D. PRASAD
DY. DIV. WARDEN
UTTAR PRADESH

SHRI K.K. DUBEY
DY. DIV. WARDEN
UTTAR PRADESH

SHRI R.N. MISRA
DIV. WARDEN
UTTAR PRADESH

SHRI A.K. DATTA
STAFF OFFICER INSTRUCTOR
WEST BENGAL

MS. RATNA GANGULY
STAFF OFFICER INSTRUCTOR
WEST BENGAL

SHRI A.K. VERMA
CHIEF CD INSTRUCTOR
MINISTRY OF RAILWAYS

SHRI S. GHOSH
JE-1(DRG) & CHIEF C.D. INSP.
MINISTRY OF RAILWAYS

2. These awards are made under Rule 3(ii) of the rules governing the grant of Home Guards and Civil Defence Medal.

(Barun Mitra)
DIRECTOR

No.7-Pres./2003 - The President is pleased, on the occasion of the Republic Day 2003, to award the Correctional Service Medal for Meritorious Service to the following prison personnel: -

Shri Manohar Kisanji Meshram,
Superintendent,
Amravati Prison,
Maharashtra.

Shri Vijay Digambar Bendre,
Superintendent,
Yeravda Open Prison,
Maharashtra.

Shri Shankar Madhav More,
Jailor Grade-II,
Mumbai Central Prison,
Maharashtra.

Shri Gulabrao Suresh Wankhede,
Havildar,
Mumbai Central Prison,
Maharashtra.

Shri Uttam Rambhau Fadtare,
Sepoy,
Visapur District Prison,
Maharashtra.

Shri N. Anbalagan,
Deputy Jailor (T),
Central Prison, Trichy,
Tamil Nadu.

Shri P. Mariappan,
Chief Head Warder,
Central Prison, Trichy,
Tamil Nadu.

Shri S.G. Basha,
Grade-I Warder,
Central Prison, Chennai,
Tamil Nadu.

Shri C. Santhanam,
Grade-I Warder,
Central Prison, Trichy,
Tamil Nadu.

Shri K. Ramasamy,
Grade-II Warder,
Sub-Jail, Erode,
Tamil Nadu.

Shri K. Murugan,
Grade-II Warder,
Sub-Jail, Thiruvannamalai,
Tamil Nadu.

Shri A.V. Masilamani,
Grade-II Warder,
Central Prison, Vellore,
Tamil Nadu.

Shri T. Valsakumaran,
Grade-II Warder,
Sub-Jail, Thuckalay,
Tamil Nadu.

Tmt. A. Durgabai,
Grade-I Warder (Female).
Special Prison for Women, Vellore,
Tamil Nadu.

Smt. P. Nehrubai,
Grade-II Warder (Female),
Special Prison for Women, Vellore,
Tamil Nadu.

Shri Simanchal Nayak,
Head Warder,
Circle Jail, Berhampur,
Orissa.

Shri Sunil Kumar Gupta,
Law Officer,
Prisons Headquarter Tihar,
New Delhi.

Shri Surinder Kumar Matta,
Deputy Superintendent-II,
Prisons Headquarter, Tihar,
New Delhi.

Shri Udai Raj
Assistant Superintendent,
Centrail Jail No. 4, Tihar,
New Delhi.

Shri Atma Ram Thakur,
Assistant Factory Supervisor,
Central Jail No. 2, Tihar,
New Delhi.

Shri Jai Bhagwan,
Head Warder, Roll No.157,
Central Jail Tihar,
New Delhi.

Shri Inderjeet Singh,
Warder, Roll No.357,
Central Jail No. 4, Tihar,
New Delhi.

2. These awards are made under Rule 4(iii) of the Rules governing the grant of Correctional Service Medal for Meritorious Service.

Barun Mitra

(Barun Mitra)
DIRECTOR

No.8-Pres./2003 - The President is pleased, on the occasion of the Republic Day 2003, to award the President's Tatrakshak Medal for Distinguished Service to Inspector General P. Paleri (0035-D).

2. This award is made under Rule 4(iv) of the Rules governing the grant of the President's Tatrakshak Medal.

(Barun Mitra)
DIRECTOR

No.9-Pres./2003 - The President is pleased, on the occasion of the Republic Day 2003, to award the Tatrakshak Medal for Meritorious Service to the undermentioned officers:-

DIG K. BALSUBRAMANIAN (0006-M)

COMMANDANT K.S. SHEORAN (0089-C)

COMMANDANT G. SINGH (0083-M)

2. These awards are made under Rule 11(ii) of the Rules governing the grant of Tatrakshak Medal.

(Barun Mitra)
DIRECTOR

No.10-Pres./2003 - The President is pleased, on the occasion of the Republic Day 2003, to award the Tatrakshak Medal for Gallantry to the undermentioned officers:-

COMMANDANT V.S.R. MURTHY (0092-J)

PRADHAN YANTRIK P.P. BIJU (07552-R)

UTTAM NAVIK MANU MINZ (03076-S)

2. These awards are made under Rule 11 (i) of the Rules governing the award of Tatrakshak Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under Rule 13(a) with effect from 05 July 2002. Citations in respect of the above officers are enclosed.

(Barun Mitra)
DIRECTOR

CITATION

1. Commandant VSR Murthy (0092-J), a Gold Medallist in M.SC, (Marine Sciences) joined Coast Guard on 18 Jan 1984. The officer had excelled during the training phase by standing Ist in overall merit and also performed extremely well in both afloat and ashore appointments during his illustrious career spanning over 18 years.

2. Commandant Murthy took over command of Coast Guard Ship Vijaya on 16 Apr 2002. The officer faced the challenge of running the second oldest ship. The professionalism, dynamism in leadership and above all his ability to motivate his men transformed the ship into a well-knit professional unit at sea, which received appreciation of the Flag Officer Sea Training during the ship's Work-up.

3. **'Operation Al-Murtada'** was a singular achievement in the annals not only in the history of Coast Guard Ship Vijaya but also in the Coast Guard. This operational evolution brought to surface Commandant Murthy's highest standard of military leadership and professionalism at sea. Vijaya was deployed on 05 Jul 2002 to intercept the drifting vessel 'MV Al-Murtada' off Devgarh towards shore.

4. The ship sailed at 1000 hrs on 05 Jul at maximum speed and picked the vessel on her radar at a range of 12.6 NM at 2224 hrs. The vessel was just about 5 Nautical Miles from Devgardh Light and likely to run aground in next 1-1/2 to 2 hrs. The ship has time just enough to reach the point of interception.

5. A 'Special Boarding Party' chosen for the task was kept stand-by for boarding the vessel and drop her anchor. The action plan was drawn up giving due consideration to the prevailing situation and the Boarding Party was thoroughly briefed and motivated by the officer to meet the challenges.

6. The ship arrived in close vicinity of the vessel at 2315 hrs. The officer was well aware of the tensions mounting/gripping the shipping traffic in the Arabian Sea posts United States attacks on the Taliban fundamentalists. The unlit and non-responding vessel posed dangerous risk factors such as presence of militants/pre-activated detonators onboard the vessel and also retaliation on the Boarding Party. Adding to this, it was pitch-dark night and the sea was furious in monsoon weather with Sea state 4-5 / long swell and winds gusting up to 25 kts. Decision to send Boarding Party under such circumstances demands a very high degree of dexterity in analysing the situation and boldness to march ahead one's forces. Having thoroughly weighed the situation at hand, a courageous decision with perfect conviction was taken by the officer to pursue with the mission, keeping with the highest traditions of an Armed Force. The officer ensured the safety of the Boarding Party with bulletproof jackets, additional out board motor and external fire cover by the ship. After tedious boarding operation of the heavily tossing vessel, the Boarding Party finally succeeded in dropping her port anchor at 0012hrs on 06 Jul 02. Thus, a situation, which could have turned into a grave marine disaster, was saved by the timely bold decisions of the officer.

7. The Officer's professional acumen had resulted in seizure of the suspicious vessel with two AK-47 riffles, 74 lives rounds and also prevented environmental

damage/navigational hazard. This is the first ever arms seizure in the Arabian Sea after the offensive action by United States against Talibans.

8. The uncertainty of the scenario and adverse weather conditions tested the Officer's caliber as the Commanding Officer to the hilt. In the entire operation of MV Al-Murtada, Commandant VSR Murthy has displayed incredible courage, outstanding leadership qualities, professional competence of high order and consummate devotion to duty inspirable to his fellow officers. His sustained personal bravery and indomitable fighting spirit against overwhelming odds and personal risks reflect the utmost glory upon himself and uphold the finest traditions of the Service. For the act of bravery and incredible courage displayed by Commandant VSR Murthy, he is awarded the **Tatrakshak Medal** for Gallantry.

CITATION

1. PP Biju, Pradhan/Yantrik (Ship Wright) (07552-R) joined the Indian Coast Guard on 06 September. Coast Guard Ship Vijaya sailed from Mumbai at 1000 hrs on 05 Jul 2002 to intercept and board the vessel, MV Al Murtada, which was unmanned, unlit and adrift on high seas. The ship intercepted the vessel at 2251 hrs about 5 miles off Devgarh Light. The vessel was drifting towards shore and was likely to run aground within two to three hrs. Very rough seas prevailed (sea state 4) with long swell and wind gusting upto 20 knots.

2. Coast Guard Ship Vijaya, having come to the area and sighted the vessel running into a situation of imminent grounding, has decided to board the vessel in the dark night itself and drop her anchor. PP Biju, Pradhan/Yantrik(Ship Wright) cheerfully volunteered to take part in the professional boarding party for the mission.

3. Daring the rough seas with utter disregard to the personal safety, the members of the boarding party boarded the vessel at about 2349 hrs with no knowledge of foretaste lying in store for them aboard. Soon after boarding the vessel, the top priority of the boarding party was to see the feasibility of dropping the anchor. Being the shipwright, PP Bijju, Pradhan/Yantrik was assigned the task of preparing the vessel's anchor for letting go. The vessel's anchor windlass and chain cable were fully rusty and jammed. Showing professional acumen of very high order, the Pradhan/Yantrik prepared the vessel's port anchor manually within half an hour, against all odds and hardship caused by non-availability of power supply on board. On approval from the command, the vessel was successfully anchored at a distance of 2.9 Nautical Miles from the shore, thus preventing the vessel from grounding and averting a potential environment /navigational hazard.

4. After successfully dropping the anchor, the boarding party carried out thorough investigation on board. PP Biju, Pradhan/Yantrik(Ship Wright) was instrumental in his role, due primarily being a shipwright, in interpreting the only diagram available on board for successfully accessing the various compartments in a time bound manner to complete the rummaging.

5. For displaying professionalism, devotion to duty, exemplary courage and motivation, PP Biju, Pradhan/Yantrik(Ship Wright) (07552-R) paying not much regard to the personal comfort and safety which resulted in accomplishment of mission, the subordinate officer is awarded **Tatrakshak Medal** for Gallantry.

CITATION

1. Manu Minz, Uttam/Navik (Mechanical Engineering), (03076-S) joined the Coast Guard on 03 August 1995, and joined Coast Guard Ship Vijaya on 27 Jun 1999. On 05 Jul 2002 at 2300 hrs when Coast Guard Ship Vijaya had to send a boarding party to board derelict vessel MV Al Murtada off Devgarh, Manu Minz, Uttam/Navik(Mechanical Engineering), No. 03076-S shouldered the all important task of helming the Gemini through, in really challenging and hostile sea conditions. And for the records, sea state was 4 with prevalent long swell and winds gusting to 20 Knots.

2. Gemini was lowered by ship in pitch dark night to board the unmanned, unlit drifting vessel which in itself was a daunting task. It was next to impossible to steer the Gemini in such furious sea conditions. Manu Minz had taken the challenge of handling the boat without board motor. In the midway to the vessel, the out board motor a technical snag and turned off. The Gemini started getting tossed up in high waves making the situation more inanimate. Showing laudable composure. Minu Minz, Uttam/Navik(Mechanical Engineering)rectified the snag and restarted the out board motor despite adverse sea and weather conditions.

3. When the Gemini was alongside the vessel awaiting the boarding party to climb up the ladder, two chambers of Gemini were punctured due to rubbing against heavy barancle growth of MV Al Murtada. The Gemini thus became dangerously imbalanced due to deflation of chambers on one side and Manu Manz, Uttam/Navik(Mechanical Engineering) quickly responded to the situation with great presence of mind and steered the safely back to ship after dropping the boarding party to MV Al Murtada. Not the one to shy away from scene of action, Manu Minz again volunteered to join the Gemini as technical crew to bring the boarding party back to ship. He ensured uninterrupted operation of out board motor and safe steering of Gemini between MV Al Murtada and ship.

4. On 11 Jul 2002, when boarding Officer was to be conveyed to Devgarh jetty with confiscated arms/ammunition and documents to file First Information Report with Police, Manu Minz again cheerfully volunteered to operate ship's Gemini in heavy weather. Similarly on 12 Jul 2002, Manu Minz once again displayed courage, outstanding technical knowledge and boat handling capabilities while taking the Data Buoy under tow of Mumbai in adverse sea conditions.

5. For displaying high degree of professionalism, valour, team spirit and dedication, true to the traditions of maritime service during the operation of MV Al Murtada, Manu Minz, Uttam/Navik (03076-S) (Mechanical Engineering) is awarded **Tatrakshak Medal** for Gallantry.

15—461 GI/2002

No.- 11 -Pres/2003- The President is pleased on the occasion of Republic Day, 2003 to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned officer:-

NAME AND RANK OF THE OFFICER

SHRI B.C. JADEJA,
Chief Fire officer
Gujarat

Statement of Services for which the decoration has been awarded:

As a fallout of Godhra train massacre incident on 27.2.02, communal riots and wide spread violence broke out throughout Gujarat and in Ahmedabad in particular. In a short span of time, Ahmedabad Fire Brigade had to respond 162 Nos. of Major fires in the city area alone.

2. On 28.2.02 at about 19.45 hours Hotel Moti Manor at Shahibaug area of Ahmedabad was attacked and set on fires by rioters. While 37 inmates of the Hotel could manage to run to safety, 16 employees of the hotel were trapped inside the building, which by that time was full of flames and smoke causing asphyxiation. On getting the distress call, Shri B.C. JADEJA with his teammates rushed to the site of incident with fire tender, water tanker, hydraulic platform (Snorkel) and ambulance. The rioters obstructed the movement of Fire Service and forcefully stopped the snorkel midway. No police protection was available to the fire service personnel in that abnormal hostile situation. So while protecting themselves from the wrath of violent mob, the fire fighters started combating the fire in that towering inferno. In the meantime, two LPG cylinders in the kitchen of the hotel exploded due to tremendous heat resulting flash over. Rioters outside were also adding fuel to the fire by throwing canisters of highly inflammable solvents.

3. In the above scenario, Shri B.C. JADEJA with his team of dedicated firemen ignoring their personal safety, fought the fire for 4 hours without any break and rescued all the 16 trapped persons and saved properties worth several crores.

4. Shri B.C. JADEJA thus displayed exemplary courage, presence of mind, leadership of very high order extreme dedication to his duties and conspicuous gallantry even ignoring his personal safety, while discharging his duties.

5. This award is made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5 (a) w.e.f. 28th February, 2002.

Barun Mitra

(Barun Mitra)
Director

No.- 12-Pres/2003- The President is pleased on the occasion of Republic Day, 2003 to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned officer:-

NAME AND RANK OF THE OFFICER

SHRI J.N. KHADIA,
Station officer (Fire)
Gujarat.

Statement of Services for which the decoration has been awarded:

As a fallout of Godhra train massacre incident on 27.2.02, communal riots and wide spread violence broke out throughout Gujarat and in Ahmedabad in particular. In a short span of time, Ahmedabad Fire Brigade had to respond 162 Nos. of Major fires in the city area alone.

2. On 28.2.02 at about 19.45 hours Hotel Moti Manor at Shahibaug area of Ahmedabad was attacked and set on fires by rioters. While 37 inmates of the Hotel could manage to run to safety, 16 employees of the hotel were trapped inside the building, which by that time was full of flames and smoke causing asphyxiation. On getting the distress call, Shri J.N. KHADIA with his teammates rushed to the site of incident with fire tender, water tanker, hydraulic platform (Snorkel) and ambulance. The rioters obstructed the movement of Fire Service and forcefully stopped the snorkel midway. No police protection was available to the fire service personnel in that abnormal hostile situation. So while protecting themselves from the wrath of violent mob, the fire fighters started combating the fire in that towering inferno. In the meantime, two LPG cylinders in the kitchen of the hotel exploded due to tremendous heat resulting flash over. Rioters outside were also adding fuel to the fire by throwing canisters of highly inflammable solvents.

3. In the above scenario, Shri J.N. KHADIA with his team of dedicated firemen ignoring their personal safety, fought the fire for 4 hours without any break and rescued all the 16 trapped persons and saved properties worth several crores.

4. Shri J.N. KHADIA thus displayed exemplary courage, presence of mind, leadership of very high order extreme dedication to his duties and conspicuous gallantry even ignoring his personal safety, while discharging his duties.

5. This award is made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5 (a) w.e.f. 28th February, 2002.

(Barun Mitra)
Director

No.- 13 -Pres/2003- The President is pleased on the occasion of Republic Day, 2003 to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned officer:-

NAME AND RANK OF THE OFFICER

SHRI K.N. PATEL,
Driver Pump Operator
Gujarat.

Statement of Services for which the decoration has been awarded:

As a fallout of Godhra train massacre incident on 27.2.02, communal riots and wide spread violence broke out throughout Gujarat and in Ahmedabad in particular. In a short span of time, Ahmedabad Fire Brigade had to respond 162 Nos. of Major fires in the city area alone.

2. On 28.2.02 at about 19.45 hours Hotel Moti Manor at Shahibaug area of Ahmedabad was attacked and set on fires by rioters. While 37 inmates of the Hotel could manage to run to safety, 16 employees of the hotel were trapped inside the building, which by that time was full of flames and smoke causing asphyxiation. On getting the distress call, Shri K.N. PATEL with his teammates rushed to the site of incident with fire tender, water tanker, hydraulic platform (Snorkel) and ambulance. The rioters obstructed the movement of Fire Service and forcefully stopped the snorkel midway. No police protection was available to the fire service personnel in that abnormal hostile situation. So while protecting themselves from the wrath of violent mob, the fire fighters started combating the fire in that towering inferno. In the meantime, two LPG cylinders in the kitchen of the hotel exploded due to tremendous heat resulting flash over. Rioters outside were also adding fuel to the fire by throwing canisters of highly inflammable solvents.

3. In the above scenario, Shri K.N. PATEL with his team of dedicated firemen ignoring their personal safety, fought the fire for 4 hours without any break and rescued all the 16 trapped persons and saved properties worth several crores.

4. Shri K.N. PATEL thus displayed exemplary courage, presence of mind, leadership of very high order extreme dedication to his duties and conspicuous gallantry even ignoring his personal safety, while discharging his duties.

5. This award is made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5 (a) w.e.f. 28th February, 2002.

Barun Mitra

(Barun Mitra)
Director

No.- 14-Pres/2003- The President is pleased on the occasion of Republic Day, 2003 to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned officer:-

NAME AND RANK OF THE OFFICER

SHRI P.R. DUBE,
Driver Pump Operator,
Gujarat.

Statement of Services for which the decoration has been awarded:

As a fallout of Godhra train massacre incident on 27.2.02, communal riots and wide spread violence broke out throughout Gujarat and In Ahmedabad in particular. In a short span of time, Ahmedabad Fire Brigade had to respond 162 Nos. of Major fires in the city area alone.

2. On 28.2.02 at about 19.45 hours Hotel Moti Manor at Shahibaug area of Ahmedabad was attacked and set on fires by rioters. While 37 inmates of the Hotel could manage to run to safety, 16 employees of the hotel were trapped inside the building, which by that time was full of flames and smoke causing asphyxiation. On getting the distress call, Shri P.R. DUBE with his teammates rushed to the site of incident with fire tender, water tanker, hydraulic platform (Snorkel) and ambulance. The rioters obstructed the movement of Fire Service and forcefully stopped the snorkel midway. No police protection was available to the fire service personnel in that abnormal hostile situation. So while protecting themselves from the wrath of violent mob, the fire fighters started combating the fire in that towering inferno. In the meantime, two LPG cylinders in the kitchen of the hotel exploded due to tremendous heat resulting flash over. Rioters outside were also adding fuel to the fire by throwing canisters of highly inflammable solvents.

3. In the above scenario, Shri P.R. DUBE with his team of dedicated firemen ignoring their personal safety, fought the fire for 4 hours without any break and rescued all the 16 trapped persons and saved properties worth several crores.

4. Shri P.R. DUBE thus displayed exemplary courage, presence of mind, leadership of very high order extreme dedication to his duties and conspicuous gallantry even ignoring his personal safety, while discharging his duties.

5. This award is made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5 (a) w.e.f. 28th February, 2002.

(Barun Mitra)
Director

No.- 15-Pres/2003- The President is pleased on the occasion of Republic Day, 2003 to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned officer:-

NAME AND RANK OF THE OFFICER

SHRI A.B. MALIK,
Driver Pump Operator,
Gujarat.

Statement of Services for which the decoration has been awarded:

As a fallout of Godhra train massacre incident on 27.2.02, communal riots and wide spread violence broke out throughout Gujarat and in Ahmedabad in particular. In a short span of time, Ahmedabad Fire Brigade had to respond 162 Nos. of Major fires in the city area alone.

2. On 28.2.02 at about 19.45 hours Hotel Moti Manor at Shahibaug area of Ahmedabad was attacked and set on fires by rioters. While 37 inmates of the Hotel could manage to run to safety 16 employees of the hotel were trapped inside the building, which by that time was full of flames and smoke causing asphyxiation. On getting the distress call, Shri A.B. MALIK with his teammates rushed to the site of incident with fire tender, water tanker, hydraulic platform (Snorkel) and ambulance. The rioters obstructed the movement of Fire Service and forcefully stopped the snorkel midway. No police protection was available to the fire service personnel in that abnormal hostile situation. So while protecting themselves from the wrath of violent mob, the fire fighters started combating the fire in that towering inferno. In the meantime, two LPG cylinders in the kitchen of the hotel exploded due to tremendous heat resulting flash over. Rioters outside were also adding fuel to the fire by throwing canisters of highly inflammable solvents.

3. In the above scenario, Shri A.B. MALIK with his team of dedicated firemen ignoring their personal safety, fought the fire for 4 hours without any break and rescued all the 16 trapped persons and saved properties worth several crores.

4. Shri A.B. MALIK thus displayed exemplary courage, presence of mind, leadership of very high order extreme dedication to his duties and conspicuous gallantry even ignoring his personal safety, while discharging his duties.

5. This award is made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5 (a) w.e.f. 28th February, 2002.

Barun Mitra

(Barun Mitra)
Director

No.- 16 -Pres/2003- The President is pleased on the occasion of Republic Day, 2003 to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned officer:-

NAME AND RANK OF THE OFFICER

SHRI V.C. MORE,
Fireman,
Gujarat.

Statement of Services for which the decoration has been awarded:

As a fallout of Godhra train massacre incident on 27.2.02, communal riots and wide spread violence broke out throughout Gujarat and in Ahmedabad in particular. In a short span of time, Ahmedabad Fire Brigade had to respond 162 Nos. of Major fires in the city area alone.

2. On 28.2.02 at about 19.45 hours Hotel Moti Manor at Shahibaug area of Ahmedabad was attacked and set on fires by rioters. While 37 inmates of the Hotel could manage to run to safety, 16 employees of the hotel were trapped inside the building, which by that time was full of flames and smoke causing asphyxiation. On getting the distress call, Shri V.C. MORE with his teammates rushed to the site of incident with fire tender, water tanker, hydraulic platform (Snorkel) and ambulance. The rioters obstructed the movement of Fire Service and forcefully stopped the snorkel midway. No police protection was available to the fire service personnel in that abnormal hostile situation. So while protecting themselves from the wrath of violent mob, the fire fighters started combating the fire in that towering inferno. In the meantime, two LPG cylinders in the kitchen of the hotel exploded due to tremendous heat resulting flash over. Rioters outside were also adding fuel to the fire by throwing canisters of highly inflammable solvents.

3. In the above scenario, Shri V.C. MORE with his team of dedicated firemen ignoring their personal safety, fought the fire for 4 hours without any break and rescued all the 16 trapped persons and saved properties worth several crores.

4. Shri V.C. MORE thus displayed exemplary courage, presence of mind, leadership of very high order extreme dedication to his duties and conspicuous gallantry even ignoring his personal safety, while discharging his duties.

5. This award is made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5 (a) w.e.f. 28th February, 2002.

Barun Mitra

(Barun Mitra)
Director

No.- 17 -Pres/2003- The President is pleased on the occasion of Republic Day, 2003 to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned officer:-

NAME AND RANK OF THE OFFICER

SHRI D.K. RATHOD,
Fireman,
Gujarat.

Statement of Services for which the decoration has been awarded:

As a fallout of Godhra train massacre incident on 27.2.02, communal riots and wide spread violence broke out throughout Gujarat and in Ahmedabad in particular. In a short span of time, Ahmedabad Fire Brigade had to respond 162 Nos. of Major fires in the city area alone.

2. On 28.2.02 at about 19.45 hours Hotel Moti Manor at Shahibaug area of Ahmedabad was attacked and set on fires by rioters. While 37 inmates of the Hotel could manage to run to safety, 16 employees of the hotel were trapped inside the building, which by that time was full of flames and smoke causing asphyxiation. On getting the distress call, Shri D.K. RATHOD with his teammates rushed to the site of incident with fire tender, water tanker, hydraulic platform (Snorkel) and ambulance. The rioters obstructed the movement of Fire Service and forcefully stopped the snorkel midway. No police protection was available to the fire service personnel in that abnormal hostile situation. So while protecting themselves from the wrath of violent mob, the fire fighters started combating the fire in that towering inferno. In the meantime, two LPG cylinders in the kitchen of the hotel exploded due to tremendous heat resulting flash over. Rioters outside were also adding fuel to the fire by throwing canisters of highly inflammable solvents.

3. In the above scenario, Shri D.K. RATHOD with his team of dedicated firemen ignoring their personal safety, fought the fire for 4 hours without any break and rescued all the 16 trapped persons and saved properties worth several crores.

4. Shri D.K. RATHOD thus displayed exemplary courage, presence of mind, leadership of very high order extreme dedication to his duties and conspicuous gallantry even ignoring his personal safety, while discharging his duties.

5. This award is made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5 (a) w.e.f. 28th February, 2002.

Barun Mitra

(Barun Mitra)
Director

No.- 18 -Pres/2003- The President is pleased on the occasion of Republic Day, 2003 to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned officer:-

NAME AND RANK OF THE OFFICER

SHRI H.K. PATEL,
Fireman,
Gujarat.

Statement of Services for which the decoration has been awarded:

As a fallout of Godhra train massacre incident on 27.2.02, communal riots and wide spread violence broke out throughout Gujarat and in Ahmedabad in particular. In a short span of time, Ahmedabad Fire Brigade had to respond 162 Nos. of Major fires in the city area alone.

2. On 28.2.02 at about 19.45 hours Hotel Moti Manor at Shahibaug area of Ahmedabad was attacked and set on fires by rioters. While 37 inmates of the Hotel could manage to run to safety, 16 employees of the hotel were trapped inside the building, which by that time was full of flames and smoke causing asphyxiation. On getting the distress call, Shri H.K. PATEL with his teammates rushed to the site of incident with fire tender, water tanker, hydraulic platform (Snorkel) and ambulance. The rioters obstructed the movement of Fire Service and forcefully stopped the snorkel midway. No police protection was available to the fire service personnel in that abnormal hostile situation. So while protecting themselves from the wrath of violent mob, the fire fighters started combating the fire in that towering inferno. In the meantime, two LPG cylinders in the kitchen of the hotel exploded due to tremendous heat resulting flash over. Rioters outside were also adding fuel to the fire by throwing canisters of highly inflammable solvents.

3. In the above scenario, Shri H.K. PATEL with his team of dedicated firemen ignoring their personal safety, fought the fire for 4 hours without any break and rescued all the 16 trapped persons and saved properties worth several crores.

4. Shri H.K. PATEL thus displayed exemplary courage, presence of mind, leadership of very high order extreme dedication to his duties and conspicuous gallantry even ignoring his personal safety, while discharging his duties.

5. This award is made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5 (a) w.e.f. 28th February, 2002.

Barun Mitra

(Barun Mitra)
Director

No.- 19 -Pres/2003- The President is pleased on the occasion of Republic Day, 2003 to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned officer:-

NAME AND RANK OF THE OFFICER

SHRI R.K. VAGHELA,
Fireman,
Gujarat.

Statement of Services for which the decoration has been awarded:

As a fallout of Godhra train massacre incident on 27.2.02, communal riots and wide spread violence broke out throughout Gujarat and in Ahmedabad in particular. In a short span of time, Ahmedabad Fire Brigade had to respond 162 Nos. of Major fires in the city area alone.

2. On 28.2.02 at about 19.45 hours Hotel Moti Manor at Shahibaug area of Ahmedabad was attacked and set on fires by rioters. While 37 inmates of the Hotel could manage to run to safety, 16 employees of the hotel were trapped inside the building, which by that time was full of flames and smoke causing asphyxiation. On getting the distress call, Shri R.K. VAGHELA with his teammates rushed to the site of incident with fire tender, water tanker, hydraulic platform (Snorkel) and ambulance. The rioters obstructed the movement of Fire Service and forcefully stopped the snorkel midway. No police protection was available to the fire service personnel in that abnormal hostile situation. So while protecting themselves from the wrath of violent mob, the fire fighters started combating the fire in that towering inferno. In the meantime, two LPG cylinders in the kitchen of the hotel exploded due to tremendous heat resulting flash over. Rioters outside were also adding fuel to the fire by throwing canisters of highly inflammable solvents.

3. In the above scenario, Shri R.K. VAGHELA with his team of dedicated firemen ignoring their personal safety, fought the fire for 4 hours without any break and rescued all the 16 trapped persons and saved properties worth several crores.

4. Shri R.K. VAGHELA thus displayed exemplary courage, presence of mind, leadership of very high order extreme dedication to his duties and conspicuous gallantry even ignoring his personal safety, while discharging his duties.

5. This award is made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5 (a) w.e.f. 28th February, 2002.

Barun Mitra

(Barun Mitra)
Director

No.- 21-Pres/2003- The President is pleased on the occasion of Republic Day, 2003 to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned officer:-

NAME AND RANK OF THE OFFICER

SHRI G.A. BORADIYA,
Fireman,
Gujarat.

Statement of Services for which the decoration has been awarded:

As a fallout of Godhra train massacre incident on 27.2.02, communal riots and wide spread violence broke out throughout Gujarat and in Ahmedabad in particular. In a short span of time, Ahmedabad Fire Brigade had to respond 162 Nos. of Major fires in the city area alone.

2. On 28.2.02 at about 19.45 hours Hotel Moti Manor at Shahibaug area of Ahmedabad was attacked and set on fires by rioters. While 37 inmates of the Hotel could manage to run to safety, 16 employees of the hotel were trapped inside the building, which by that time was full of flames and smoke causing asphyxiation. On getting the distress call, Shri G.A. BORADIYA with his teammates rushed to the site of incident with fire tender, water tanker, hydraulic platform (Snorkel) and ambulance. The rioters obstructed the movement of Fire Service and forcefully stopped the snorkel midway. No police protection was available to the fire service personnel in that abnormal hostile situation. So while protecting themselves from the wrath of violent mob, the fire fighters started combating the fire in that towering inferno. In the meantime, two LPG cylinders in the kitchen of the hotel exploded due to tremendous heat resulting flash over. Rioters outside were also adding fuel to the fire by throwing canisters of highly inflammable solvents.

3. In the above scenario, Shri G.A. BORADIYA with his team of dedicated firemen ignoring their personal safety, fought the fire for 4 hours without any break and rescued all the 16 trapped persons and saved properties worth several crores.

4. Shri G.A. BORADIYA thus displayed exemplary courage, presence of mind, leadership of very high order extreme dedication to his duties and conspicuous gallantry even ignoring his personal safety, while discharging his duties.

5. This award is made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5 (a) w.e.f. 28th February, 2002.

Barun Mitra

(Barun Mitra)
Director

No.- 21 -Pres/2003- The President is pleased on the occasion of Republic Day, 2003 to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned officer:-

NAME AND RANK OF THE OFFICER

SHRI J.M. NINAMA,
Fireman,
Gujarat.

Statement of Services for which the decoration has been awarded:

As a fallout of Godhra train massacre incident on 27.2.02, communal riots and wide spread violence broke out throughout Gujarat and in Ahmedabad in particular. In a short span of time, Ahmedabad Fire Brigade had to respond 162 Nos. of Major fires in the city area alone.

2. On 28.2.02 at about 19.45 hours Hotel Moti Manor at Shahibaug area of Ahmedabad was attacked and set on fires by rioters. While 37 inmates of the Hotel could manage to run to safety, 16 employees of the hotel were trapped inside the building, which by that time was full of flames and smoke causing asphyxiation. On getting the distress call, Shri J.M. NINAMA with his teammates rushed to the site of incident with fire tender, water tanker, hydraulic platform (Snorkel) and ambulance. The rioters obstructed the movement of Fire Service and forcefully stopped the snorkel midway. No police protection was available to the fire service personnel in that abnormal hostile situation. So while protecting themselves from the wrath of violent mob, the fire fighters started combating the fire in that towering inferno. In the meantime, two LPG cylinders in the kitchen of the hotel exploded due to tremendous heat resulting flash over. Rioters outside were also adding fuel to the fire by throwing canisters of highly inflammable solvents.

3. In the above scenario, Shri J.M. NINAMA with his team of dedicated firemen ignoring their personal safety, fought the fire for 4 hours without any break and rescued all the 16 trapped persons and saved properties worth several crores.

4. Shri J.M. NINAMA thus displayed exemplary courage, presence of mind, leadership of very high order extreme dedication to his duties and conspicuous gallantry even ignoring his personal safety, while discharging his duties.

5. This award is made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5 (a) w.e.f. 28th February, 2002.

Barun Mitra

(Barun Mitra)
Director

No.- 22 -Pres/2003- The President is pleased on the occasion of Republic Day, 2003 to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned officer:-

NAME AND RANK OF THE OFFICER

SHRI R.S. SODHI,
Joint Director,
Jammu & Kashmir.

Statement of Services for which the decoration has been awarded:

In the wee hours of 14.5.2002, armed Fidayeen militants struck an army camp at Kalu-Chack Cantt, Jammu, killing 26 persons and injuring 47. This resulted in indiscriminate cross firing between the army and the militants, followed by hurling of grenades, series of huge deafening explosions with big flames, which endangered the army camp. On receipt of the first information, Fire Services from Gangyal, Bari Brahmna and Gandhinagar Fire Stations immediately responded for fire fighting and rescue operation. The Fire Service appliances/ vehicles were stranded in the main gate of the camp because of hostile battle scenario inside. The army camp had family quarters, barracks, stores, workshop, garages for vehicle parking with stored barrels of diesel, kerosene and other flammable lubricants in the workshop premises.

2. Ignoring his personal safety Shri R.S. SODHI with his dedicated fire fighting team entered the camp with charged line drawn from appliances stationed outside, without any protection or protective gear and reached the site of incident by crawling and started fire fighting amidst cross firing and grenade explosion etc. Considering the nature of fire, they fought the fire bravely for hours together to suppress and control it in such hostile condition and thus saved many lives and properties worth over several crores of rupees.

3. Shri R.S. SODHI in his aforesaid act displayed professionalism and leadership of very high order, displayed courage, dedication and devotion to duties and conspicuous gallantry even ignoring his personal safety.

4. This award is made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5 (a) w.e.f. 14th May, 2002.

Barun Mitra

(Barun Mitra)
Director

No.- 23-Pres/2003- The President is pleased on the occasion of Republic Day, 2003 to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned officer:-

NAME AND RANK OF THE OFFICER

SHRI RAM PAUL KHAJURIA,
Deputy Director
Jammu & Kashmir.

Statement of Services for which the decoration has been awarded:

In the wee hours of 14.5.2002, armed Fidayeen militants struck an army camp at Kalu-Chack Cantt, Jammu, killing 26 persons and injuring 47. This resulted in indiscriminate cross firing between the army and the militants, followed by hurling of grenades, series of huge deafening explosions with big flames, which endangered the army camp. On receipt of the first information, Fire Services from Gangyal, Bari Brahmna and Gandhinagar Fire Stations immediately responded for fire fighting and rescue operation. The Fire Service appliances/ vehicles were stranded in the main gate of the camp because of hostile battle scenario inside. The army camp had family quarters, barracks, stores, workshop, garages for vehicle parking with stored barrels of diesel, kerosene and other flammable lubricants in the workshop premises.

2. Ignoring his personal safety Shri RAM PAUL KHAJURIA with his dedicated fire fighting team entered the camp with charged line drawn from appliances stationed outside, without any protection or protective gear and reached the site of incident by crawling and started fire fighting amidst cross firing and grenade explosion etc. Considering the nature of fire, they fought the fire bravely for hours together to suppress and control it in such hostile condition and thus saved many lives and properties worth over several crores of rupees.

3. Shri RAM PAUL KHAJURIA in his aforesaid act displayed professionalism and leadership of very high order, displayed courage, dedication and devotion to duties and conspicuous gallantry even ignoring his personal safety.

4. This award is made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5 (a) w.e.f. 14th May, 2002.

(Barun Mitra)
Director

No.- 24-Pres/2003- The President is pleased on the occasion of Republic Day, 2003 to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned officer:-

NAME AND RANK OF THE OFFICER

SHRI ROMESH CHAND RAINA,
Station Officer,
Jammu & Kashmir.

Statement of Services for which the decoration has been awarded:

In the wee hours of 14.5.2002, armed Fidayeen militants struck an army camp at Kalu-Chack Cantt, Jammu, killing 26 persons and injuring 47. This resulted in indiscriminate cross firing between the army and the militants, followed by hurling of grenades, series of huge deafening explosions with big flames, which endangered the army camp. On receipt of the first information, Fire Services from Gangyal, Bari Brahmna and Gandhinagar Fire Stations immediately responded for fire fighting and rescue operation. The Fire Service appliances/ vehicles were stranded in the main gate of the camp because of hostile battle scenario inside. The army camp had family quarters, barracks, stores, workshop, garages for vehicle parking with stored barrels of diesel, kerosene and other flammable lubricants in the workshop premises.

2. Ignoring his personal safety Shri ROMESH CHAND RAINA with his dedicated fire fighting team entered the camp with charged line drawn from appliances stationed outside, without any protection or protective gear and reached the site of incident by crawling and started fire fighting amidst cross firing and grenade explosion etc. Considering the nature of fire, they fought the fire bravely for hours together to suppress and control it in such hostile condition and thus saved many lives and properties worth over several crores of rupees.

3. Shri ROMESH CHAND RAINA in his aforesaid act displayed professionalism and leadership of very high order, displayed courage, dedication and devotion to duties and conspicuous gallantry even ignoring his personal safety.

4. This award is made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5 (a) w.e.f. 14th May, 2002.

Barun Mitra

(Barun Mitra)
Director

No.- 25-Pres/2003- The President is pleased on the occasion of Republic Day, 2003 to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned officer:-

NAME AND RANK OF THE OFFICER

SHRI SURINDER SINGH,
Fireman 276-J,
Jammu & Kashmir.

Statement of Services for which the decoration has been awarded:

In the wee hours of 14.5.2002, armed Fidayeen militants struck an army camp at Kalu-Chack Cantt, Jammu, killing 26 persons and injuring 47. This resulted in indiscriminate cross firing between the army and the militants, followed by hurling of grenades, series of huge deafening explosions with big flames, which endangered the army camp. On receipt of the first information, Fire Services from Gangyal, Bari Brahmna and Gandhinagar Fire Stations immediately responded for fire fighting and rescue operation. The Fire Service appliances/ vehicles were stranded in the main gate of the camp because of hostile battle scenario inside. The army camp had family quarters, barracks, stores, workshop, garages for vehicle parking with stored barrels of diesel, kerosene and other flammable lubricants in the workshop premises.

2. Ignoring his personal safety Shri SURINDER SINGH with his dedicated fire fighting team entered the camp with charged line drawn from appliances stationed outside, without any protection or protective gear and reached the site of incident by crawling and started fire fighting amidst cross firing and grenade explosion etc. Considering the nature of fire, they fought the fire bravely for hours together to suppress and control it in such hostile condition and thus saved many lives and properties worth over several crores of rupees.

3. Shri SURINDER SINGH in his aforesaid act displayed professionalism and leadership of very high order, displayed courage, dedication and devotion to duties and conspicuous gallantry even ignoring his personal safety.

4. This award is made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5 (a) w.e.f. 14th May, 2002.

(Barun Mitra)
Director

No.- 26 -Pres/2003- The President is pleased on the occasion of Republic Day, 2003 to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned officer:-

NAME AND RANK OF THE OFFICER

SHRI N.M. NARKAR,
Fire Brigade Officer,
Maharashtra.

Statement of Services for which the decoration has been awarded:

At 1500 hours of 17th September, 2001, a tanker carrying obnoxious Hydrogen Sulphide caught fire in the busy locality at Khandagale Estate near Purna - a suberb of Bhiwandi in Maharashtra. As a result, panic created and the resident and shopkeepers abandoned their houses and shops and started running away from the spot for fear of explosion of the tanker which may create great loss of human lives damage to the properties. On getting the message, Shri N. M. Narkar, CFO, Bhiwandi and his driver Shri G. S. Pawar immediately rushed to the site of incidence. Together they steered the burning vehicle to an isolated lonely uninhabitated place, ignoring their personal safety The tanker ultimately exploded and the vehicle was charred down to ashes.

2. In this act Shri N.M. NARKAR had displayed extreme presence of mind, leadership, dedication to duties and exemplary courage/gallantry to save life and property of citizens even ignoring their personal safety.

3. This award is made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5 (a) w.e.f. 17th September, 2001

(Barun Mitra)
Director

No.- 27-Pres/2003- The President is pleased on the occasion of Republic Day, 2003 to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned officer:-

NAME AND RANK OF THE OFFICER

SHRI G.S. PAWAR,
Driver-Operator (Fire Service),
Maharashtra.

Statement of Services for which the decoration has been awarded:

At 1500 hours of 17th September, 2001, a tanker carrying obnoxious Hydrogen Sulphide caught fire in the busy locality at Khandagale Estate near Purna - a suberb of Bhiwandi in Maharashtra. As a result, panic created and the resident and shopkeepers abandoned their houses and shops and started running away from the spot for fear of explosion of the tanker which may create great loss of human lives damage to the properties. On getting the message, Shri N. M. Narkar, CFO, Bhiwandi and his driver Shri G. S. Pawar immediately rushed to the site of incidence. Together they steered the burning vehicle to an isolated lonely uninhabitated place, ignoring their personal safety. The tanker ultimately exploded and the vehicle was charred down to ashes.

2. In this act Shri G.S. PAWAR had displayed extreme presence of mind, leadership, dedication to duties and exemplary courage/gallantry to save life and property of citizens even ignoring their personal safety.

3. This award is made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5 (a) w.e.f. 17th September, 2001.

(Barun Mitra)
Director

No.- 28-Pres/2003- The President is pleased on the occasion of Republic Day, 2003 to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned officer:-

NAME AND RANK OF THE OFFICER

LATE K. ARUMUGAM, (POSTHUMOUS)
Fireman 7018,
Tamil Nadu.

Statement of Services for which the decoration has been awarded:

On 15.9.2002 at 16.15 hrs a fire broke out in a four storied shopping complex-cum-residential building in the thickly populated and congested area of Govindappa Naickan Street, Chennai-1. On receipt of distress call, fire services from Anderson Street Fire Station moved to the site of incidence immediately. Fireman 7018 K. Arumugam was a member of the aforesaid fire intervention team.

2. The affected premises had shopping complex in the ground floor with residential accommodation in the upper three floor. The approach lane was very narrow which restricted the movement of the fire appliances. Thick smoke and high flames were emanating from one of the shop in the ground floor blocking the entrance of the house and also the narrow lane due to funneling affect joining tremendous heat. Unless suppress the fire will create secondary fire in the adjoining building. Trappe persons inside the building were crying for help without finding any escape root. In such dangerous situation fireman 7018 Shri K. ARUMUGAM ignoring his personal safety approach the fire site with charged water hole and broke open a shutter of the shop on fire where very smoke and flames were bellowing out. When fireman Arumugam was suppressing the fire in such dangerous situation suddenly an explosion took place and Shri K. Arumugam received 45% burn injury. He was immediately hospitalized where he succumbed later on.

3. The above act of fireman 7018 Shri K. ARUMUGAM displayed his extreme dedication for duties spirit of self-less and courage and gallantry of very high order.

4. This award is made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5 (a) w.e.f. 15th September, 2002.

(Barun Mitra)
Director

Ministry of Home Affairs

New Delhi-110011, the 31st December 2002

RESOLUTION

No. 25011/41/2001-GPA. II/PM. II

The Government of India have set up Bureau of Police Research & Development vide the resolution No. 8/136/68-P.I (Pers.I) dated 28th August, 1970. The functions of the different divisions of BPR&D were revised by the Resolution No. 34/1/73-BPR&D/GPA.I dated 13th September, 1973.

2. The status of State Forensic Science Services available in the country and the inadequacies and impediments that had obstructed its development were examined by various Committees from time to time. It was recommended that there was need to upgrade the all-round competency and functioning of the Forensic Science Laboratories to improve the criminal justice delivery system in the country. It was also recommended that to ensure constant upgradation of Forensic Science activities at the national level there should be integration of all the Central Forensic Science Institutions under one umbrella under the Ministry of Home Affairs.

3. After carefully considering all the recommendations, Government have decided to create a separate Directorate of Forensic Science in New Delhi under the direct charge of the Ministry of Home Affairs, Government of India. The Central Forensic Science

Laboratories at Kolkata, Chandigarh and Hyderabad and Government Examiner of Questioned Documents at Kolkata, Shimla and Hyderabad will be placed under the Directorate of Forensic Science. The Directorate will be headed by a Forensic Scientist who will be designated as Director-cum-Chief Forensic Scientist.

4. The Charter of Duties of Bureau of Police Research & Development and the Directorate of Forensic Science will be as laid down in the Annexures I & II in supersession of the charter of duties mentioned in the annexure to the Ministry of Home Affairs earlier Resolution No. 34/1/73-BPR&D GPA-I dated 13 September, 1973.

(N. GOPALASWAMI)
Secretary

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all State Governments/ Union Territory Administrations; Director General, Bureau of Police Research & Development; Director-cum-Chief Forensic Scientists; Directorate of Forensic Science; Director, Intelligence Bureau; Director, Central Bureau of Investigation; Director General, Border Security Force; Director General, Indo-Tibetan Border Police; Director General, Central Industrial Security Force, Director of Coordination and Police Wireless; Director, SVP National Police Academy; Director, National Institute of Criminology and Forensic Science, Director, National Security Guard; Director, Special Security Bureau; Director, National Crime Records Bureau and All Ministries/ Departments of Governments of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

(HARMINDER RAJ SINGH)
Joint Secretary

Annexure-I

NEW CHARTER OF DUTIES OF DIRECTORATE OF FORENSIC SCIENCE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, GOVT. OF INDIA

- To scientifically assist the justice delivery system.
- To disseminate the forensic knowledge and expertise with and render advisory & consultancy services to judiciary & other investigators through their training institutions.
- Identify the problems of the forensic science and allied services in the country and initiate, stimulate, guide, promote and control all the forensic science activities at Central Government level.
- Establish effective linkages with institutions, organisations, ministries, universities, police, prosecutors and other law enforcement and regulatory agencies in India and abroad for promotion of scientific aids in the criminal justice delivery system in the country.
- Render technical advice and services to the Ministry of Home Affairs, Govt. of India for modernisation of forensic practices in Criminal Justice Delivery System.
- Coordinate for time bound implementation of forensic science quality assurance and accreditation programme at national level and also act as nodal agency for conduct of proficiency testing for forensic science service in the country. Encourage accreditation of private forensic practitioners and evolve 'ethics' in forensic science practice.
- Assess and review the forensic science procedures, manuals, current practices, legal framework and other related matters, as may be referred by the Government from time to time.
- Guide and assist State FSLs, Universities and other Academic Institution both, financially and technically to assess, evaluate and develop emerging and new areas of forensic science, practice to help the law enforcement agencies and judiciary.
- Maintain scientific database and other information from across the country and the world, and make it accessible to forensic science institutions by establishing forensic science information highways.
- Evolve human resource development programme in forensic science at national level and monitor its implementation. Coordinate specialised advanced training to the forensic scientists (Central and as well as State) in the latest scientific techniques in India and abroad.

- Promote forensic science teaching and research & development activities in universities and other institutions in the country.

- Liaise with other govt. and non-government organisations for generation of public awareness on scientific aids in crime investigation.

- Control the administrative and operational activities of the Central Forensic Science Institutes (CFSLs & GEsQD) at Kolkata, Chandigarh and Hyderabad/Shimla.

- Promote and undertake research work in the area of Forensic Science in the CFSLs/GEsQD under the Directorate of Forensic Science.

- Develop appropriate infrastructural facilities and human resources in the CFSLs/GEsQD under Directorate of Forensic Science to enable them to undertake examination of crime case exhibits employing latest scientific techniques.

- Organise Seminars, workshops and Symposia on Forensic Science.

- Award and monitor progress of the Junior Research Fellowship Scheme under Directorate of Forensic Science.

Annexure-II

FUNCTIONS OF BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

I- RESEARCH STATISTICS AND PUBLICATION DIVISION

Analysis and study of crime and problems of general nature affecting the police, e.g.,

a) Trends and causes of crime,
b) Prevention of crime - preventive measures, their effectiveness and relationship with crime.
c) Organization, strength, administration, methods, procedures and techniques of the police forces and their modernisation; police act and mannuals.
d) Improvements in methods of investigation, utility and results of introducing scientific aids and punishment;
e) Inadequacy of laws ;
f) Juvenile delinquency;
g) Police Uniform, badges, medals, decorations, colours and flags, police drill, warrant of procedure etc.

2. Assistance of Police Research programmes in States, processing and coordination of research projects; sponsoring extra-mural research.

3. Work relating to Standing Committee on Police Research.

4. Police Science Congress & other conferences and seminars relating to study of police problems.

5. Participation in social defence and crime prevention programmes.

6. Participation in the work of the United Nations in the field of prevention of crime and treatment of offenders.

7. Maintenance of all India statistics of crime.

8. Statistical analysis of trends of crime.

9. Documentation relating to Police Science and Criminology.

10. Publication of:

i) Police Research & Development Journal
ii) Crime in India
iii) Indian Police Journal
iv) Accidental Deaths and Suicides
v) Research Reports and News letters

vi) Reports, Reviews, other journals and books relating to matters connected with police work.

II. DEVELOPMENT DIVISION

1. Review of the performance of various types of equipment used by the police forces in India and development of new equipment in the following fields:

   a) Arms and Ammunition;
   b) Riot Control Equipment;
   c) Traffic Control Equipment;
   d) Police Transport and
   e) Miscellaneous scientific equipment and scientific aids to investigation.

2. Liaison with the National laboratories, various scientific organisations and institutions and public and private sector undertakings in the above fields; coordination of development programmes and stimulating indigenous production of police equipment.

3. Application of computer technology in various fields of police work.

4. Police publicity and police publicity files, police weeks and parades.

5. Work relating to Police Research & Development Advisory Council and its Standing Committees, other then than on police research.

III TRAINING DIVISION

1. To review from time to time the arrangements for Police training and the needs of the country in this field in the changing social conditions and the introduction of scientific techniques in training and in police work and to formulate and coordinate training policies and programmes in the field of police administration and management.

2. Central Detective Training Schools, Calcutta, Hyderabad & Chandigarh.

3. To evaluate training programmes with a view to securing such standardisation and uniformity in the training arrangements including courses, syllabi and curricula for various ranks in the States/Union Territories as may be desirable and to suggest modifications and improvements that may be considered necessary from time to time to meet new challenges and problems.

4. To help devise new refresher, promotion, specialist and orientation courses considered necessary for the different grades and kinds of police offers.

5. Work relating to the establishment of the Central Medico Legal Institute and the Central Traffic Institute.

6. To prepare, in coordination with the police training institutions, standard manuals, textbooks, pamphlets, lecture notes, case studies, practical exercises and other educative literature for use in these institutions.

7. To distribute relevant literature to Inspectors General/DIsG (Training) in the States for circulation to officers in order to familiarise them with training concepts and to strengthen training consciousness among the higher ranks.

8. To standardise equipment for training and training aids and to arrange for their production and supply to the various training institutions.

9. To create and maintain a circulating library of films for the use of various police training institutions.

10. To assist in the training of police officers of various ranks at appropriate non-police institutions inside and outside the country.

11. To organise the annual Symposium of the Heads of Police Training Institutions and short Seminars on various aspects of Police training.

12. To suggest the establishment of new training institutions under the Centre as necessary from time to time .

13. To act as a clearing house for information relating to Syllabi, methods of training, teaching aids, training programmes and literature on various aspects of police work etc. from India and abroad.

14. To help in the development of libraries in the Central and State Police training institutions.

15. To liaise with the Directorate of Training of the Department of Personnel in relation inter-alia to training aids projects and fellowships under the UNDP, UNESCO & Colombo Plan etc.

IV CORRECTIONAL ADMINISTRATION

1. Analysis and study of prison statistics and problems of general nature affecting Prison Administration.

2. Assimilation and dissemination of relevant information to the States in the field of Correctional Administration.

3. Coordination of Research Studies conducted by RICAs and other Academic/Research Institutes in Correctional Administration and to frame guidelines for conduct of research studies/surveys in consultation with State Governments.

4. To review training programmes keeping in view the changing social conditions, introduction of new scientific techniques and other related aspects.

5. To prepare uniform Training Module including course, syllabi, curriculum, etc. For providing training at various levels to the Prison staff in the field of Correctional Administration.

6. Publication of reports, newsletters, bulletins and preparation of Audio Visual aids, etc. in the field of Correctional Administration.

7. To set up an Advisory Committee to guide the work relating to Correctional Administration.

प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाद द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 2003
PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD, AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 2003